खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | बुधवार, 12 अगस्त, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-221

हर घर तिरंगा, हर मन तिरंगा

स्वतंत्रता सेनानियों को दें श्रद्धांजलि : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोगों से अपील की कि वे देशभर में हर घर पर तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता दिवस मनाएं। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा, आइए, हम हर घर तिरंगा को हर घर में उत्सव बनाएं।

प्रधानमंत्री ने लोगों से 15 अगस्त को गर्व और सम्मान के साथ मनाने तथा देश की आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, आइए, हम 15 अगस्त को गर्व और सम्मान के साथ मनाएं, स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें और विकसित भारत (विकसित भारत) के निर्माण का संकल्प लें। हर घर में तिरंगा, हर परिवार में तिरंगा, हर दिल में तिरंगा। आइए, हम हर घर पर तिरंगा फहराएं।

प्रधानमंत्री ने संसद भवन परिसर स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में आयोजित एनडीए संसदीय दल की बैठक 'मंगल मिलन' का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें मंत्रियों और सांसदों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए तथा 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाते हुए उनका स्वागत किया।

मोदी राष्ट्रीय ध्वज थामे एनडीए सांसदों के साथ शामिल हुए और उपस्थित सदस्यों की ओर झंडा लहराया।

इससे पहले संसद भवन परिसर में मंगलवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की साप्ताहिक संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पहुंचने पर राजग सांसदों ने तिरंगा लहराकर तथा 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाकर उनका स्वागत किया। संसद भवन पुस्तकालय स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में आयोजित इस 'मंगल मिलन' बैठक में केंद्रीय मंत्रियों, राजग नेताओं और गठबंधन में शामिल दलों के सांसदों ने हिस्सा लिया। बैठक में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने जल शक्ति मंत्रालय के विभिन्न कार्यों पर एक प्रस्तुति भी दी। प्रधानमंत्री के सभागार में पहुंचते ही मंत्रियों और सांसदों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराते हुए उनका अभिनंदन किया तथा 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए। बैठक में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, निर्मला सीतारमण, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, एस जयशंकर सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

राजग के घटक दलों के नेताओं में जद(एस) के एचडी कुमारस्वामी, तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के किंजरापु राम मोहन नायडू, आरपीआई (ए) के रामदास आठवले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रफुल्ल पटेल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा और एनसीपीआई की शताब्दी रॉय सहित अन्य मंत्री भी बैठक में मौजूद रहे। संसद सत्र के दौरान हर मंगलवार को राजग संसदीय दल की बैठक आयोजित की जाती है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और 13 अगस्त को संपन्न होगा। बैठक के तुरंत बाद, राजग सांसदों ने संसद के मकर द्वार के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जहां उनका आमना-सामना विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों से हुआ, जो विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे।

एक ओर, जहां सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसदों ने झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों पर पुलिस की ''बर्बर'' कार्रवाई और देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के मुद्दे पर संसद में चर्चा से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कथित तौर पर ''भागने'' का विरोध करते हुए नारे लगाए। वहीं दूसरी ओर, विपक्षी दलों के सांसद अयोध्या के राम मंदिर से कथित चढ़ावा चोरी पर संसद में चर्चा और प्रश्नपत्र लीक को लेकर दिल्ली में 20 जुलाई को प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस के कथित बल प्रयोग को लेकर ▶8पर

उदयकुमार के बयान पर बवाल

'तृषा डिप्टी सीएम कब बनेंगी?'

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अभिनेता विजय की करीबी मानी जाने वाली अभिनेत्री तृषा को लेकर विवादित बयान का मामला एक बार फिर गरमा गया है। तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन के बाद अब अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) नेता और पूर्व मंत्री आर.बी. उदयकुमार ने तृषा को लेकर टिप्पणी की है। उनका एक वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें उन्होंने विजय पर निशाना साधते हुए तृषा का भी जिक्र किया है। उदयकुमार ने कहा कि तमिलनाडु इंतजार कर रहा है कि विजय की 'तृषा' को राज्य का उपमुख्यमंत्री कब बनाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) की सरकार विजय के करीबी लोगों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त कर रही है। इनमें अभिनेता की फिल्मों से जुड़े निर्माता और तकनीकी दल के लोग भी शामिल हैं। उदयकुमार ने कई नियुक्तियों का जिक्र करते हुए मंदिर न्यासी, नई दिल्ली में तमिलनाडु सरकार के विशेष प्रतिनिधि, विजय के निजी सचिव, राज्य फिल्म प्रशिक्षण संस्थान के प्रमुख और सरकारी सलाहकारों जैसे पदों की बात कही।

उदयकुमार की टिप्पणी के बाद मदुरै में तृषा के प्रशंसकों ने विरोध जताया। तृषा प्रशंसक कल्याण संघ के सदस्यों ने शहर के कई हिस्सों में विरोध संबंधी पोस्टर लगाए। पोस्टरों में कहा गया कि तृषा के प्रशंसक इस तरह की टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे और जरूरत पड़ने पर पूरे तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन करेंगे।

टीवीके के एक पदाधिकारी ने भी तृषा के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर उदयकुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तूतीकोरिन जिला पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

उदयनिधि के खिलाफ भी हुई थी कार्रवाई

उदयकुमार की टिप्पणी पर विवाद ऐसे समय हुआ है, जब कुछ दिन पहले ही द्रमुक प्रमुख एम.के. स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन भी तृषा को लेकर कथित दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी के मामले में विवादों में आए थे। तीन अगस्त को तंजावुर में कावेरी जल की मांग को लेकर आयोजित विरोध कार्यक्रम में दिए गए बयान को लेकर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई थी।

उदयनिधि को पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ की थी और बाद में थाने से जमानत पर छोड़ दिया गया था।

▶8पर

10 और 20 के पॉलीमर नोटों को मंजूरी

एक अरब नोटों के परीक्षण का प्रस्ताव स्वीकृत

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। सरकार ने 10 और 20 के एक अरब पॉलीमर बैंकनोटों को फील्ड ट्रायल के लिए पेश करने को मंजूरी दे दी है। संसद को मंगलवार को इसकी जानकारी दी गई।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने केंद्रीय बोर्ड की सिफारिश के साथ भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 25 के तहत सरकार को 10 और 20 के एक अरब-एक अरब पॉलीमर बैंकनोटों को फील्ड ट्रायल के लिए पेश करने तथा फील्ड ट्रायल के सफल पूरा होने के बाद इन दोनों मूल्यवर्गों में पॉलीमर बैंकनोटों को नियमित रूप से जारी करने का प्रस्ताव भेजा था।

उन्होंने कहा, प्रस्ताव को सरकार ने मंजूरी दे दी है। आरबीआई के अनुसार, ये पॉलीमर बैंकनोट कागज आधारित बैंकनोटों के साथ जारी किए जाने का प्रस्ताव है।

सीतारमण ने कहा कि आरबीआई ने सूचित किया है कि खरीद प्रक्रिया वर्तमान में प्रारंभिक चरण में है। इसलिए, इस समय पॉलीमर बैंकनोटों की शुरुआत के सटीक समय-सीमा या उस पर होने वाले खर्च का व्यावहारिक रूप से निर्धारण करना संभव नहीं होगा। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में सीतारमण ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापी गई औसत खुदरा मुद्रास्फीति 2023-24 में 5.4 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 4.6 प्रतिशत और आगे 2025-26 में 2.1 प्रतिशत रह गई।

पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न कमोडिटी मूल्य झटके और ऊंचे वैश्विक ऊर्जा मूल्यों, सब्जियों के मूल्यों में मौसमी वृद्धि तथा अपेक्षित प्रतिकूल एल नीनो स्थितियों के कारण खुदरा मुद्रास्फीति 2026-27 की पहली तिमाही में बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो गई। हालांकि, यह अभी भी भारतीय रिजर्व बैंक के 4 प्रतिशत के मुद्रास्फीति लक्ष्य से नीचे है।

उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की 56वीं बैठक में 18 प्रतिशत की मानक दर, 5 प्रतिशत की मेरिट दर और चुनिंदा कुछ वस्तुओं एवं सेवाओं के लिए 40 प्रतिशत की विशेष डि-मेरिट दर वाली दो-दर संरचना लागू की गई है (लेकिन इसमें पहले की मुआवजा उपकर दर शामिल है, इसलिए कुल कर बोझ में कोई वृद्धि नहीं हुई है)।

इससे कई वस्तुओं एवं सेवाओं पर दरों का युक्तिकरण हुआ28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत, 18 प्रतिशत से 12 या 5 प्रतिशत, और 12 प्रतिशत से 5 प्रतिशत/शून्य।

▶8पर

अब कागज, टिन या कांच के डिब्बे में ही होगी बिक्री

पान मसाला की प्लास्टिक पैकिंग पर रोक

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने पान मसाला की पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया है। नए नियमों के तहत कंपनियां अब केवल कागज, टिन या कांच के डिब्बे में ही पान मसाला पैक कर बेच सकेंगी। कंपनियों को पर्यावरण अनुकूल विकल्पों की ओर बढ़ना होगा। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक पैकेजिंग संशोधन विनियम, 2026 को अधिसूचित कर दिया है। ये नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने पान मसाला की पैकेजिंग में किसी भी तरह के प्लास्टिक, पॉलीथीन, पीवीसी, पॉलिएस्टर या सिंथेटिक पॉलिमर के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है।

इस फैसले की मुख्य वजह पर्यावरण सुरक्षा है। प्लास्टिक और एल्युमिनियम फॉयल वाले पाउच लंबे समय तक नष्ट नहीं होते और पर्यावरण प्रदूषण बढ़ाते हैं। नए नियमों का उद्देश्य पान मसाला की पैकेजिंग को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त और पर्यावरण अनुकूल बनाना है। यह फैसला पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के प्रावधानों के तहत लिया गया है।

अब किन चीजों से होगी पैकेजिंग?

पान मसाला बनाने वाली कंपनियां अब केवल प्लास्टिक मुक्त कागज, पेपरबोर्ड, सेल्यूलोज या अन्य प्राकृतिक रूप से प्राप्त सामग्री का इस्तेमाल कर सकेंगी। इसके अलावा टिन के डिब्बे और कांच के डिब्बों को भी पैकेजिंग के लिए मंजूरी दी गई है।

बाहर कागज, अंदर प्लास्टिक नहीं चलेगा

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि कंपनियां नियमों से बचने के लिए बाहर से कागज का कवर लगाकर अंदर नमी रोकने के लिए प्लास्टिक या एल्युमिनियम का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी। पैकेजिंग अंदर और बाहर, दोनों तरफ से पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त होनी चाहिए।

2018 के पैकेजिंग नियमों में संशोधन

पैकेजिंग नियमों में यह एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है। वर्ष 2018 के खाद्य सुरक्षा एवं मानक (पैकेजिंग) नियमों में संशोधन किया गया है। अब पान मसाला को अनुसूची-4 के तहत एक नई श्रेणी के रूप में शामिल किया गया है। इस अनुसूची में उन वस्तुओं की सूची होती है, ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 23^0

हो गया खेल! भारत को रोककर खुद रूसी तेल खरीद रहा अमेरिका?

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर अमेरिका और पश्चिमी देशों की ओर से लगातार दबाव बनाया जा रहा है। कुछ दिन पहले अमेरिकी सीनेट में एक विधेयक पारित हुआ, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने का अधिकार रखेगा। यह प्रावधान भारत और चीन के लिए सीधा दबाव माना गया, क्योंकि दोनों देश रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदते हैं।

हालांकि, अब अमेरिका और यूरोप की इसी नीति पर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देश रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शुल्क और आर्थिक प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वे स्वयं रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई में भारत ने रूस से करीब 5.5 अरब यूरो यानी लगभग 55 हजार करोड़ रुपये का कच्चा तेल खरीदा। जुलाई में भारत को रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़कर करीब 28 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत द्वारा दुनिया के अन्य देशों से खरीदे जाने वाले कुल कच्चे तेल में रूस की हिस्सेदारी करीब 55 प्रतिशत हो गई।

इन आंकड़ों के सामने आने के बाद अमेरिका और यूरोप की रूस संबंधी नीति को लेकर दोहरे मापदंड की बहस भी तेज हो गई है।

सीआरईए की एक अन्य रिपोर्ट में बड़ा दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई में भारत, तुर्किये, ब्रुनेई और जॉर्जिया की रिफाइनरियों ने कुल 63.3 करोड़ यूरो के परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात किया। ▶8पर

सीमा के हालात तय करेंगे भारत-चीन संबंध : भारत

नई दिल्ली, 11 अगस्त (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में चीनी सैनिकों की कथित घुसपैठ की खबरों के बीच भारत ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि भारत-चीन सीमा पर जैसे हालात रहेंगे, उसी के आधार पर दोनों देशों के आपसी संबंधों पर असर पड़ेगा। भारत ने कहा कि सीमा की स्थिति दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित करेगी। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने हालांकि सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की थी, लेकिन उनके बयान से संकेत मिला कि अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में सामने आई घटनाओं को भारत गंभीरता से देख रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत ने सीमा क्षेत्रों से जुड़े मामलों में हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि ये मुद्दे अत्यंत गंभीर हैं। इन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि सीमा मामलों की स्थिति दोनों देशों के ▶8पर

प्रदर्शनकारियों के आगे गिड़गिड़ा रहे पीएम शहबाज ने की बातचीत की अपील

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लंबे समय से चल रहे उग्र विरोध प्रदर्शनों के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का बड़ा बयान सामने आया है। इलाके में लगातार जारी बवालो और असंतोष के माहौल से घिरे पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अब प्रदर्शनकारियों से बातचीत का रास्ता अपनाने की अपील की है।

पीओके में बवाल से घबराए पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ

उन्होंने स्पष्ट किया है कि सरकार क्षेत्र की जनता की शिकायतों और मांगों को सुलझाने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने अराजकता फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जोर देते हुए कहा कि किसी भी जटिल समस्या का समाधान संघर्ष या उपद्रव से नहीं, बल्कि बैठकर और आपसी बातचीत के जरिए ही निकाला जाना चाहिए। उन्होंने जाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के साथ संवाद स्थापित करने के संकेत दिए हैं और उम्मीद जताई है कि क्षेत्र में नई सरकार के गठन के बाद इस बातचीत की प्रक्रिया को और आगे बढ़ाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार संवाद के दरवाजे बंद नहीं करना चाहती, बल्कि शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना चाहती है। हालांकि, एक तरफ जहां प्रधानमंत्री ने संवाद की पेशकश की है, वहीं दूसरी तरफ शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों को लेकर उन्होंने सख्त तेवर दिखाए हैं।

शरीफ ने चेतावनी दी है कि जो लोग इलाके में परेशानी खड़ी करने और अव्यवस्था फैलाने पर तुले हैं, उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सरकार का रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि जो लोग शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना चाहते हैं, उनका स्वागत है और उनके साथ चर्चा की जाएगी।

लेकिन यदि किसी ने हिंसा या उपद्रव का सहारा लिया, तो प्रशासन से सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। शहबाज शरीफ ने दोहराया कि जो लोग धैर्य और सहनशीलता के साथ मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं, सरकार उन्हें पूरा अवसर देगी। उनका उद्देश्य क्षेत्र में जबरदस्ती या दमन का माहौल बनाना नहीं, बल्कि समस्याओं का एक स्थायी और शांतिपूर्ण हल निकालना है। विश्लेषकों का मानना है कि PoK की सुलगती जनता के गुस्से को शांत करने के लिए प्रधानमंत्री की यह अपील दबाव की स्थिति में उठाया गया एक कूटनीतिक कदम है, ताकि बढ़ते राजनीतिक संकट को थामा जा सके।

न्यूज ब्रीफ

अरुणाचल में 27 जगहों के नाम बदलने पर भड़का चीन, भारत के कदम को ड्रैगन ने बताया गैरकानूनी

बीजिंग। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर तनाव एक बार फिर बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में 27 स्थानों के नाम आधिकारिक रूप से बदल दिए हैं। इनमें झील, बस्तियां और ऐतिहासिक स्मारक शामिल हैं। भारत के इस कदम पर चीन ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे अस्वीकार्य और गैरकानूनी करार दिया है। चीन का दावा है कि अरुणाचल प्रदेश का करीब 90 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र उसका हिस्सा है और वह इसे जंगनान' के नाम से संबोधित करता है। चीन की सरकार का कहना है कि भारत द्वारा इन क्षेत्रों के नाम बदलने से जमीन पर वास्तविकता नहीं बदलेगी। वहीं भारत लगातार स्पष्ट करता रहा है कि अरुणाचल प्रदेश देश का अभिन्न हिस्सा है और अपने क्षेत्र से जुड़े प्रशासनिक एवं आधिकारिक फैसले लेने का पूरा अधिकार भारत के पास है। भारत के अनुसार, चीन लंबे समय से अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न स्थानों के नाम बदलने की कोशिश करता रहा है। वर्ष 2017 से चीन की ओर से इस तरह के कदम कई बार सामने आए हैं। अब भारत ने अरुणाचल प्रदेश सरकार की सलाह के आधार पर अपने आधिकारिक मानचित्रों में 27 स्थानों के सटीक नाम शामिल किए हैं। भारत के इस फैसले को चीन ने एकतरफा कार्रवाई बताया है। उसका कहना है कि अरुणाचल प्रदेश पर भारत का दावा स्वीकार्य नहीं है। दूसरी ओर, भारत ने चीन के इस दावे को आधारहीन बताते हुए खारिज किया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का 100% नियंत्रणः डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर इस समय सिर्फ

अमेरिकी नौसेना का नियंत्रण है। उन्होंने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, अभी होर्मुज जलडमरूमध्य पर केवल अमेरिकी नौसेना का नियंत्रण है। हमारी नाकाबंदी अचूक है। यह फौलाद की दीवार की तरह है। इस जलडमरूमध्य पर हमारा 100% (100 प्रतिशत) नियंत्रण है। गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने कहा,' ईरान लड़ाई में पूरी तरह कंगाल हो चुका है। वह सैनिकों को वेतन नहीं दे पा रहा। वहां महंगाई दर 300% है। अमेरिका ने जलडमरूमध्य से बारूदी सुरंगों को हटा दिया है। यह जलडमरूमध्य अब गैरईरानी जहाजों के लिए खुला है। नाकाबंदी के तहत जहाजों को ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।अन्य शिपिंग जारी है। महत्वपूर्ण है कि अमेरिकी नाकाबंदी पहली बार अप्रैल 2026 में लागू की गई थी। जून के मध्य में एक अंतरिम समझौते के तहत इसे अस्थायी रूप से हटा लिया गया। जहाजों पर हमलों के बाद जुलाई के मध्य में इसे फिर से लागू कर दिया गया है। इस बीच अमेरिकी मध्य कमान ने इस क्षेत्र में 20 से अधिक युद्धपोतों को तैनात करने और अगस्त की शुरुआत तक दर्जनों वाणिज्यिक जहाजों (हाल के आंकड़ों के अनुसार लगभग 55) का मार्ग बदलने की सूचना दी है। कमान ने कहा होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील मार्ग बना हुआ है। ट्रंप की ताजा टिप्पणी ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों से आने-जाने वाले समुद्री यातायात को लक्षित करने वाली अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी के बीच आई है।

रूस की हिंद महासागर तक रेल मार्ग बनाने की महत्त्वाकांक्षा : सामरिक सुरक्षा पर ज़ोर

मास्को। रूसी उपप्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने महत्त्वपूर्ण बयान में हिंद महासागर तक एक रेल

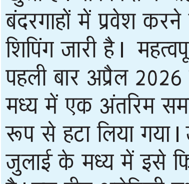

नेटवर्क बनाने की रूस की इच्छा जाहिर की है। उनका मानना है कि यह कदम होर्मुज और बास्फोरस जैसे रणनीतिक समुद्री मार्गों पर देश की निर्भरता को कम करेगा है, जो वर्तमान में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण जोखिम में हैं। यह प्रस्ताव तब आया है, जब पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से के लिए महत्वपूर्ण कड़ी है। इस तरह, काला सागर को मारमारा सागर से जोड़ने वाला बास्फोरस जलडमरूमध्य भी भू-राजनीतिक चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अलावा, पश्चिमी देशों द्वारा रूस के ऊर्जा निर्यात पर लगाए जा रहे दबाव और भारत जैसे देशों पर शुल्क लगाने के अमेरिकी सीनेट के प्रस्ताव ने रूस को वैकल्पिक व्यापार मार्गों की तलाश के लिए प्रेरित किया है। उपप्रधानमंत्री खुसनुलिन ने स्पष्ट किया कि तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजरने वाले वैकल्पिक मार्गों की तलाश होनी चाहिए।

वैज्ञानिकों ने खतरनाक ज्वालामुखी के नीचे खोजे दो सक्रिय मैग्मा चैंबर

मानागुआ

वैज्ञानिकों ने मसाया ज्वालामुखी के नीचे दो सक्रिय मैग्मा चैंबर खोजे गए हैं, जो निकारागुआ की राजधानी मानागुआ से केवल 20 किलोमीटर दूर है। मसाया ज्वालामुखी को लेकर इस नई रिसर्च ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। यह इलाका लगभग 20 लाख लोगों की आबादी का घर है, जिनकी जान पर भविष्य में किसी बड़े ज्वालामुखी विस्फोट का साया मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, मसाया का व्यवहार बेहद अजीब और रहस्यमय है, जिसका इतिहास आमतौर पर धीमे लावा प्रवाह का होता है, विनाशकारी और भयानक विस्फोटों के लिए जाना जाता है।

वैज्ञानिकों ने 2018 से 2024 तक सैटेलाइट रडार इमेजरी का उपयोग करके मसाया की गहराई से स्टडी की। इस विश्लेषण से पता चला कि मसाया के सैंटियागो क्रेटर के आसपास की जमीन में लगातार बदलाव हो रहे हैं; क्रेटर के उत्तर की जमीन पहले धंसी और फिर ऊपर उठने लगी। इसी ग्राउंड डिफार्मेशन ने दो मैग्मा चैंबर होने का ठोस सबूत दिया है। रिसर्चर्स ने बताया कि इतनी बड़ी आबादी के करीब होने के कारण मसाया के व्यवहार को समझना बेहद जरूरी है, खासकर जब यह पर्यटकों के बीच भी लोकप्रिय है। मसाया का इतिहास कम से कम चार बड़े काल्डेरा बनाने वाले प्लिनियन विस्फोटों से भरा है, जिसमें 6500 साल पहले का एक विस्फोट पिछले 10,000 सालों के सबसे बड़े विस्फोटों में से एक था। 16वीं सदी के मध्य से यह लगभग लगातार सक्रिय है, और इसका अचानक हिंसक रूप बदलना वैज्ञानिकों को डराता है।

इसके अलावा, मसाया से लगातार निकलने वाली जहरीली सल्फर डाइआक्साइड गैसें भी एक बड़ी समस्या बन चुकी हैं। यह पैसिव डीगैसिंग मानागुआ और आसपास के इलाकों में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा जोखिम है, जहां हवा की गुणवत्ता अक्सर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से काफी खराब रहती है। यह क्रानिक एक्सपोजर एक साइलेंट किलर की तरह काम कर रहा है। वैज्ञानिक मसाया और हवाई के किलाउएआ ज्वालामुखी में कई समानताएं बताते हैं, दोनों ही बेसाल्टिक ज्वालामुखी हैं और दोनों में लावा लेक गतिविधि देखी जाती है।

प्रशांत में उठा डाल्फिन तूफानः चीन-जापान में हड़कंप, भारत पर अप्रत्यक्ष असर

बीजिंग। पश्चिमी प्रशांत महासागर में उठा महाशक्तिशाली तूफान डाल्फिन इनदिनों चीन, जापान और ताइवान के लिए बड़ी आफत बनकर उभरा है। 216 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार तक पहुंच चुकी इसकी हवाएं इन देशों में भारी तबाही मचा रही हैं, जिसके चलते हजारों उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं और लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। विशेषज्ञों ने भारत के मानसून पर भी इसके अप्रत्यक्ष प्रभाव की आशंका जाहिर की गई है, जिससे चिंता बढ़ गई है। जापान के दक्षिणी ओकिनावा क्षेत्र में इस तूफान का असर पहले ही दिखाई दे चुका है, जहां तेज हवाओं के कारण पांच बुजुर्ग लोग घायल हो गए और करीब 14 हजार इमारतों की बिजली गुल हो गई। अब डाल्फिन चीन के पूर्वी तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। शंघाई में 1300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जबकि चीन ने करीब तीन लाख लोगों को एहतियातन दूसरी जगहों पर शिफ्ट किया है। चीन के झेजियांग और फुजियान प्रांतों को विशेष रूप से सतर्क किया गया है, जहां बंदरगाहों का संचालन रोक दिया गया है और यात्रियों के लिए चलने वाले 162 फेरी रूट निलंबित कर दिए गए हैं। निंगबो में भी स्कूलों सहित अन्य शैक्षणिक गतिविधियां रोक दी गई हैं और पानी से जुड़ी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ताइवान ने भी एहतियातन 63 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की हैं। मौसम विभाग ने पूर्वी झेजियांग के कुछ हिस्सों में 600 मिलीमीटर से भी अधिक भारी बारिश की आशंका जाहिर की गई है, जिससे बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। तूफान डाल्फिन के कारण पूर्वी चीन के तटीय इलाकों में कई दिनों तक तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश का दौर जारी रहने की चेतावनी जारी की गई है, जिससे परिवहन और सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। यह तूफान अपने रास्ते में तेज समुद्री लहरों का खतरा भी पैदा कर रहा है। हालांकि डाल्फिन का सीधा खतरा भारत पर नहीं है, मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय मानसून प्रणाली पर पड़ सकता है। यह शक्तिशाली तूफान पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र से बड़ी मात्रा में गर्मी और नमी को अपनी ओर खींच सकता है।

पाकिस्तान में चरम पर बगावत के बीच सैन्य तख्तापलट की अटकलें

इस्लामाबाद

पाकिस्तान इस समय गंभीर और चौतरफा संकट से गुजर रहा है, जिससे देश गृहयुद्ध की कगार पर पहुंच गया है। एक तरफ जहां बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ आक्रामक मोर्चा खोल रखा है, वहीं खैबर पख्तूनख्वा में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) लगातार सुरक्षा बलों को निशाना बना रहा है। इसके अलावा, पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले पीओके में जाइंट अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में जनता का गुस्सा फूट पड़ा है और लोग पाकिस्तान से अलग होने की मांग कर रहे हैं।

इस अभूतपूर्व आंतरिक संकट के बीच इस्लामाबाद से लेकर रावलपिंडी के सैन्य मुख्यालय तक इस बात की चर्चा तेज है कि क्या सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर देश में तख्तापलट करने वाले हैं राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की लाचार सरकार से देश संभल नहीं रहा है, ऐसे में मुनीर खुद चीफ मार्शल ला एडमिनिस्ट्रेटर बनने का मन बना सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, आईएसआई मुख्यालय में हुई उच्चस्तरीय बैठकों में भी इस बात पर मंथन चल रहा है कि मौजूदा राजनीतिक तंत्र पूरी तरह विफल हो चुका है। बलूचिस्तान में बीएलए ड्रोन तकनीक और आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल कर सैन्य ठिकानों और चीन-पाकिस्तान इकोनामिक कारिडोर (सीपीईसी) प्रोजेक्ट्स को भारी नुकसान पहुंचा रही है, जिससे पाकिस्तानी सेना बैकफुट पर आ गई है। वहीं, पीओके में दशकों के दमन के बाद जनता खुलेआम बगावत कर चुकी है। खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के बढ़ते हमलों ने पाक सेना की नाक में दम कर रखा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि हालात ऐसे ही रहे, तो जनरल मुनीर अय्यूब खान और परवेज मुशर्रफ की तर्ज पर सत्ता अपने हाथ में ले सकते हैं। वे पहले आपातकाल लगवाकर संसद को कमजोर कर सकते हैं और फिर देश को टूटने से बचाने का बहाना बनाकर शहबाज सरकार को बर्खास्त कर मार्शल ला लागू कर सकते हैं। इतिहास गवाह है कि पाकिस्तानी तानाशाह अपनी नाकामियों से ध्यान भटकाने के लिए हमेशा भारत विरोधी रुख अपनाते हैं, इसलिए भारत भी इस स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए है।

हिलती रही बिल्डिंग, गिरते रहे मेडिकल उपकरण, न ही मरीज को छोड़ा न ही भागे

टोक्यो। जापान में 28 जुलाई को कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए 7.1 तीव्रता के भूकंप के दौरान कुमामोटो जनरल हास्पिटल में चार सर्जरी चल रही थीं। आपरेशन थिएटर में लगे सीसीटीवी कैमरों ने उस पल को रिकार्ड कर लिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि आपरेशन के दौरान अचानक पूरा कमरा हिलने लगता है। मेडिकल उपकरण जोर-जोर से डगमगाने लगते हैं। इसके बावजूद डाक्टर आपरेशन थिएटर छोड़कर बाहर नहीं भागते। वे मरीज के चारों ओर खड़े होकर उसे सुरक्षित रखने की कोशिश करते हैं, ताकि किसी तरह का नुकसान न हो। रिपोर्ट के मुताबिक एक नर्स फौरन आपरेशन थिएटर का दरवाजा खोल देती है, ताकि जरूरत पड़ने पर सुरक्षित निकासी का रास्ता उपलब्ध हो। संकट की उस घड़ी में मेडिकल टीम की सूझबूझ और संयम ने लोगों को प्रभावित किया। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक भूकंप के समय चार आपरेशन चल रहे थे। राहत की बात यह रही कि सभी सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हुई और किसी भी मरीज को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

जापान में भीषण गर्मी से राहत दिलाएगा ह्यूमन रेफ्रिजरेटर, जापान के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री के पार

टोक्यो

यूरोप के बाद अब भीषण गर्मी का कहर जापान तक पहुंच गया है, जहां कई इलाकों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया जा रहा है। बढ़ती गर्मी और हीटस्ट्रोक के खतरे से लोगों को बचाने के लिए जापान में एक अनूठी तकनीक तैयार की गई है, जिसे ह्यूमन रेफ्रिजरेटर कहा जा रहा है। यह एक विशेष प्रकार का कूलिंग बूथ है, जिसे जापान की एक कंपनी ने इस साल अप्रैल में बाजार में उतारा है। स्टेनलेस स्टील से बने इस सिंगल-सीटर बूथ को खासतौर पर उन कार्यस्थलों और निर्माण स्थलों के लिए डिजाइन किया गया है, जहां भीषण गर्मी में काम करने वाले मजदूरों के लिए पूरा एयर-कंडीशंड कमरा बनाना संभव नहीं होता।

जापान में इस साल गर्मी ने कई पुराने रिकार्ड तोड़ दिए हैं, जिससे टोक्यो समेत कई शहरों में सैकड़ों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इससे पहले जापान में मजदूर फैन जैकेट का इस्तेमाल करते थे, लेकिन तापमान 38 डिग्री से ऊपर जाने पर वे बेअसर साबित होने लगे। ऐसे में ह्यूमन रेफ्रिजरेटर एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आया है। इसमें बैठकर दरवाजा बंद करने के बाद यह मशीन बूथ के अंदर का तापमान लगभग 15 डिग्री सेल्सियस तक कम कर देती है और 5 डिग्री सेल्सियस ठंडी हवा छोड़ती है। यह ठंडी हवा सिर, गर्दन और कंधों पर पहुंचकर शरीर की गर्मी को तेजी से कम करती है। कंपनी का दावा है कि इस बूथ में मात्र 5 मिनट रहने पर ठंडक महसूस होने लगती है और 10 मिनट का कूलिंग सेशन शरीर के तापमान को सामान्य कर देता है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 20 मिनट बाद ठंडी हवा आना अपने आप बंद हो जाती है। कम बिजली की खपत करने वाला यह बूथ वेयरहाउस और भीड़भाड़ वाली जगहों के लिए काफी उपयोगी साबित हो रहा है। हालांकि, पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक भले ही तात्कालिक राहत देती है, लेकिन ग्लोबल वार्मिंग जैसी मूल समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसके लिए शहरों की बेहतर योजना, अधिकाधिक पौधे लगाना और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कड़े कदम उठाना बेहद जरूरी है।

नेपाल के जंगलों में मिला किंग कोबरा का घोंसला

काठमांडू

हाल ही में नेपाल के जंगलों में दुनिया के सबसे दुर्लभ सांपों में से एक किंग कोबरा का घोंसला मिला है। इस घोंसले में 30 से 40 अंडे होने की उम्मीद है, जिससे इस विलुप्तप्राय प्रजाति के संरक्षण की उम्मीदें बढ़ गई हैं। यह खोज इसलिए भी खास है क्योंकि किंग कोबरा दुनिया का एकमात्र ऐसा सांप है जो अपने अंडों के लिए घोंसला बनाता है। किंग कोबरा, जो अपनी विषाक्तता और रहस्यमयी प्रकृति के लिए जाना जाता है, अब विलुप्त होने की कगार पर है और ऐसे में उसके घोंसले का मिलना वन्यजीव प्रेमियों और संरक्षणवादियों के लिए एक बड़ी खबर है। यह दुर्लभ घोंसला 15 जुलाई को घोराही उप-महानगरपालिका-18 के अम्बे सामुदायिक वन में झाक्री सोटा के पास मशरूम इकट्ठा कर रहे स्थानीय लोगों को दिखाई दिया। अम्बे सामुदायिक वन के अध्यक्ष भंडारी ने को बताया कि घोंसला मिलने के बाद, सांप संरक्षण के लिए काम कर रहे कुलदीप न्यूपाने की मदद से उस जगह को तुरंत सुरक्षित कर लिया गया।

न्यूपाने पिछले चार वर्षों से इस क्षेत्र में सांपों को बचाने और उनके संरक्षण में सक्रिय हैं। सुरक्षा के मद्देनजर, घोंसले के आसपास लोगों की आवाजाही को सीमित कर दिया गया है और स्थानीय निवासियों को फिलहाल इस इलाके में घास, जलाऊ लकड़ी या मशरूम इकट्ठा करने से रोक दिया गया है ताकि कोबरा और उसके अंडों को किसी प्रकार की अशांति न हो।

सांपों पर शोध करने वाले और संरक्षणवादी बसंत सुबेदी ने बताया कि मादा किंग कोबरा सूखी पत्तियों, टहनियों और अन्य वनस्पतियों का उपयोग करके सावधानी से अपना घोंसला बनाती हैं। वे अंडे से बच्चे निकलने तक, जो आमतौर पर दो से तीन महीने में होते हैं, घोंसले में ही रहती हैं। एक मादा किंग कोबरा आमतौर पर 30 से 40 अंडे देती है। यह प्रजाति 18 फीट (5.5 मीटर) से अधिक लंबी हो सकती है और इसे दुनिया का सबसे लंबा जहरीला सांप माना जाता है।

111 साल की चीनी महिला वांग ने बताए लंबी उम्र के अनोखे राज

बीजिंग। पूर्वी चीन के जिआंगसू प्रांत की रहने वाली 111 साल की वांग गाइयिंग इन दिनों सोशल मीडिया पर अपनी लंबी उम्र और अनोखे जीवन जीने के तरीकों को लेकर काफी चर्चा में हैं। उनका मानना है कि लंबी और स्वस्थ उम्र का कोई महंगा नुस्खा नहीं है, बल्कि यह रोजमर्रा की अच्छी आदतों और जीवनशैली पर निर्भर करता है। वांग 100 साल की उम्र पार करने के बाद भी खेतों में मूंगफली और तरबूज की फसल काटने में मदद करती थीं। अब बढ़ती उम्र के कारण उनकी चाल धीमी हो गई है, लेकिन वह टेबल साफ करने और कपड़े तह करने जैसे छोटे-मोटे घरेलू काम खुद करना पसंद करती हैं। उनका मानना है कि सक्रिय रहने से शरीर में खून का प्रवाह बेहतर बना रहता है। शारीरिक सक्रियता के अलावा, वांग मानसिक शांति को भी दीर्घायु का मुख्य आधार मानती हैं। उनका नियम है कि हर दिन कम से कम एक अच्छा काम करना चाहिए, जैसे अपनों की तारीफ करना या किसी दोस्त को संदेश भेजना। इसके अलावा, वह तनाव को कभी भी अपने ऊपर हावी नहीं होने देतीं। परेशानियों को लेकर देर तक सोचने के बजाय वह सोना पसंद करती हैं और उनका मानना है कि गुस्से या तनाव को कभी भी बिस्तर पर नहीं ले जाना चाहिए। पर्याप्त नींद लेने से उनकी कई चिंताएं खुद-ब-खुद दूर हो जाती हैं। वह रात में करीब 12 घंटे की नियमित नींद लेती हैं और दिन में भी छोटी झपकी लेती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।अपने घर से बाहर निकलते समय अपने जरुरी सामान को एक बार जरुर देख लें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल–से–ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्कतें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

आज का पंचांग

दिनांक : 12 अगस्त 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 11:08 तक
नक्षत्र : पुष्य प्रातः 08:00 तक
योग : व्यतिपात सायं 03:26 तक
करण : चतुष्पाद दोपहर 12:29 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:35 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:50 ,सूर्यास्त 06:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव–पितृकार्य हरीयाली अमावस्या, गण्डमूल प्रातः 08:00 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मोह है तो सपनों और नींद में भी इंसान पाप करता रहता है : राजमतीजी म.सा.

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में आध्यात्मिक वर्षावास–2026 के अंतर्गत बम्ब सिंघी भवन में परम पूज्य श्रमण संघीय प्रथम युवाचार्य प.पू. गुरुदेव श्री मिश्रीमलजी म.सा. 'मधुकर' की पावन परंपरा के आज्ञानुवर्ती, श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म.सा. 'भीम' के पावन सान्निध्य से प्रेरित तथा जिन शासन चंद्रिका परम पूज्या गुरुणी मैया श्री लक्ष्मीप्रकाशजी म.सा. की सुशिष्याएं जिन शासन दीपिका एवं मधुर व्याख्यानी पूज्य श्री राजमतीजी म.सा. 'राजुल', मुस्कानप्रिय एवं स्पष्ट वक्ता पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. तथा नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्या श्रीजी म.सा. सुखसाता पूर्वक विराजमान हैं।

संघ के कोषाध्यक्ष अशोक कोठारी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि धर्मसभा में साध्वीवृंद ने श्रद्धालुओं को आत्मकल्याण, पुरुषार्थ, तप और जिनवाणी के महत्व का संदेश दिया।

महासती श्री जीव्या श्रीजी म.सा. ने कहा कि दो अक्षरों का 'लक', ढाई अक्षर का 'भाग्य', तीन अक्षरों का 'नसीब' और साढ़े तीन अक्षरों की 'किस्मत' तभी परिणाम देते हैं, जब उनके साथ चार अक्षरों का शब्द 'मेहनत' जुड़ जाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में केवल 10 प्रतिशत लोग ही अपने साथ किस्मत लेकर आते हैं, जबकि 90 प्रतिशत लोगों को पुरुषार्थ कर अपनी किस्मत जगानी पड़ती है।

उन्होंने कहा कि हमें भी केवल भाग्य के भरोसे नहीं रहना चाहिए, बल्कि पुरुषार्थ के माध्यम से अपनी किस्मत जगानी चाहिए। वस्तु कितनी भी छोटी क्यों न हो, वह किसी न किसी काम आती है। उसी प्रकार परमात्मा की जिनवाणी कितनी भी छोटी या बड़ी मात्रा में सुनी जाए, वह जीवन में अपने स्तर पर जरूर उपयोगी सिद्ध होती है।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति जिनवाणी के मूल्य को समझ लेता है, वह संसार में कभी डगमगा नहीं सकता। हमारे भीतर सकारात्मकता आए या न आए, लेकिन नकारात्मक विचार हर पल आते रहते हैं। इसलिए हमें अपने जीवनरूपी मशीन को इतना बेहतर बनाना चाहिए कि उसमें कोई भी नकारात्मकता प्रवेश करे तो वह सकारात्मक रूप लेकर बाहर निकले। पूज्य श्री विनयश्रीजी म.सा. ने अपने उद्बोधन की शुरुआत स्तवन से की 'बरसा दाता सुख बरसा, आंगन–आंगन सुख बरसा, चुन–चुन कांटे नफरत के, प्यारे अमन के फूल खिला।' उन्होंने कहा कि कोई तन से दुखी है तो कोई मन से दुखी है। गुरुवर से यही प्रार्थना है कि सभी पर दया हो और हर व्यक्ति सुखी रहे।उन्होंने कहा कि जब हम जिनवाणी सुनते हैं तो मन में चिंतन होना चाहिए कि यह वीतराग की वाणी, प्रभु की वाणी और मोक्षगामी की वाणी है। इस वाणी का श्रवण इसलिए करना चाहिए कि इससे हमारी आत्मा को भी मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग मिले।

महासती श्री राजमतीजी म.सा. ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि युवतियों के लिए जीवन की कई चीजें आसान हैं, लेकिन तपस्या करना कठिन लगता है। उन्होंने कहा, 'हम खाने में तो नंबर वन हैं, लेकिन तपस्या करने में जीरो हैं।' उन्होंने कहा कि जब तक जीवन में तप को नहीं अपनाएंगे, तब तक मोक्ष की प्राप्ति संभव नहीं है। यदि मोक्ष के मार्ग पर जाना है तो तप को अपनाना ही होगा। तभी आत्मा का कल्याण संभव है।

उन्होंने कहा कि जिनवाणी का संबंध सीधे जीवन से है। जिनवाणी और जीवन की राशि एक ही है। गौतमस्वामी और गोशालक की भी एक ही राशि है तथा धन और धर्म की भी राशि एक ही है। मनुष्य के भीतर यदि एक बार जिनवाणी जाग जाती है तो वह दोबारा सोती नहीं है।महासतीजी ने कहा कि हम आधी–अधूरी जागृत अवस्था में जीवन जी रहे हैं। आधे जाग रहे हैं और आधे सो रहे हैं। जीवन में यदि मोह है तो इंसान सपनों और नींद में भी पाप करता रहता है। इसलिए मोह से ऊपर उठकर आत्मचिंतन और आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ना आवश्यक है।

चातुर्मास संयोजक जयमल ब्रज मधुकर दरबार में पारस डोसी ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि आयंबिल एवं एकासना की लड़ी निरंतर जारी है। आज आयंबिल लीलाबाई चोपड़ा ने तथा एकासना नंदाजी कोठारी ने किया। आगामी आयंबिल संगीताजी गादिया एवं सुनीताजी आंचलिया तथा एकासना शीतलजी सिंघवी एवं नेहाजी कोठारी का रहेगा।

प्रवचन के पश्चात नवकार महामंत्र जाप निरंतर जारी रहा। आज का जाप श्रीमान कपूरचंदजी, संजयजी एवं राजेशजी खींवसारा परिवार की ओर से रखा गया।

आगामी गुरुवार, 13 अगस्त को राष्ट्रसंत आचार्य श्री आनंदऋषिजी म.सा. की 126वीं जन्म जयंती सामूहिक एकासना दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी।

वहीं आगामी रविवार, 16 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के पावन प्रसंग पर श्री जैन महिला मंडल, मलकपेट की ओर से फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त कर पूज्य साध्वीवृंद का आशीर्वाद ग्रहण किया।

राजेश कुमार करवा भाजपा गोलकोंडा–गोशामहल जिला व्यापारी प्रकोष्ठ के संयोजक नियुक्त

पार्टी ने समाजसेवा में योगदान को देखते हुए सौंपी जिम्मेदारी

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी ने राजेश कुमार करवा को गोलकोंडा–गोशामहल जिला व्यापारी प्रकोष्ठ का संयोजक नियुक्त किया है। इस संबंध में भाजपा तेलंगाना व्यापारी प्रकोष्ठ की राज्य समन्वयक डॉ. विपाला शारदा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर नियुक्ति की जानकारी दी।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राजेश कुमार करवा लंबे समय से समाजसेवा से जुड़े हुए हैं। समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान एवं सक्रियता को देखते हुए भाजपा ने उन्हें गोलकोंडा–गोशामहल जिला व्यापारी प्रकोष्ठ के संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी है।

पार्टी की ओर से उम्मीद जताई गई कि राजेश कुमार करवा नई जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए व्यापारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के साथ संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

नामदेव महाराज की पुण्यतिथि मनाई गई

मदनूर 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो) मदनूर मंडल केंद्र के विट्ठलेश्वर मंदिर में स्थानिक शिपी समाज के तत्वावधान में संत शिरोमणि नामदेव महाराज का 676वां सजीव समाधि (पुण्यतिथि) महोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर कीर्तन गायक पांचाल गोपाल महाराज ने मंदिर में गुलाल भजन व कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया. आरती के बाद भक्तों ने अन्न प्रसाद का वितरण किया। ऐसा कहा जाता था कि संत नामदेव महाराज पंढरपुर में विट्ठलेश्वर के भक्त के रूप में प्रसिद्ध थे। इस कार्यक्रम में मंडल शिम्पी समाज के सदस्यों ने भाग ली

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज ने किया भव्य रुद्राभिषेक

श्रावण सोमवार पर शिवालय में गूंजे 'बम–बम भोले' के जयकारे, भक्तों ने लिया धार्मिक अनुष्ठानों का लाभ

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज भाग्यनगर की ओर से श्रावण महोत्सव के अंतर्गत श्रावण मास के दूसरे सोमवार, 10 अगस्त 2026 को श्रीराम दरबार पंचायती बाड़ा स्थित श्री विजय शंकर महाराजजी के शिवालय में भव्य रुद्राभिषेक एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधुओं एवं श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया।

विधिवत मंत्रोच्चार के साथ हुआ रुद्राभिषेक

प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि रात्रि 7:21 बजे से वेदाचार्य श्री वासुदेवजी तिवारी के अनुयायियों द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक कराया गया। समाज के स्वजातीय बंधुओं ने बारी–बारी से रुद्राभिषेक का लाभ लिया।

इस दौरान समाज के साथ–साथ अन्य प्रमुख भजन गायकों ने मधुर स्वर में शिव भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा शिवालय 'बम–बम भोले' के जयकारों से गूंज उठा।

आयोजन के दौरान भगवान शिव का अलौकिक एवं भव्य श्रृंगार फलों से किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के मनोहारी श्रृंगार के दर्शन कर पूजा–अर्चना की।

रात्रि 12:21 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। इसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं ने फराली प्रसाद का लाभ लिया।

आयोजन समिति के कार्यकर्ताओं एवं स्वजातीय बंधुओं ने कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने में तन, मन और धन से सहयोग किया। इस अवसर पर रामदेव नागला, मुरलीधर तिवारी, रामनिवास ओझा, लक्ष्मीनारायण व्यास, दामोदर तिवारी, दीपक उपाध्याय, श्रीराम व्यास, कमल किशोर उपाध्याय, पवन उपाध्याय, अनिल जायलवाल, दामोदर ओझा, रामपाल पांडिया, रामकुमार तिवारी, चंद्रभान व्यास, किशोरीलाल तिवारी, गिरीराज व्यास, अमन व्यास, जगदीशप्रसाद कोलरिया, गजाधर कोलरिया, धीरज उपाध्याय, लक्ष्मीनिवास खटोड़ (लड्डू भाई), टिलु तिवारी, अज्जू वैष्णव, भागीरथ तिवारी, बांकेबिहारी ओझा, राम शर्मा (सिद्दिपेट), नरेश पांडिया, जुगल किशोर उपाध्याय, सूरज व्यास, जितेंद्र व्यास, श्यामसुंदर तिवारी, बंटु भाई, राधेश्याम नागला, विष्णु पांडिया (मुलताई), नटवरलाल व्यास, नंदकिशोर व्यास, बबु उपाध्याय, भागीरथ पांडिया, भगवान व्यास (छतरिया), नरेश नागला, अमरचंद जायलवाल, गौतम उपाध्याय, भरत उपाध्याय, गोवर्धन राठी, श्रीनिवास उपाध्याय, मनोहर व्यास, भगवान उपाध्याय (काजीपेट), बद्री भाई, गोविंद नागला, विनोद नागला एवं महेश पांडिया (इंदौरी) सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

धार्मिक आयोजन के दौरान पूरे शिवालय में भक्ति एवं उत्साह का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर परिवार एवं समाज की सुख–समृद्धि की कामना की।

200 मीटर लंबे तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा रैली

पेद्दापल्ली, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के तहत भाजपा सुल्तानबाद मंडल अध्यक्ष कंदुला श्रीनिवास के नेतृत्व में सुल्तानबाद मंडल केंद्र में 200 मीटर लंबे राष्ट्रीय ध्वज के साथ भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के करीब 2,000 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्र हाथों में 200 मीटर लंबा विशाल तिरंगा लेकर शहर की प्रमुख सड़कों से गुजरे। इस दौरान पूरा शहर देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष करे संजीव रेड्डी, राज्य नेता गोट्टिमुक्कुला सुरेश रेड्डी और संयुक्त जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष अर्जुन राव अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष करे संजीव रेड्डी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज भारत की संप्रभुता, एकता और बलिदानों का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि छात्र देश के भविष्य के पथप्रदर्शक हैं और देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा करना सभी का दायित्व है।

मंडल अध्यक्ष कंदुला श्रीनिवास ने सभी लोगों से अपने–अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और देशभक्ति की भावना प्रदर्शित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में छात्रों की भागीदारी से वह बेहद उत्साहित हैं और इसी कारण रैली सफल रही।कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष सौधारी महेंद्र यादव, कासागोनी निर्मला, कंदुनुरी कुमार, एमडी रफीक, मित्तापल्ली प्रवीण कुमार, कोल्लुरी संतोष कुमार, कोटा नागेश्वर, कोम्मिदी राजेंद्र रेड्डी, मल्का भाग्यलक्ष्मी, बंदरी लता, पुचकायला हनुमंत रेड्डी, राजन्ना पटेल, एलेन्की राजन्ना, गुडला वेंकटेश, वलसाई, एरम संतोष रेड्डी, वीरागोनी किरण, वेंकटेश दसारी, पोन्ना श्रीनिवास, इरला प्रशांत सहित अन्य कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

युवाओं को रोजगार पर विशेष जोर

पेद्दापल्ली, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला प्रशासन युवाओं को रोजगार और नौकरी के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रहा है। पिछले एक वर्ष में विभिन्न सरकारी विभागों, प्रशिक्षण संस्थानों और निजी संगठनों के साथ समन्वय कर जिले के 2,872 युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। यह जानकारी जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने दी।

कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन युवाओं की प्रतिभा और कौशल की पहचान कर उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण देने तथा प्रशिक्षण के बाद रोजगार के अवसरों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, टीएएसके, गो फ्लाई, भारतीय सेना–अग्निवीर भर्ती, टाटा लाइफ साइंसेज (ग्रेन्यूल्स), आईटीआई कॉलेज सहित विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं।उन्होंने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय के माध्यम से 904, टीएएसके के जरिए 979, गो फ्लाई के माध्यम से 17, भारतीय सेना–अग्निवीर भर्ती से 23, टाटा लाइफ साइंसेज (ग्रेन्यूल्स) के माध्यम से 25 तथा आईटीआई कॉलेजों के जरिए 924 युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। इस प्रकार विभिन्न संस्थाओं के समन्वय से कुल 2,872 युवाओं को नौकरी मिली है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि युवाओं को केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित न रहें, बल्कि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद उन्हें रोजगार दिलाने के लिए संबंधित कंपनियों और संस्थाओं के साथ समन्वय भी करें। उन्होंने रोजगार मेले, परिसर चयन, कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम और विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं के माध्यम से युवाओं को अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मतदाता सूची के व्यापक पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी

मंचेरियाल, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले में मतदाता सूची के व्यापक पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। जिले में 25 जून से शुरू हुई गणना पर्चियों के वितरण, प्राप्ति और डिजिटलीकरण की प्रक्रिया सोमवार को पूरी कर ली गई। अधिकारियों के अनुसार, जिले के चेनूर, मंचेरियाल और बेलमपल्ली तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 6,61,467 मतदाता हैं। इनमें से 82.56 प्रतिशत मतदाताओं के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में दर्ज मृत, स्थानांतरित तथा अन्य अपात्र मतदाताओं के नामों की पहचान कर उन्हें हटाने की प्रक्रिया की गई। अधिकारियों के अनुसार, इससे मतदाता सूची के शुद्धीकरण में मदद मिली है।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 17 अगस्त को प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां 16 सितंबर तक प्राप्त की जाएंगी। प्राप्त दावों और आपत्तियों का नियमानुसार निराकरण 15 अक्टूबर तक किया जाएगा। इसके बाद 19 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

सेंट्रलाइज्ड किचन के निर्माण कार्यों का विधायक प्रेम सागर राव ने किया निरीक्षण

मंचेरियाल, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल नगर निगम क्षेत्र के कॉलेज रोड स्थित पुराने कृषि मार्केट यार्ड में हरे कृष्णा मूवमेंट चैरिटेबल ट्रस्ट (इस्कॉन संस्था) द्वारा बनाए जा रहे सेंट्रलाइज्ड किचन (केंद्रीकृत रसोईघर) के निर्माण कार्यों का मंचेरियाल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने निरीक्षण किया।

इस अवसर पर विधायक ने निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेंट्रलाइज्ड किचन का निर्माण गुणवत्तापूर्ण तरीके से और निर्धारित मानकों के अनुरूप समय पर पूरा किया जाना चाहिए।

इस केंद्रीकृत रसोईघर के माध्यम से सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को टिफिन के साथ पौष्टिक दोपहर का भोजन उपलब्ध कराने की योजना है। इससे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में मंचेरियाल नगर निगम आयुक्त अन्वेष, महापौर धरणी मधुकर, नगर निगम कांग्रेस पार्टी के नेता, पार्षद तूमुला नरेश, मंचेरियाल जिला आरजीपीआरएस अध्यक्ष गड्डम त्रिमूर्ति, अन्य पार्षद, कांग्रेस पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ताओं सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर टाले अकाल मृत्यु और दिलाए मोक्ष

दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग- शंकर जी का यह अनोखा मंदिर अन्य प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंगों में एक मात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। शास्त्रों के अनुसार कहा गया है कि दक्षिण दिशा के स्वामी स्वयं भगवान यमराज हैं। तभी जो भी व्यक्ति इस मंदिर में आ कर भगवान शिव की सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसे मृत्यु उपरांत यमराज द्वारा दी जाने वाली यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

अकाल मृत्यु टालते हैं शिव जी-देश-दुनिया से काफी लोग यहां पर इसलिये भी दर्शन करने आते हैं कि जिससे वे अपनी अकाल मृत्यु को टाल सकें और सीधे मोक्ष को प्राप्त कर सकें।

सारी इच्छा करते हैं पूरी- भगवान शिव अपने भक्त की सारी इच्छाएं पूरी करते हैं। अगर आपको अपनी मनोकामनाएं पूरी करनी है तो यहां आ कर एक बार दर्शन जरुर करें, जिससे आपको धन, धान्य, निरोगी शरीर, लंबी आयु, संतान आदि सब कुछ प्राप्त हो।

पृथ्वी का केंद्र हैं महाकाल- कुछ विद्वानों का यह भी मत है कि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ही संपूर्ण पृथ्वी का केंद्र बिंदु है और संपूर्ण पृथ्वी के राजा भगवान महाकाल यहीं से पृथ्वी का भरण-पोषण करते हैं।

गाय के कंडे से होती है भस्मार्ती-यहाँ पहले महाकाल की भस्म आरती में ताजा मुर्दे की भस्म का ही प्रयोग होता था, किन्तु महात्मा गांधी के आग्रह के पश्चात शास्त्रीय विधि से निर्मित उपल-भस्म से भस्मार्ती होने लगी।

दुर्योधन को भी दिए थे श्रीहरि ने विराट रूप में दर्शन

विश्वरूप या कहें भगवान विष्णु का विराट स्वरूप का उल्लेख भगवद्गीता के अध्याय 11 में है, जिसमें भगवान कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र युद्ध में विश्वरूप दर्शन कराते हैं। लेकिन उन्होंने इस रूप में पहले भी अपने भक्तों को दर्शन दिए है।

पुराणों में उल्लेख मिलता है। भगवान विष्णु ने अपने इस रूप के दर्शन लक्ष्मी जी को करवाए थे। हालांकि कि इस बारे में अलग-अलग पुराणों में अलग-अलग जानकारी मिलती है। भगवान विष्णु के परम भक्त नारद जी को भी उन्होंने अपने विराट स्वरूप के दर्शन दिए हैं। भगवान विष्णु के भक्त प्रहाद के वंशज थे राजा बलि। जिनको भगवान विष्णु ने वामन अवतार में विराट स्वरूप के दर्शन दिए थे। द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण के रूप में भगवान विष्णु ने अवतार लिया तब उन्होंने अपनी मां यशोदा को भी इसी विराट स्वरूप में दर्शन दिए थे। महाभारत में दुर्योधन और विश्वरूप दर्शन वर्णित है। कुरुक्षेत्र युद्ध के मैदान अर्जुन को विराट रूप के दर्शन दिए।

भगवान विष्णु के अन्य नाम :

उग्र, शर्व, भगवत, नारायण, कृष्ण, वैकुण्ठ, विष्टरश्रवस्, जिन, हषिकेश, केशव, माधव, स्वभू, दैत्यारि, पुण्डरीकाक्ष, गोविन्द, गरुडध्वज, पीताम्बर, अच्युत, शार्गिं, विष्वक्सेन, जनार्दन, दामोदर, इन्द्रावरज, चक्रपाणि, चतुर्भुज, पद्मनाभ, मधुरिपु, भीम, त्रिविक्रम, देवकीनन्दन, शौरि, श्रीपति, पुरुषोत्तम, वनमालिन्, बलिध्वंसिन, कंसाराति, अधोक्षज, विश्वम्भर, कैटभजित, विधु, श्रीवत्सलाञ्छन, पुराणपुरुष, यज्ञपुरुष,नरकान्तक, जलशायिन्, मुकुन्द, उपेन्द्र, मुरमर्दन, राम, वामन, नरसिंह, वराह और भविष्य में होने वाला अवतार कल्कि यह अवतार भगवान विष्णु का ही अवतार है।

आज मनाई जाएगी हरियाली अमावस्या

पौधे लगाने से व्यक्ति की पूरी होती हैं सभी मनोकामनाएं

प्रत्येक वर्ष श्रावण माह में पड़ने वाली अमावस्या तिथि को हरियाली अमावस्या या श्रावणी अमावस्या कहा जाता है। धार्मिक शास्त्रों में सावन माह की अमावस्या तिथि को विशेष तिथि के रूप में देखा जाता है। सावन का महीना भगवान भोलेनाथ को अत्यंत प्रिय है। ऐसे में श्रावण माह की अमावस्या को भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पूर्वजों के निमित्त पिंडदान एवं दान-पुण्य के कार्य किए जाते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि सावन माह की अमावस्या 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या के रूप में मनाई जाएगी। हरियाली अमावस्या के दिन पुष्य नक्षत्र का संयोग भी बन रहा है और साथ ही, इसी दिन चंद्रमा अपनी स्वराशि कर्क में रहेंगे। इसके चलते गौरी योग का निर्माण होगा। गजकेसरी योग का शुभ संयोग भी बनेगा। शास्त्रों में इस अमावस्या पर पूजा-पाठ, स्नान- दान करना उत्तम माना गया है। साथ ही पर्यावरण की दृष्टि से भी हरियाली अमावस्या का बहुत महत्व है। इस दिन अपने पूर्वजों की याद में पौधे लगाना शुभ रहता है। वहीं हरियाली अमावस्या पर कुछ विशेष वृक्षों की पूजा करने से ग्रह दोष भी दूर होते हैं। सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

इस दिन पवित्र नदी में स्नान करके पितरों को पिंडदान, श्राद्ध कर्म करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके अलावा हरियाली अमावस्या पर्व जीवन में पर्यावरण के महत्व को भी बताता है। इस दिन नए पौधे लगाए जाते हैं। मान्यता है कि श्रावणी अमावस्या के दिन वृक्षारोपण करने से जीवन के सारे कष्ट दोष दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। इसके अलावा ये तिथि किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस दिन किसान अपने खेती में उपयोग होने वाले उपकरणों की पूजा करते हैं और ईश्वर से अच्छी फसल होने की कामना करते हैं।

आज लगेगा साल का दूसरा सूर्य ग्रहण

हरियाली अमावस्या

इस साल श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 12 अगस्त को है। ऐसे में इसी दिन हरियाली अमावस्या मनाई जाएगी।

हरियाली अमावस्या का प्रारंभ- 11 अगस्त को देर रात 01:54 मिनट से

अमावस्या का समापन- 12 अगस्त को रात 11:07 मिनट पर होगा।

उदयातिथि के अनुसार 12 अगस्त को ही हरियाली अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा।

हरियाली अमावस्या शुभ योग

हरियाली अमावस्या के दिन पुष्य नक्षत्र का संयोग भी बन रहा है और साथ ही, इसी दिन चंद्रमा अपनी स्वराशि कर्क में रहेंगे। इसके चलते गौरी योग का निर्माण होगा। गजकेसरी योग का शुभ संयोग भी बनेगा।

हरियाली अमावस्या का महत्व

सावन के महीने में कृष्ण पक्ष की शिवरात्रि के अगले दिन हरियाली अमावस्या होती है। इस दिन पेड़-पौधों की विशेष रूप से पूजा की जाती है। इस दिन पीपल और तुलसी के पौधे की पूजन का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार पीपल के पेड़ में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास माना जाता है। इस दिन पौधे लगाने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं।

पितरों की शांति के लिए करें उपाय

हरियाली अमावस्या के दिन किसी योग्य ब्राह्मण को घर बुलाकर भोजन करवाएं। इस दिन किसी नदी किनारे श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करें। साथ ही गाय को चारा भी खिलाएं। हरियाली अमावस्या के दिन मछलियों के लिए नदी में आटे की गोलियां डालें। नदी में काले तिल प्रवाहित करें।

पीपल और तुलसी पूजन का महत्व

इस दिन वृक्ष पूजा की प्रथा अनुसार पीपल और तुलसी के पेड़ की पूजा की जाएगी। वृक्षों में देवताओं का वास माना जाता है। इस दिन पितृ तर्पण भी किया जाता है। इससे पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है।

शांति और समृद्धि

सावन माह में पड़ने वाली इस हरियाली अमावस्या पर विशेष तरह का भोजन भी बनाया जाता है, जो कि ब्राम्हणों को खिलाया जाता है। खास बात यह है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा भी की पूजा की जाती है। हरियाली अमावस के दिन भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा की जाती है। मान्यता है कि श्रावण अमावस्या के दिन शिव भगवान की पूजा करने से घर में सुख और शांति के साथ समृद्धि भी आती है।

हरियाली अमावस्या के दिन 12 अगस्त 2026 को साल का दूसरा सूर्यग्रहण लगने जा रहा है। यह खगोलीय घटना कई देशों में पूर्ण और आंशिक रूप से दिखाई देगी, जबकि भारत में यह ग्रहण दृश्य नहीं होगा। सूर्य ग्रहण की घटना को हमेशा से खगोल विज्ञान और धार्मिक नजरिए से खास माना जाता रहा है। 12 अगस्त 2026 को साल का दूसरा सूर्य ग्रहण लगने जा रहा है। इससे पहले साल का पहला सूर्य ग्रहण फरवरी के महीने में लगा था। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल का दूसरा सूर्य ग्रहण 12 अगस्त 2026 को लगेगा। श्रावण मास की हरियाली अमावस्या को यह ग्रहण लगेगा। हिंदू पंचांग के अनुसार यह सूर्य ग्रहण श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर लगेगा। यह सूर्य ग्रहण कर्क राशि में लगेगा जहां पर गुरु भी मौजूद होंगे। भारत को छोड़कर उत्तरी अमेरिका, अफ्रीका, यूरोप आर्कटिक, ग्रीनलैंड, आइसलैंड, स्पेन में दिखाई देगा।

साल 2026 का दूसरा और आखिरी सूर्य ग्रहण 12 अगस्त को लगेगा। इस सूर्य ग्रहण की शुरुआत रात करीब 09:04 मिनट से होगी जिसका समापन 13 अगस्त को सुबह 04:25 मिनट पर होगा। दूसरा सूर्य ग्रहण 12 अगस्त 2026 का सूर्य ग्रहण आर्कटिक, ग्रीनलैंड, आइसलैंड, स्पेन, रूस और पुर्तगाल के कुछ हिस्सों में दिखाई देगा। यहां के लोग पूर्ण सूर्य ग्रहण का नजारा देख सकेंगे। यहां दिन में कुछ समय के लिए पूरी तरह से अंधेरा छा जाएगा। वहीं उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिमी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इस दिन आंशिक सूर्य ग्रहण दिखेगा।

बिना किसी बाधा के मनाएं त्यौहार

भारत में अदृश्य ग्रहण का धार्मिक कर्मकांडों पर प्रभाव नहीं माना जाता। इसलिए हरियाली अमावस्या पर स्नान, दान, पितृ तर्पण, वृक्षारोपण और शिव पूजा सहित सभी धार्मिक अनुष्ठान सामान्य रूप से होंगे।

वलयाकार सूर्य ग्रहण

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि 12 अगस्त को लगने वाला यह सूर्य ग्रहण एक वलयाकार सूर्य ग्रहण होगा। यह ग्रहण काफी लंबा चलेगा।

कब लगेगा सूर्य ग्रहण

पंचांग के अनुसार, वर्ष 2026 का दूसरा और अंतिम सूर्य ग्रहण श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि यानी 12 अगस्त 2026 को लगेगा। यह एक पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा। इसकी शुरुआत 12 अगस्त की रात 9:04 मिनट से होगी और इसका समापन 13 अगस्त की सुबह 4:25 मिनट पर होगा। ज्योतिष के अनुसार, यह सूर्य ग्रहण कर्क राशि और अश्लेषा नक्षत्र में घटित होगा।

कर्क राशि में लगेगा सूर्य ग्रहण

पंचांग गणना के अनुसार साल का यह दूसरा सूर्य ग्रहण कर्क राशि में रहेगा। इस दौरान सूर्य कर्क राशि में संचरण कर रहे होंगे। कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा होते हैं और इस दौरान देवगुरु बृहस्पति कर्क राशि में मौजूद होंगे। कर्क राशि में देवगुरु बृहस्पति उच्च के होते हैं। वहीं अगर नक्षत्र की बात करे तो सूर्य ग्रहण के दौरान अश्लेषा नक्षत्र में विराजमान रहेंगे।

कब लगता है सूर्य ग्रहण

हिंदू धर्म में ग्रहण की घटना को बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार सूर्य ग्रहण हमेशा अमावस्या तिथि पर ही लगता है। सूर्यग्रहण के दौरान सूर्य चंद्रमा और पृथ्वी तीनों ही एक लाइन में आ जाते हैं यानी सूर्य और पृथ्वी के बीच चंद्रमा आ जाता है। ऐसे में चंद्रमा की परछाई पृथ्वी पर पड़ती है। 12 अगस्त 2026 को लगने वाला यह सूर्य ग्रहण एक वलयाकार सूर्य ग्रहण होगा। जिसमें सूर्य रिंग ऑफ फायर के रूप में दिखाई देगा।

भारत में नहीं दिखेगा सूर्य ग्रहण

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 का यह दूसरा सूर्य ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा क्योंकि ग्रहण भारतीय समयानुसार रात में शुरू होगा जिसके कारण इसे भारत में नहीं देखा जा सकेगा।

मान्य नहीं होगा सूतक काल

हिंदू धर्म में ग्रहण की घटना को अशुभ माना जाता है। ग्रहण के लगने के कुछ घंटों पहले तक सूतक काल शुरू हो जाता है। शास्त्रों के अनुसार जब सूर्य ग्रहण लगता है तो उसके आरंभ होने के करीब 12 घंटे पहले से सूतक काल लग जाता है। सूतक काल के समय को अच्छा नहीं माना जाता है। सूतक में किसी भी तरह के मांगलिक और शुभ कार्य करना वर्जित होता है। इस दौरान मंदिरों के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं। पूजा-पाठ करना वर्जित होता है। यह सूतककाल ग्रहण के समापन तक चलता है। ग्रहण की समाप्ति के बाद स्नान और पूरे घर में गंगाजल का छिड़काव करके दोबारा से मंदिर खोला जाता है। लेकिन यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा जिसके कारण इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा।

भारत में रात होने की वजह से साल का यह आखिरी सूर्य ग्रहण नहीं दिखाई देगा। इस वलयाकार सूर्य ग्रहण को यूरोप के कई देशों अटलांटिक महासागर और रूस के कुछ हिस्सों में देखा जा सकेगा। साल 2026 में लगने वाला पूर्ण सूर्य ग्रहण यूरोप के लिए बेहद खास है। यह 100 साल से भी ज्यादा समय बाद स्पेन की मुख्य भूमि से नजर आने वाला पहला पूर्ण सूर्य ग्रहण होगा। उत्तरी स्पेन, ग्रीनलैंड, आइसलैंड और पुर्तगाल कुछ इलाकों में पूर्ण सूर्य ग्रहण नजर आएगा। यहां पर चंद्रमा कुछ समय के लिए सूरज को ढक लेगा। इस दौरान आसमान में अंधेरा छा जाएगा। यूरोप के बाकी जगहों, अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका के बड़े हिस्से में आंशिक सूर्य ग्रहण दिखेगा।

प्राकृतिक आपदाओं की आशंका

डा. व्यास ने बताया कि सूर्य ग्रहण की वजह से प्राकृतिक आपदाओं का समय से ज्यादा प्रकोप देखने को मिलेगा। इसमें भूकंप, बाढ़, सुनामी, विमान दुर्घटनाएं का संकेत मिल रहे हैं। जल तत्व की राशि कर्क में पड़ने वाले सूर्य ग्रहण के तुरंत बाद आसामान्य वर्षा और भूकंपन के योग बनेंगे। कर्क राशि में ग्रहण के चलते भारत के मध्य भाग में और दक्षिण-पूर्व के कई राज्यों में अत्यधिक भारी वर्षा के बाद बाढ़ आ सकती है। यूरोप के कई देशों जैसे फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल, इंग्लैंड, जर्मनी आदि में असामान्य वर्षा का योग बन रहा है। तेलंगना और आँध्रप्रदेश में अच्छी वर्षा होगी। कुंछ विवादित मामले, महिला अपराध और देश के कई हिस्सों में छात्र आंदोलन केंद्र सरकार को कुछ कठिनाई में ला सकती हैं। प्राकृतिक आपदा में जनहानि कम ही होने की संभावना है। फिल्म एवं राजनीति से दुखद समाचार। व्यापार में तेजी आएगी। बीमारियों में कमी आएगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। आंदोलन, हिंसा, धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है।

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान
जयपुर - जोधपुर
9460872809

घर में इसलिए रखते हैं हरे पौधे

घर में यदि आप हरे पौधों को रखते हैं, तो यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तुलसी के पौधे को महत्व दिया जाता है। तुलसी के पौधे से जब हवा स्पर्श कर बहती है, तब वह घर के पर्यावरण को भी स्वस्थ्य रखती है। प्रदूषण और रोग निवारण में तुलसी का पौधा औषधि है। इस घर में अवश्य ही लगाएं। ठीक इसी तरह पृथ्वी के नीचे कहीं-कहीं निगेटिव स्ट्रीम(झिर) होती है। यदि यह स्ट्रीम दुकान या फैक्ट्री पर हो तो गंभीर रोगों से प्रभावित हो सकता है। यह गंभीर रोग जैसे हृदय रोग, मधुमेह, लकवा और केंसर हो सकते हैं। तुलसी का पौधा यदि घर में है तो यह स्ट्रीम निष्क्रीय हो जाती है।

हरे पौधे विकास का प्रतीक भी माने जाते हैं। जो घर के अंदर रखने से मंगलमय यानी सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु शांति के लिए घर के अंदर हवन भी हर माह जरूर करवाना चाहिए। हवन का धुंआ घर में उपस्थित निगेटिव एनर्जी, वास्तु दोषों के साथ रोग फैलाने वाले कीटाणुओं का भी अंत कर देता है। जिससे कि आपकी जिंदगी खुशनुमा तरीके से व्यतीत होती है।

इन उपायों से होगी आपकी कई मनोकामनाएं पूरी

हमारे जीवन में सुख दुख तो लगा रहता है जिस कारण हम परेशान भी होते है । सभी चाहते हैं कि उसके जीवन में खुशहाली रहे और सुख-शांति बनी रहे पर हर व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होता। जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। तुलसी के पौधे को प्रतिदिन जल चढाएं तथा गाय के घी का दीपक लगाएं। रविवार को पुष्य नक्षत्र में श्वेत आक की जड लाकर उससे श्रीगणेश की प्रतिमा बनाएं फिर उन्हें खीर का भोग लगाएं। लाल कनेर के फूल तथा चंदन आदि के उनकी पूजा करें। तत्पश्चात गणेशजी के बीज मंत्र (ऊँ गं) के अंत में नमः शब्द जोडकर 108 बार जप करें। सुबह गौरी-शंकर रुद्राक्ष शिवजी के मंदिर में चढाएं। सुबह बेल पत्र (बिल्ब) पर सफेद चंदन की बिंदी लगाकर मनोरथ बोलकर शिवलिंग पर अर्पित करें। बड के पत्ते पर मनोकामना लिखकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोरथ पूर्ति होती है। मनोकामना किसी भी भाषा में लिख सकते हैं। नए सूती लाल कपडे में जटावाला नारियल बांधकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इन प्रयोगों को करने से आपकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी। सुबह घर से काम के लिए निकलने से पहले नियमित रूप से गाय को रोटी दें। एक पात्र में जल लेकर उसमें कुंकुम डालकर बरगद के वृक्ष पर नियमित रूप से चढाएं। सुबह घर से निकलने से पहले घर के सभी सदस्य अपने माथे पर चन्दन तिलक लगाएं। मछलियों की आटे की गोली बनाकर खिलाएं। चींटियों को खोपरे व शकर का बूरा मिलाकर खिलाएं। शुद्ध कस्तूरी को चमकीले पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें।

नकारात्मक लोगों को कैसे पहचानें?

जिन लोगों के साथ आप समय बिताते हैं वो जाने-अनजाने में आपके जीवन पर बहुत बड़ा असर डालते हैं। कहीं न कहीं हम उनकी तरह बात करने, उनकी तरह बनने और वैसा ही करने की कोशिश अनजाने में करने लगते हैं, ये मानवीय पकृति है जिसे हर कोई करता है और इसे बदलना लगभग नामुमकिन है, क्योंकि संगत का असर दिमाग पर पड़ता है और दिमाग एक जटिल अंग है जिसे समझ पाना असंभव है। कई बार हमें पता ही नहीं चलता है कि जो लोग हमारे साथ या आसपास हैं वो कितने बेकार और नकारात्मक सोच वाले हैं। ऐसे लोग विषैले सांप की तरह होते हैं जो कभी न कभी आपको भी नुकसान पहुंचाते ही हैं। इसलिए, बेहतर होगा कि ऐसे लोगों को पहचानें और उनसे दूरी बना लें। ऐसे लोग अपनी बातों या अपने कामों से आएं दिन किसी न किसी का दिल दुखाते रहते हैं। वे हमेशा कोशिश करेंगे कि वे आपको बहुत भला चाहते हैं लेकिन आपको निराश करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। ऐसे लोगों को स्मार्टली हैंडल करना सीखें और उनसे भावनात्मक दूरी बना लें। वरना वे आपमें भी ऐसी आदत पनपा सकते हैं। ऐसे लोग हमेशा परेशान रहते हैं। वो जीवन में कभी खुश नहीं रहते हैं। चाहें परिस्थितियां कितनी भी अच्छी क्यों न हों, उन्हें हमेशा शिकायत और समस्या ही रहती है। समय रहते ऐसे लोगों से दूर हो जाएं। जो लोग आपको किसी काम को करने के लिए प्रेरित नहीं करते हैं बल्कि हमेशा हतोत्साहित करते रहते हैं वे लोग टॉक्सिक होते हैं। ऐसे लोग जीवन में नकारात्मकता लेकर आते हैं। जितना संभव हो, ऐसे लोगों से दूर रहें। जहरीले स्वभाव वाले लोगों से आप जब भी बात करें, तो वे दूसरों के बारे में हमेशा खराब ही बोलेगें। इससे आपके नजरिए पर भी असर पड़ता है। इसलिए, अच्छा होगा कि ऐसे लोगों से दूरी बनाकर रखें।

डीवीडी देखकर व्यायाम न करें...

एक नए शोध में पता चला है कि फिटनेस डीवीडी देखते हुए घर में व्यायाम करने का विचार अच्छा लग सकता है, लेकिन इसका काफी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऑरिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध के परिणामों से पता चला है कि इस तरह के वीडियो से व्यक्ति की सोच नकारात्मक दिशा की ओर मुड़ सकती है और उनके प्रेरणा स्तर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। फिटनेस के लिए मिलने वाली डीवीडी के अध्ययन से यह भी सामने आया है कि इस तरह की डीवीडी में इस्तेमाल होने वाली निराशाजनक भाषा से व्यायाम करने वालों पर पड़ने वाले प्रभाव का स्तर कम हो सकता है। इसके साथ ही ऐसा वीडियो देखने वाले व्यक्तित की आशा और क्षमता पर पड़ने वाला नकारात्मक प्रभाव मनोवैज्ञानिक क्षति का कारण बन सकता है। इस शोध के लिए शोधकर्ताओं ने व्यायाम का प्रशिक्षण देने वाले 10 लोकप्रिय डीवीडी की समीक्षा की। इस तरह के डीवीडी में इस्तेमाल होने वाली भाषा और वीडियो का मूल्यांकन किया गया। इस शोध का लक्ष्य इस तरह के डीवीडी में दिए जाने वाले संदेशों और वीडियो को बेहतर तरीके से समझना और उपयोगतकर्ताओं पर इनके प्रभाव का आकलन करना था। इन फिटनेस डीवीडी का 25 करोड़ डॉलर का उद्योग है, लेकिन इनकी सुरक्षा से संबंधित कोई भी वैज्ञानिक सबूत नहीं है। इस शोध के परिणामों के बाद सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया कि वे इस तरह के डीवीडी को खरीदते समय या इनका इस्तेमाल करते समय इससे पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव के प्रति जागरूक रहें।

सैनिक स्कूलों में लड़कियों को भी मिल सकता है दाखिला

सैनिक स्कूलों में अब लड़कियों के दाखिले की भी अनुमति दी जा सकती है। करीब 55 साल पहले जब एक सैनिक स्कूल खुला था तो वह सिर्फ पुरुष प्रधान ही था यानी सिर्फ छात्रों का ही दाखिला होता था। मामले के जानकार एक अधिकारी ने बताया कि नागरिक उड़यन मंत्री अशोक गजापति राजू ने एक पत्र लिखा था जिसके आधार पर रक्षा मंत्रालय ने इन स्कूलों में लड़कियों को भी दाखिला देने की संभावना तलाशनी शुरू कर दी है। रक्षा मंत्रालय अभी देश भर में 22 सैनिक स्कूल चलाता है। अधिकारी ने बताया कि राजू ने रक्षा मंत्री मनोहर पारिज़्कर को एक पत्र लिखकर आग्रह किया जिस पर पार्रिकर ने इस मामले पर गौर करने का वादा किया। देश भर में नैशनल डिफेंस अकेडमी और आर्मी में महिलाओं के दाखिले को लेकर विभिन्न स्तरों पर बहस चल रही थी। सैनिक स्कूल में छात्राओं के प्रवेश को इस दिशा में पहला कदम माना जाएगा।

रक्षा मंत्री को लिखे पत्र में राजू ने उल्लेख किया, 'आज के आधुनिक समय में रक्षा सेवाएं अपवाद नहीं रह गई हैं जहां महिलाएं अपनी भूमिका न निभा सकें। इस संदर्भ में मैं आपके ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि कई पैरंट्स सैनिक स्कूल, कोरुकोंडा (विजयनगरम) के माध्यम से देश की सेवा में अपनी लड़कियों को भेजना चाहते हैं।'

अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन ऐसा कर पाने में जो इंसान सक्षम होता है, उसे लगभग आधी समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। जीवन में अनुशासन लाकर भावनाओं को एक सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता है। आजकल मनोवैज्ञानिक इमोशनल इंटेलिजेंस को बहुत ज्यादा महत्व देने लगे हैं, क्योंकि इसके बिना कोई भी इंसान अपने अर्जित ज्ञान का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता।

इमोशनल इंटेलिजेंस भी जरूरी...

आज की जटिल जीवन स्थितियों में खुशी और कामयाबी हासिल करने के लिए व्यक्ति का केवल मेहनती और बुद्धिमान होना ही काफी नहीं, बल्कि इसके लिए भावनात्मक परिपक्वता भी बहुत जरूरी है। आपने यह अनुभव किया होगा कि एक ही जैसी स्थितियों में लोग अलग-अलग ढंग से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं।कुछ लोग छोटी-छोटी परेशानियों से हताश हो जाते हैं तो कुछ बेहद मुश्किल हालात में भी घबराने के बजाए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी समस्याओं का हल ढूंढने की कोशिश करते हैं। इसमें से दूसरी तरह के लोग भावनात्मक रूप से बुद्धिमान माने जाते हैं और वे जीवन के हर मोर्चे पर कामयाब होते हैं। आजकल मनोवैज्ञानिक भावनात्मक विवेक को बहुत ज्यादा महत्व देने लगे हैं, क्योंकि इसके बिना कोई भी इंसान अपने अर्जित ज्ञान का सही इस्तेमाल नहीं कर सकता। भावनात्मक विवेक के सिद्धांत के प्रतिपादकों का ऐसा मानना है कि पारंपरिक रूप से जिसे हम आइक्यू कहते हैं, उसका क्षेत्र बहुत सीमित है, लेकिन इमोशनल इंटेलिजेंस का दायरा बहुत विस्तृत है।

क्या है इमोशनल इंटेलिजेंस

इमोशनल इंटेलिजेंस के अंतर्गत समस्त मानवीय व्यवहार समाहित हैं। जीवन में सफल होने के लिए केवल मेहनत करके तकनीकी कौशल सीखना और जानकारियां हासिल करना ही काफी नहीं, बल्कि इंसान को अपनी भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करना भी आना चाहिए। बौद्धिक रूप से कोई भी इंसान चाहे कितना ही सक्षम क्यों न हो लेकिन भावनात्मक परिपक्वता के अभाव में वह असफल हो सकता है।

अंतर्मन के आईने में

अपने व्यक्तित्व को अच्छी तरह समझना भी भावनात्मक विवेक का ही एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपको यह मालूम होना चाहिए कि आप किन बातों से खुश होते हैं, कौन सी बातें आपको नापसंद हैं, अगर कभी आपका मूड खराब है तो आपको यह मालूम होना चाहिए कि किस वजह से आपका मूड खराब है। किन बातों को लेकर आप चिंतित और परेशान होते हैं, आपके मन में किन बातों को लेकर असुरक्षा है, यह आपको स्पष्ट रूप से मालूम होना चाहिए। जब कभी आप शांतिपूर्वक अकेले बैठे हों तो तटस्थ हो कर दूसरों की नजर से आत्मविश्लेषण करें। जब आप ईमानदारी के साथ अपने व्यक्तित्व का मूल्यांकन करेंगे, तभी आप अपनी भावनाओं को अच्छी तरह समझने में सक्षम होंगे। इससे अपने मनोभावों को नियंत्रित और संतुलित करना आपके लिए सहज होगा।

भावनात्मक अनुशासन

अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना कोई आसान काम नहीं है, लेकिन ऐसा कर पाने में जो इंसान सक्षम होता है, उसे लगभग आधी समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। जीवन में अनुशासन लाकर भावनाओं को एक सीमा तक नियंत्रित किया जा सकता है। अगर आप अच्छी प्रेरणादायक किताबें पढेंगे और जीवन के लिए यह दिशा-निर्देश तय करेंगे कि मन में नकारात्मक भावनाओं को आने नहीं देना है तो क्रोध, ईर्ष्या-द्वेष जैसी भावनाओं से काफी हद तक ऊपर उठ सकते हैं। अगर कोई क्रोध में आकर आपके साथ बुरा व्यवहार करता है तो उसकी प्रतिक्रिया में आपका नाराज होना उचित नहीं है। उस वक्त आप शांत रहें और बाद में जब उस व्यक्ति का गुस्सा शांत हो जाए तब आप उसे उसकी गलती का एहसास कराएं। कोई भी निर्णय लेते समय इंसान को अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए क्योंकि भावावेश में आकर जल्दबाजी में लिया गया निर्णय अकसर गलत साबित होता है।

भावनात्मक परिपक्वता

जब इंसान अपनी भावनाओं को नियंत्रित करना सीख लेता है तो वह स्वतः भावनात्मक परिपक्वता की ओर बढ़ने लगता है। जीवन में सफलता और सच्ची खुशी हासिल करने के लिए किसी भी व्यक्ति का भावनात्मक रूप से परिपक्व होना बहुत जरूरी है। कोई भी इंसान भावनात्मक रूप से कितना परिपक्व होगा, यह इस बात पर निर्भर है कि वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के प्रति कितना सचेत है। महात्मा बुद्ध के उपदेशों में आठ सम्यक सूत्रों का उल्लेख मिलता है, जिनके माध्यम से जीवन के हर क्षेत्र में संतुलित आचरण अपनाने की शिक्षा दी गई है। गौतम बुद्ध ने एक बार अपने शिष्यों से कहा था, तुम वीणा के तारों को इतना न कसो कि वे टूट जाएं और न ही इतना ढीला छोड़ों कि उनसे स्वर न निकले। कहने का अर्थ यह है कि भावनाओं की अभिव्यक्ति के मामले में हमेशा संतुलन होना चाहिए।

समझें दूसरों की भावनाएं

भावनात्मक रूप से संतुलित होने के लिए खुद को समझने के साथ दूसरों की भावनाओं को भी समझने और उनके अनुरूप व्यवहार करने की कोशिश करनी चाहिए। इमोशनली इंटेलिजेंट लोगों का सामाजिक व्यवहार हमेशा संतुलित होता है। दूसरों के व्यक्तित्व की खूबियों-खामियों को पहचानने और उनके मन की बातों को पढ़ पाने का गुर जीवन के हर क्षेत्र में आपके काम आता है। चाहे वह आपका व्यक्तिगत जीवन हो या सार्वजनिक। अगर आप दूसरों को समझते हैं तो यह आपके लिए भी अच्छा होगा। दूसरों की भावनाओं को बारीकी से समझ पाना भावनात्मक विवेक का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

मुश्किल का हल

दफ्तर में जो व्यक्ति अपने साथियों के व्यक्तित्व को समझने में सफल होता है, अगर कभी उसके सामने कोई मुश्किल आती है तो वह आसानी से उसका हल ढूंढ लेता है। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में भी भावनात्मक रूप से संतुलित लोग अपने सभी संबंधों का निर्वाह अच्छी तरह कर पाते हैं। वे अपने जीवनसाथी, दोस्तों और रिश्तेदारों के व्यवहार को ध्यान से देखते हुए उनके व्यक्तित्व के सकारात्मक-नकारात्मक पक्षों को समझने की कोशिश करते हैं। लोगों के साथ उनका व्यवहार बेहद संयत होता है। उन्हें मालूम होता है कि अगर किसी से अपनी बात मनवानी भी है तो उसके सामने किस ढंग से पेश आना चाहिए। बच्चों की परवरिश के मामले में भावनात्मक संतुलन की भूमिका काफी अहम होती है।

व्यवहार कुशलता

समाज में लोगों के साथ व्यक्ति के व्यवहार के आधार पर भी उसके भावनात्मक विवेक को आंका जाता है। भले ही किसी व्यक्ति से आपके वैचारिक मतभेद हों या किसी कारण से आप उसे नापसंद करते हों, लेकिन जब वह सामने मिले तो उसके साथ आपका व्यवहार हमेशा सहज और संतुलित होना चाहिए। जीवन के हर मोर्चे पर कामयाबी हासिल करने के लिए यह बहुत जरूरी है। अगर आप सचेत ढंग से इन सुझावों पर अमल करेंगे तो आपके लिए भावनात्मक संतुलन स्थापित करना आसान हो जाएगा।

संतुलन के कुछ सरल नियम

- **इमोशन मैनेजमेंट डायरी:** अपने लिए एक इमोशन मैनेजमेंट डायरी बनाएं, रोजाना रात को सोने से पहले उसमें दर्ज करें कि पूरे दिन में आपने कितनी बार और किन स्थितियों में नकारात्मक व्यवहार किया, ताकि अगली बार वैसी स्थिति में आप अपने व्यवहार में सुधार ला सकें।
- **यह आदत डालें:** समस्याओं से दुखी होने के बजाय उन्हें हल करने की आदत डालें।घर और बाहर दोनों जगहों पर लोगों के साथ अच्छे संबंध बनाने और बिगडे हुए संबंध को सुधारने की कोशिश करें। अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति पर नियंत्रण रखें और सहनशक्ति को मजबूत बनाएं।
- **भावुक क्षणों में फैसला न लें:** भावुक क्षणों में कोई भी निर्णय न लें क्योंकि इसमें अकसर गलतियां हो जाती हैं। ऐसे लोगों से दोस्ती बढाएं, जिनसे बातें करके आपको खुशी मिलती है। अच्छे सामाजिक संबंध भावनात्मक संतुलन बनाने में मददगार होते हैं।
- **असफलताएं हैं जीवन का हिस्सा:** करियर के क्षेत्र में मिलने वाली छोटी-छोटी असफलताओं को पहले से ही अपने जीवन का जरूरी हिस्सा मानकर चलें। अपनी नाकामी से निराश होने के बजाय यह संकल्प लें कि दोबारा आपके साथ ऐसा नहीं होगा। अगर आप छात्र हैं या करियर बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं तो अपनी क्षमताओं का सही मूल्यांकन करना सीखें।
- **अपनी क्षमताओं को जानें:** अपनी क्षमता के अनुरूप ही परिणाम की आशा रखें। अति महत्वाकांक्षा और उसके पूर्ण न होने की स्थिति में कोई भी व्यक्ति भावनात्मक रूप से असंतुलित हो जाता है। सीखने की कोई उम्र नहीं होती। अपने प्रोफेशन के संबंध में निरंतर नई जानकारियां हासिल करें और काम की नई तकनीकें सीखते रहें। इससे आप स्वयं को हमेशा युवा और ऊर्जावान महसूस करेंगे।
- **अपने ऊपर ध्यान दें:** अगर ऐसा लगता है कि वाकई आपका भावनात्मक संतुलन बिगड़ रहा है तो अपने ऊपर पूरा ध्यान दें। पर्याप्त नींद लें, योगाभ्यास और ध्यान करें।परिवार के साथ पूरा समय बिताएं। छुट्टियों में कहीं घूमने जाएं। हमेशा अच्छा सोचें। इससे जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगे।

जानें किताब पढ़ने के फायदे...

पढ़ना एक ऐसी गतिविधि है जिसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। यदि आप नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं तो आपको रीडिंग को एक शौक के रूप में लेने पर विचार करना चाहिए। अक्सर लोगों के पढ़ने के पीछे के प्रयोजनों में कोई काम या शौक होता है। लेकिन वास्तव में पढ़ना एक ऐसी गतिविधि है जिसके कई स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। यदि आप नियमित रूप से नहीं पढ़ते हैं तो आपको रीडिंग को एक शौक के रूप में लेने पर विचार करना चाहिए। हर दिन एक किताब के कुछ पन्नों को पढ़ने के साथ धीरे-धीरे इसे शुरू करें या फिर समाचार देखने के बजाय अखबार पढ़ें। जल्द ही आपको अहसास होगा कि आप फिल्में देखने के बजाए किताबें पढ़ने की अच्छी आदत के मालिक हो चुके हैं।

तनाव कम होता है

किताब पढ़ना आपके तनाव को कम करता है, क्योंकि यह एक तरह की शांतिपूर्ण गतिविधि होती है। यह ऐसी गतिविधि नहीं है, जो आपके विचारों को उत्तेजित करे। हां, किताब पढ़ने के दौरान यह जरूर देखें कि आप किस तरह की किताब पढ़ रहे हैं। याद रहे कि अवसाद और तनावग्रस्त होने पर हमेशा दिमाग को शांत करने वाली या फिर मन को हल्का करने वाली किताब ही पढ़ें, आपको अच्छा लगेगा।

अकेलापन दूर होता है

किताब पढ़ने का एक फायदा यह है कि ये आपका अकेलापन दूर करती है। आप दुनिया में कहीं भी चले जाएं, किताब आपको कभी अकेला नहीं छोड़ेगी। किताब तनाव से दूर ले जाती है और उन विचारों से दूर ले जाती है, जो आपको परेशान करते हैं।

फालतू बातों पर लगाम

किताब पढ़ने का एक फायदा यह है कि तनाव के दौरान तरह-तरह की फालतू बातें दिमाग में आती हैं। ऐसे में मन शांत रहे, यह काम मुश्किल हो जाता है। दिमाग में आई फालतू बातों पर लगाम लगाने का काम करती हैं किताबें। तनाव में किताब पढ़ने से दिमाग में मौजूद फालतू बातें बाहर निकल जाती हैं, क्योंकि आप एकाग्रचित्त हो कर किताब पढ़ रहे होते हैं।

सोचने की क्षमता का विकास

पढ़ना एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें आपको अपने शरीर को भी कष्ट नहीं पहुंचाना होता है। तनाव के दौरान यूं भी कुछ करने का मन नहीं करता। ऐसे में आप चुपचाप कहीं भी बैठ कर आराम से कोई किताब पढ़ सकते हैं। कई बार हम स्वकेंद्रित हो जाते हैं। कुछ नया नहीं सोच पाते हैं, सिर्फ और सिर्फ खुद के बारे में सोचने लगते हैं, पर किताब पढ़ने के दौरान आपके सामने कई सारी ऐसी बातें होती हैं, जो आप पर केंद्रित नहीं होती हैं। ऐसे में एक तरह से आपकी अन्य बातों को सोचने की क्षमता का विकास ही होता है।

मस्तिष्क का व्यायाम

पढ़ना एक प्रकार बेहतर तरीके से मस्तिष्क को उद्दीप्त करना करता है, जोकि टीवी देखने या रेडियो सुनने से कभी नहीं हो सकता। फिर भले ही आप कोई नया थ्रिलर पढ़ रहे हों या फिर अपने डीवीडी प्लेयर का अनुदेश मैनुअल, पढ़ने से आपका मस्तिष्क संलग्न रहता है और उसकी एक्सरसाइज होती है।

याददाश्त बढ़ती है

जो लोगो पढ़ाई करते रहते हैं उनकी याददाश्त तेज होती है। टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने की तुलना में पढ़ाई करने वालों का दिमाग अधिक तेज होता है। इसके अलावा पढ़ने की आदत व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को भी बढ़ाती है।

दिमाग जवां रहता है

पढ़ने की आदत से इंसान का दिमाग हमेशा जवां रहता है। एक शोध के अनुसार, वे लोग जो रचनात्मक कामों जैसे पढ़ाई आदि में अधिक समय बिताते हैं, उनका दिमाग ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 32 प्रतिशत तक अधिक युवा बना रहता है।

अल्जाइमर से बचाव

अल्जाइमर उम्रदराज लोगों में होने वाला एक मानसिक रोग है, जिसके कारण व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। जो दिमागी गतिविधियों जैसे, पढ़ाई, चेस खेलना, पजल हल करना आदि में व्यस्त रहते हैं।

फंकी लुक और पार्टी वेयर 'किमोनो' है ट्रेंड में

फैशन जगत में भी लुक ईस्ट पॉलिसी पर फोकस किया जा रहा है। जापानी गुड़िया पर सजने वाली चीजें अब दुनिया के हर कोने के साथ-साथ भारत में भी खासी पसंद की जा रही हैं। 'किमोनो' भी इनमें से एक है। जो बहुत ही ट्रेंडी हैं। इस ढीले-ढाले परिधान को किसी भी ड्रेस के ऊपर पहना जा सकता है। इसे मॉडर्न आउटफिट कम टेड्रिशनल कहा जा रहा है। बॉलीवुड हमेशा से ही ट्रेंड सेटर रहा है। दीपिका पादुकोण ने 'किमोनो' को भी काफी पापुलर बना दिया है। गर्ल्सज़ अपने आप को डिफरेंट और अट्रैक्टिव दिखाने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए यूनिक और स्टाइलिश 'किमोनो' टॉप्स में हैं। ये काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। अब गर्ल्स भी 'किमोनो' टॉप्स में नजर आ रही हैं जो की उन्हें अट्रैक्टिव लुक दे रहा। ये लुक टीनेजर्स को बहुत लुभा रहा है। 'किमोनो' टॉप्स कलरफूल और सिम्पल लुक में भा रहे हैं। प्लेन और प्रिंटेड 'किमोनो' को जींस या पैंट्स के ऊपर पहन सकते हैं।

स्टाइलिश क्रेप व 'किमोनो' चलन में

कैजुअल लुक, फंकी लुक और पार्टी वेयर लुक के अलावा स्टाइलिश क्रेप और 'किमोनो' काफी चलन में है। नेट 'किमोनो' भी प्रचलित में है। मिनी स्कर्ट या शॉर्ट्स, फुल स्किनी ट्राउजर के साथ इसे कैरी कर सकते हैं और इसमें अटैच बेल्ट से इसे कमर में टाइट कर सकते हैं। ये बैक साइड से पूरा कवर होता है और सामने से हाफ ओपन होता है ताकि अंदर जो जीन्स और स्कर्ट पहना है वो नजर आ सके। ये गर्ल्स को स्टाइलिश लुक दे। जापानी 'किमोनो' का डिजाइनर आउटफिट्स काफी लड़कियों को लुभा रहा है जो स्लीवलेस कुर्ती और टी सर्ट के साथ कैरी किया जा रहा है।

फॉलो कर रही हैं

इस सीजन में सबसे ज्यादा चलन में है तो वो है 'किमोनो'। गर्ल्स ये ट्रेंड फॉलो कर रही हैं। यही नहीं इसमें भी नए-नए इन्नोवेशन देखने को मिल रहे हैं।

इसे जींस के साथ कैरी किया जा सकता है तो वहीं प्लाजो के साथ भी इसे पहना जा सकता है। कैजुअल लुक, फंकी लुक और पार्टी वेयर लुक के लिए भी इसे ट्राय कर सकते हैं। ये नया ट्रेंड है और कूल भी है।

संपादकीय

संसद चलेगी या पटाक्षेप

संसद के मानसून सत्र के सिर्फ चार दिन शेष हैं। इनमें सोमवार भी शामिल है। हम यह संपादकीय संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले लिख रहे हैं, लिहाजा सोमवार को सदन में क्या हुआ, उसका विश्लेषण बाद में ही कर सकते हैं। सरकार ने एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) संशोधन बिल पेश और पारित करना तय किया था, लेकिन विपक्ष का विरोध था। परिसीमन बिल इस सत्र में लटकता दिख रहा है। यदि परिसीमन बिल पारित नहीं होगा, तो महिला आरक्षण (नारी शक्ति वंदन कानून) 2034 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू नहीं हो पाएगा। संशोधन बिल पारित कराने के लिए ही तृणमूल कांग्रेस के 20, शिवसेना (उद्धव) के 6 लोकसभा सांसद और 'आप' के 7 राज्यसभा सांसद तोड़े गए थे। एनसीपी (शरद) के 8 लोकसभा सांसदों पर भी सरकार की निगाहें हैं। इन सांसदों ने सोमवार, 10 अगस्त, को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और स्वादिष्ट व्यंजन भी चखे। शिरोमणि अकाली दल (बादल) ने भी परिसीमन बिल को समर्थन का बयान दिया है, लिहाजा उसकी एकमात्र लोकसभा सांसद हरसिमरत कौर बादल के वोट का भी जुगाड़ हो गया है। द्रमुक के 22 सांसद भी सरकार के पाले में आ सकते हैं, फिलहाल कुछ शर्तों पर 'सौदेबाजी' जारी है। यदि इन सभी पालाबदलू सांसदों का भी समर्थन मिल जाता है, तो भी सरकार 360 के आंकड़े तक नहीं पहुंचती। लोकसभा में यह दो-तिहाई बहुमत का आंकड़ा है। सरकार और आंध्रप्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस के दरमियान भी पालाबदल या घोषित समर्थन की बातचीत जारी है। यदि लोकसभा सीटों के नए परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू करना था, तो 2023 में लगभग सर्वसम्मति से यह बिल पारित क्यों किया गया? कानून बनने के बावजूद करीब 3 साल तक उसकी सरकारी अधिसूचना जारी क्यों नहीं की गई? मौजूदा संदर्भ में अभी तो जनगणना जारी है, जो 2027 में संपन्न होगी। 2011 अथवा 1971 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करना बेमानी है, क्योंकि जनसंख्या काफी बढ़ चुकी है और लोकसभा सीटें बेहद असंतुलित हैं। बहरहाल हमारा सवाल है कि शेष चार दिनों में भी संसद चलेगी या यूं ही उसका पटाक्षेप करना पड़ेगा। अभी तक संसद की कार्यवाही विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी की 'बलि' चढ़ती रही है। देश के करदाताओं के 100 करोड़ रुपए से अधिक पर पानी फिर चुका है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह अपनी जिद पर अड़े हैं और कमोबेश कांग्रेस भी अड़ी है कि गृहमंत्री सदन में आएं और छात्रों, युवाओं पर बर्बर प्रहारों का जवाब दें। बीते 13-14 दिनों से प्रधानमंत्री और गृहमंत्री सदन में दिखाई नहीं दिए। यह दुर्लभ और अप्रत्याशित हकीकत है। वे संसद के प्रति जवाबदेह हैं। अच्छा होता कि गृहमंत्री कमोबेश लोकसभा में आते और विपक्ष के शोर-शराबे में ही ऐसा जवाब देते कि विपक्ष कांप उठता! वैसे हमने किसी भी गृहमंत्री के जवाब पर किसी भी विपक्ष को कांपते हुए, कभी भी, नहीं देखा। गृहमंत्री प्रधानमंत्री से प्रेरणा ले सकते थे, जिन्होंने राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान उठाए गए तमाम सवालों के जवाब कांग्रेस सांसदों के हंगामे और नारेबाजी के बीच दिए थे। प्रधानमंत्री मोदी लगातार बोलते रहे। संसद के भीतर का वह भी दुर्लभ और असंसदीय अवसर था, क्योंकि व्यवस्था और परंपरा यह रही है कि जब प्रधानमंत्री एवं सदन के नेता बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो हंगामा मौन हो जाता है। सभी सदन के नेता की बात सुनते हैं। यह संसदीय परंपरा भी ढह गई है। बहरहाल मानसून सत्र में एंटी पेपरलीक बिल का उदाहरण दिया जा सकता है, जिस पर दो दिनों में घंटों चर्चा हुई और बिल ध्वनि-मत से पारित किया गया। विपक्ष के एक भी सांसद ने शिक्षा-सुधार, परीक्षा-सुधार और समग्रतः शिक्षा-व्यवस्था पर कोई भी सुझाव नहीं दिया। बस, सत्ता-पक्ष को कोसते रहे और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांगते रहे। शेष बिल ऐसे थे, जो कभी भी पारित किए जा सकते थे। वे भी सदन में 'हां' या 'ना' के शोर के साथ पारित किए गए। कोई बहस नहीं। यह कोई आश्चर्य नहीं है कि हमारी संसद की कार्यवाही बाधित रहती है, सिर्फ विधायी पेपर और रपटें सदन के पटल पर रखी जाती हैं और फिर कार्यवाही स्थगित करनी पड़ती है।

सरकार ने एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) संशोधन बिल पेश और पारित करना तय किया था, लेकिन विपक्ष का विरोध था। परिसीमन बिल इस सत्र में लटकता दिख रहा है। यदि परिसीमन बिल पारित नहीं होगा, तो महिला आरक्षण (नारी शक्ति वंदन कानून) 2034 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू नहीं हो पाएगा। संशोधन बिल पारित कराने के लिए ही तृणमूल कांग्रेस के 20, शिवसेना (उद्धव) के 6 लोकसभा सांसद और 'आप' के 7 राज्यसभा सांसद तोड़े गए थे। एनसीपी (शरद) के 8 लोकसभा सांसदों पर भी सरकार की निगाहें हैं। इन सांसदों ने सोमवार, 10 अगस्त, को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और स्वादिष्ट व्यंजन भी चखे। शिरोमणि अकाली दल (बादल) ने भी परिसीमन बिल को समर्थन का बयान दिया है, लिहाजा उसकी एकमात्र लोकसभा सांसद हरसिमरत कौर बादल के वोट का भी जुगाड़ हो गया है। द्रमुक के 22 सांसद भी सरकार के पाले में आ सकते हैं, फिलहाल कुछ शर्तों पर 'सौदेबाजी' जारी है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर विशेष

युवा शक्ति को मिले दिशा, सपनों को मिले उड़ान

युवा केवल उम्र की एक अवस्था नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस, कल्पना, परिवर्तन और नवसृजन की चेतना का नाम है। जिस समाज की युवा शक्ति जाग्रत, संवेदनशील और रचनात्मक होती है, वह समाज परिवर्तन की नई इबारत लिखता है। इसके विपरीत जब युवा ऊर्जा दिशाहीन हो जाती है तो वही शक्ति हिंसा, नशे, उग्रवाद, अपराध, निराशा और विध्वंस का कारण बन सकती है। इसलिए आज दुनिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि युवा क्या कर रहे हैं, बल्कि यह है कि उनकी विराट ऊर्जा को किस दिशा में लगाया जा रहा है। इसी चिंतन को वैश्विक स्तर पर महत्व देने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाता है। वर्ष 2000 से इस दिवस का आयोजन शुरू हुआ। इस वर्ष का विषय है-'विभिन्न परिस्थितियाँ, साझा आकांक्षाएँ।' यह विषय आज की युवा पीढ़ी की वास्तविकता को बहुत गहराई से अभिव्यक्त करता है। दुनिया के युवाओं की परिस्थितियाँ भिन्न हैं। कहीं गरीबी और बेरोजगारी है, कहीं युद्ध और असुरक्षा, कहीं शिक्षा के अवसरों की कमी है, कहीं तकनीकी असमानता और पर्यावरण संकट है, लेकिन इन सबके बीच उनकी आकांक्षाएँ आश्चर्यजनक रूप से समान हैं। वे सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं। दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं। आज आवश्यकता है कि हर देश में ऐसी प्रभावी व्यवस्था बने, जिसमें विद्यार्थी, उद्यमी, किसान, वैज्ञानिक, कलाकार, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा सीधे नीति-निर्माताओं से संवाद कर सकें। केवल युवाओं पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि युवाओं के साथ योजनाएँ बनाना आवश्यक है। भारत की सबसे बड़ी शक्तियों में उसकी युवा आबादी भी है। भारत के युवाओं ने अनेक बार सिद्ध किया है कि उनमें केवल नौकरी पाने की आकांक्षा नहीं, बल्कि कुछ नया करने की बेचैनी भी है। विज्ञान, खेल, तकनीक, उद्यमिता, कला, साहित्य और सामाजिक सेवा से लेकर अनेक क्षेत्रों में भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के पुनर्निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। उनका विश्वास था कि जाग्रत, चरित्रवान और संकल्पवान युवा राष्ट्र की दिशा बदल सकता है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी युवाओं के सपनों को भारत के

भविष्य से जोड़ा। उनके चिंतन का मूल संदेश था कि बड़े सपने देखो, ज्ञान अर्जित करो और उन सपनों को कर्म में बदलो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी भारत के विकास विमर्श में युवा शक्ति, नवाचार, कौशल, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को विशेष महत्व दिया जा रहा है। लेकिन अब अगला चरण इससे आगे जाने का है। युवा को योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास का सह-निर्माता बनाना होगा। युवा दिवस की सार्थकता तब होगी जब 12 अगस्त के बाद भी युवा के जीवन में कोई सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे। क्यों न इस वर्ष प्रत्येक शहर में युवा स्वप्न संवाद आयोजित हों, जिसमें युवा लिखें कि वे अपने देश को अगले दस वर्षों में कैसा देखना चाहते हैं। उन सपनों को केवल कागज पर न रखा जाए, बल्कि सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थान और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर उनमें से व्यवहारिक योजनाओं को धरातल पर उतारें। प्रत्येक युवा कोई एक उपयोगी कौशल सीखे और समाज के लिए कोई एक जिम्मेदारी स्वीकार करे। प्रत्येक जिले में ऐसे युवा नवाचार केंद्र स्थापित हों, जहाँ स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए युवा अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का उपयोग कर सकें। आज युवा शक्ति के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में नशा, डिजिटल लत, हिंसक प्रवृत्तियाँ, मानसिक तनाव, बेरोजगारी और उद्देश्यहीनता हैं। नशे का फैलता जाल केवल व्यक्ति को नहीं, परिवार और राष्ट्र की उत्पादक शक्ति को भी कमजोर करता है। युवाओं को केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि नशा मत करो, बल्कि उन्हें जीवन का ऐसा उद्देश्य देना होगा कि नशे की आवश्यकता ही महसूस न हो। खेल, योग, ध्यान, कला, साहित्य, सेवा, उद्यमिता और सामाजिक गतिविधियों से युवाओं को जोड़ना होगा। खाली समय को रचनात्मक समय में बदलना नशामुक्ति की सबसे प्रभावी सामाजिक रणनीति हो सकती है। आज की युवा पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद की कमी भी एक चुनौती है। बुजुर्ग अनुभव के प्रतीक हैं और युवा ऊर्जा के। अनुभव यदि ऊर्जा से नहीं जुड़ेगा तो वह जड़ हो सकता है और ऊर्जा यदि अनुभव से नहीं जुड़ेगी तो दिशाहीन हो सकती है। इसलिए आवश्यकता है अंतरपीढ़ी संवाद की। परिवारों, संस्थाओं और सरकारों को ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें युवा नई सोच प्रस्तुत करें और वरिष्ठ पीढ़ी अपने अनुभव से उनका मार्गदर्शन करे। अनुभव और ऊर्जा का यह समन्वय राष्ट्र निर्माण की बड़ी शक्ति बन सकता है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में युवा आंदोलन हो रहे हैं। युवाओं की आवाज सत्ता और व्यवस्था तक पहुँच रही है। भारत में भी समय-समय पर युवाओं ने अपनी आकांक्षाओं और असंतोष को आंदोलन का रूप दिया है। लेकिन युवा आंदोलन की सबसे बड़ी सफलता तब होगी जब वह केवल विरोध की आवाज न रहकर विकल्प की आवाज बने। युवा कहे कि हमें केवल शिकायत नहीं करनी, समाधान भी देना है। हमें केवल रोजगार नहीं चाहिए, रोजगार सृजित करने की क्षमता भी चाहिए। हमें केवल अधिकार नहीं चाहिए, हम जिम्मेदारियाँ भी निभाएँगे। हम केवल सत्ता बदलने नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने आए हैं। यही युवा आंदोलन की नई परिभाषा हो सकती है। यौवन अपने आप में उपलब्धि नहीं है। युवकत्व चेतना की अवस्था है। चेहरे पर जवानी हो और विचारों में जड़ता हो तो यौवन अधूरा है। ऊर्जा हो लेकिन दिशा न हो तो वही ऊर्जा संकट बन सकती है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को दो चीजों की सबसे अधिक आवश्यकता है-जोश और होश। जोश उसे ऊँचा उड़ाए और होश उसे सही दिशा दे। जोश उसे सपने दिखाए और विवेक उन सपनों को यथार्थ में बदले। जोश उसे संघर्ष करना सिखाए और करुणा उसे मनुष्य से जोड़े। स्वामी विवेकानन्द की प्रेरणा, सुकरात की प्रश्नाकुलता, महात्मा गांधी की करुणा और डॉ. कलाम के सपनों का समन्वय आज के युवा के व्यक्तित्व में होना चाहिए। दुनिया के युवाओं से यह कहना आसान है कि बड़े सपने देखो, लेकिन केवल सपने देखने के लिए कहना पर्याप्त नहीं है। सपनों को आकार देने के लिए अवसरों की संरचना भी करनी होगी। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय हमें एक महत्वपूर्ण सत्य बताता है कि हमारी परिस्थितियाँ अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारी आकांक्षाएँ साझा हैं। भारत का युवा अवसर चाहता है, अफ्रीका का युवा शिक्षा और रोजगार चाहता है, युद्धग्रस्त क्षेत्र का युवा शांति चाहता है, द्वीपीय देशों का युवा सुरक्षित पर्यावरण चाहता है और तकनीकी दुनिया का युवा समान अवसर चाहता है। अर्थात दुनिया के युवा अलग-अलग भाषाएँ बोलते हैं, अलग संस्कृतियों में रहते हैं, लेकिन उनके सपनों की भाषा बहुत कुछ समान है। इसलिए आज दुनिया को युवा शक्ति को नियंत्रित करने से अधिक उस पर विश्वास करने की जरूरत है। आइए इस अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर हम केवल युवाओं को बधाई न दें, बल्कि उन्हें अवसर दें-अपनी बात कहने का, अपनी प्रतिभा दिखाने का, निर्णय लेने का और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का। सरकारें युवाओं की सुनें, परिवार उनके सपनों को समझें, शिक्षण संस्थान उनकी प्रतिभा को पहचानें, समाज उनके प्रयोगों को अवसर दे और युवा स्वयं अपने भीतर के सामर्थ्य को पहचानें।

सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्थक रोजगार, सुरक्षा, मानसिक सुख-शांति, निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी और बेहतर भविष्य चाहते हैं। दुनिया की सरकारों को यह समझना होगा कि युवा केवल चुनाव के समय याद आने वाला मतदाता नहीं है। वह राष्ट्र की नीति-निर्माण प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार है। जिस युवा के जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णय लिये जाते हैं, उसकी आवाज उन निर्णयों में कितनी शामिल है, यह लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी महत्वपूर्ण पैमाना है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 युवाओं को शांति निर्माण और हिंसा की रोकथाम में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्वीकार करता है। यह स्वीकारोक्ति इस बात का प्रमाण है कि युवा समस्या नहीं, बल्कि समाधान की शक्ति हैं।

देश दुनिया से

आंकड़ों की बाजीगरी और यथार्थ की अनदेखी

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य एवं कल्याण सर्वे का उद्देश्य देश में प्रजनन दर, मृत्यु दर, परिवार नियोजन और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर आवश्यक आंकड़े प्रदान करना है। यह सर्वे हर पांच साल में स्वास्थ्य व परिवार कल्याण में उभरती चुनौतियों को दर्शाते हुए भविष्य के नीति निर्धारण को डेटा-बेस्ड व वैज्ञानिक आधार प्रदान करता है। इसके चक्र-6 के आंकड़े हाल ही में मई में प्रकाशित किए गए। उल्लेखनीय है कि यह सर्वे ही भविष्य के नीति निर्धारण का आधार बनता है। इसके बिना नागरिक तथा नीति-निर्धारक आदि सरकार की नीतियों का विश्लेषण आंकड़ों की बजाय सरकारी आख्यानों के आधार पर करने को मजबूर होते हैं। लेकिन इन आंकड़ों को जारी करने में जान-बूझकर विलंब तथा अनावश्यक हस्तक्षेप के जरिए सरकार ने इसकी नीतियों के सर्वे-आधारित विश्लेषण के आधार को ही छीन लिया। एनएफएचएस-5 (2019 से 2021) व इससे पहले के सर्वे चक्र में 131 प्रमुख संकेतकों की स्थिति दिखाई जाती रही। ताजा सर्वे में केवल 101 संकेतकों की स्थिति ही दर्शाई गई है। इस तरह कुछ प्रमुख संकेतकों को नजरअंदाज कर दिया गया है; जैसे- खून की कमी की व्याप्ति, शिशु मृत्यु दर, प्रजनन क्षमता तथा आबादी, जन्म के समय लिंगानुपात, रसोई के स्वच्छ ईंधन तक पहुंच, सैनिटाइजेशन कवरेज, एचआईवी व कैंसर संबंधी जांच आदि। इस तरह से उन सभी संकेतकों को लगभग निकाल दिया गया, जिन पर सरकार का प्रदर्शन सबसे कमजोर था। यह बहु-प्रचारित योजनाओं की जांच-परख से बचने और छांट-छांट कर गरीबी, शिशु पोषण और महिला स्वास्थ्य की विफलताओं पर पर्दा डालने का मसला भी है। व्यापक स्तर पर यह इस तथ्य को छिपाने की ही कोशिश है कि बाजार सुधार के नाम पर चलाई जा रही नीतियों से हम राष्ट्र के तौर पर निर्धनतम तबकों जैसे महिलाएं, बच्चे और गरीबों की कीमत पर निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य उद्योग को फायदा पहुंचाने में लगे हुए हैं। एनएफएचएस-6 में केवल पहले से चले आ रहे संकट को हटाया ही नहीं, बल्कि

विकृत स्वास्थ्य प्राथमिकताओं के रुझानों को पोषित करने के लिए कुछ नए संकेतक तक भी जोड़ दिए गए हैं। इनका जोर अल्पपोषण की बजाय जीवनशैलीगत संकेतकों की तरफ ज्यादा है, मसलन-मोटापा। याद रहे, दक्षिण एशिया में गैर-संचारी रोगों से होने वाली मौतों की आधी संख्या भारत में होती है। फिर भी, नीतिगत प्राथमिकताओं का अल्पपोषण से मोटापे की तरफ मोड़ना एक खास दृष्टिकोण का संकेतक है। हमारे यहां 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में ठिगनापन 29.3 प्रतिशत पर है, दुबलापन 31.8 प्रतिशत, अल्प विकास 19.0 प्रतिशत तथा अत्यधिक अल्प विकास 5.02 प्रतिशत पर है। देश में 6 से 23 महीने के बच्चों में केवल 15.3 प्रतिशत को ही पर्याप्त खुराक मिल पाती है। स्तनपान से पोषण 63.7 प्रतिशत से घटकर 55 प्रतिशत पर आ गया है। मोटे तौर पर हर पांच में से एक स्त्री-पुरुष अब भी दुबला या अंडरवेट है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस स्थिति को महामारिगत ध्रुवीकरण कहते हैं, जहां किसी आबादी के बीच स्वास्थ्य संबंधी नतीजे समूहों के बीच बढ़ते पैमाने पर विभाजित होते जाते हैं। इसमें रुग्णता, जीवन प्रत्याशा और स्वास्थ्य रक्षा तक पहुंच के संबंध में समूहों के बीच खाई बढ़ती जाती है। रक्त अल्पता के आंकड़ों को हटाकर मोटापे के आंकड़े को जोड़ना स्वास्थ्य स्थिति की अधूरी तस्वीर ही सामने लाता है, जिसमें पोषणगत बुनियादी विफलताओं को किनारे किया जाता है। सबसे नाटकीय ढंग से रक्ताल्पता के आंकड़ों को नजरअंदाज किया गया है। एनएफएचएस-5 में संकट बढ़ने की जानकारी सामने आई थी। 5 साल से कम आयु के बच्चों में खून की कमी 58.6 प्रतिशत से बढ़कर 67.1 प्रतिशत हो गई थी और 15 से 49 वर्ष आयु तक की महिलाओं के बीच यह 57 प्रतिशत थी, जिससे 'रक्ताल्पता मुक्त भारत योजना' पर सवाल उठे थे। इसी प्रकार, जन्म के समय लिंगानुपात हटा दिया गया है, जबकि यह लैंगिक भेदभाव का सबसे सशक्त संकेतक माना जाता है। एक स्वास्थ्य सर्वे जवाबदेही का औजार भी है। इसमें से सरकार की नीतियों की विफलताएं सामने लाने वाले संकेतकों को हटा देना गंभीर मसला है। हटाए जाने का पैटर्न भी अपनी कहानी कहता है। मिसाल के तौर पर, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 2016 में गरीब महिलाओं को रसोई के कनेक्शन मुहैया करवाने के लिए शुरू की गई थी। एनएफएचएस-5 में पता चला था कि 40 प्रतिशत परिवारों को अब भी ईंधन के लिए चूल्हा फूंकना पड़ता है। अब एनएफएचएस-6 से इसे हटा दिया गया है। इसी प्रकार, स्वच्छ भारत मिशन में 10 करोड़ शौचालय बनवाने के बाद 2019 में सरकार ने भारत को खुले में शौच से मुक्त घोषित कर दिया था। इसके बावजूद एनएफएचएस-5 में पता चला था कि 19 प्रतिशत परिवारों को शौचालय की सुविधा मिली ही नहीं थी। उसे भी चक्र-6 में हटा दिया गया है। स्त्री व पुरुष नलबंदी में 70:1 का भारी अंतर दशकों से जस का तस बना हुआ है। बताया जाता है कि इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज के निदेशक, प्रो. के.एस. जेम्स की देखरेख में पेश किए जा रहे कुछ आंकड़ों से सरकार नाखुश थी। जेम्स ने इन आंकड़ों को हटाने से मना कर दिया था और उन्हें निलंबित कर दिया गया। सार्वजनिक आलोचना के बाद उनका निलंबन वापस लेकर उनसे इस्तीफा मांग लिया गया।

आप का नज़रिया

मानसून के कितने प्रश्न

बरसात में टपकती छतों, टूटती सडक़ों, उखड़ती जलपरियोजनाओं और उखड़ते बिजली के खंभों के हजारों दोष अगर विधानसभा का मानसून सत्र जानता है, तो तमाम विधायकों को शत शत प्रणाम, वरना अब तक विधानसभा पहुंचे करीब पांच सौ प्रश्नों में हम किसमें अपना भविष्य खोजें। प्रश्न जनता की कचहरी से उठकर विधानसभा के कक्ष में उद्गार बनें, तो प्रदेश की असली सत्ता हितमतगार बनेगी। ये प्रश्न बाहें फैलाए हर बार विधानसभा के सत्रों से पूछते हैं कि फलां सडक़ पर गड्ढे क्यों हैं या ढह गई पुलिया पर दोबारा काम क्यों नहीं हुआ। अगर हम सडक़ दुर्घटनाओं में मारे गए सैकड़ों लोगों का वृत्तांत सुन लें, तो सत्र की चर्चा में सडक़, परिवहन, वाहन सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था पर विश£षण कर पाएंगे। अगर चिट्टे पर चर्चा करेंगे, तो शिक्षा की जरूरतों, अभिभावकों की मन्नतों और कानून-व्यवस्था के अमल पर संवेदनशील होंगे। क्यों पानी में आज भी पीलिया बहता और क्यों हल्के से तूफान से बिजली गुल होती। क्यों अस्पताल में आकर व्हील चेयर नहीं मिलती और क्यों दफ्तर की सीट पर सरकारी पगार पाने वाले की तस्वीर नहीं मिलती। प्रश्न सामान्य हैं, लेकिन उत्तरों की परिधि लंबी है। लंबे दौर की बहस में आम जनता के प्रश्न बौने हैं, क्योंकि सियासी करवटों ने सदन की बहस का कुआं खाली कर रखा है। सदन की मुंडेर पर न तो कौआ कांय कांय करता और न ही आगंतुक प्रश्नों को पूरा समय मिलता। इस बार सदन की दोपहर से पहले कई राजनीतिक ग्रहण प्रदेश में घूम रहे हैं। वातावरण आग बबूला है और जहां कई ज्वालामुखी फट रहे हैं, तो हिमाचल की आशाएं-अभिलाषाएं अपनी जुबान, अपनी भाषा में सदन की कार्यवाही देखना चाहती हैं। विडंबना यह है कि राजनीति ने जो भाषा चुनी है, उसके अर्थ इस बार मानसून सत्र को क्रोधित, अंतहीत और मर्यादाविहीन कर सकते हैं। विडंबना भी यही है कि सदन की कार्यवाही अब दिनचर्या का अनुशासन नहीं और न ही बिजनेस का अनुशीलन है, बल्कि समय गुजारती अतिहीन राजनीति का अखाड़ा बनती जा रही। बेशक ऐसे ही प्रश्न इस वक्त हिमाचल में सियासत की खेती कर रहे हैं। विपक्ष के विधायकों की जुबान फिसल रही है और ऐसा लगता है कि यहां की जनता-यहां के मतदाता किस खेत की मूली हैं। घायल प्रश्नों की खेप से आहत सत्ता और विपक्ष का सियासी चरित्र अगर गुत्थम-गुत्था है, तो हमारे सरोकार परेशान हैं-लज्जित हैं। कभी हिमाचल विधानसभा की कार्यवाहियों में हंसी-ठठोली का एक पक्ष सत्ता, दूसरा विपक्ष होता था। बड़े मद्दों की साझेदारी में विपक्ष की भागीदारी अगर बची ही नहीं, तो हंगामा सदन की पेशकश बनता रहेगा। बेशक बड़ी तैयारी में आएंगे इस बार दोनों पक्ष। प्रश्न अपनी व्यावहारिक अंगुलियां उठाएंगे तो जवाब के प्रदर्शन में सरकार की परिपक्वता, ईमानदारी, जवाबदेही और पारदर्शिता से आएंगे वरना उत्तरों की धमाल में समाज के अर्थ बहरूपिए हो जाएंगे। बेशक विकास के सवालों पर हिमाचल विधानसभा का रिकार्ड अच्छा है, लेकिन आधुनिक संदर्भों में बहिर्गमन के पांव पूरा सदन चलने लगा है। हिमाचल के भविष्य के प्रश्न बढ़ती उधारी, घटते रोजगार, आपदाओं के दौर और प्रशासनिक सुधारों के वक्तव्य में अर्थ खोजते हैं। हिमाचल के लिए मानसून सत्र अगर बरसात की कुंडली खोले तो सरकार का प्रदर्शन और दिल्ली सरकार का रवैया सामने आएगा। प्रश्न यह नहीं कि गारंटियों में सरकार महिलाओं की तादाद को किस हद तक पंद्रह सौ रुपए दे पाई, बल्कि यह भी है कि प्रधानमंत्री द्वारा घोषित आपदा राहत के पंद्रह हजार करोड़ रुपए कब आएंगे। कब पंजाब पुनर्गठन की भावना में हिमाचल को 7.19 प्रतिशत दर से अपने अधिकार मिल पाते हैं।

प्रश्न जनता की कचहरी से उठकर विधानसभा के कक्ष में उद्गार बनें, तो प्रदेश की असली सत्ता हितमतगार बनेगी। ये प्रश्न बाहें फैलाए हर बार विधानसभा के सत्रों से पूछते हैं कि फलां सडक़ पर गड्ढे क्यों हैं या ढह गई पुलिया पर दोबारा काम क्यों नहीं हुआ। अगर हम सडक़ दुर्घटनाओं में मारे गए सैकड़ों लोगों का वृत्तांत सुन लें, तो सत्र की चर्चा में सडक़, परिवहन, वाहन सुरक्षा और पुलिस व्यवस्था पर विश£षण कर पाएंगे। अगर चिट्टे पर चर्चा करेंगे, तो शिक्षा की जरूरतों, अभिभावकों की मन्नतों और कानून-व्यवस्था के अमल पर संवेदनशील होंगे। क्यों पानी में आज भी पीलिया बहता और क्यों हल्के से तूफान से बिजली गुल होती। क्यों अस्पताल में आकर व्हील चेयर नहीं मिलती और क्यों दफ्तर की सीट पर सरकारी पगार पाने वाले की तस्वीर नहीं मिलती। प्रश्न सामान्य हैं, लेकिन उत्तरों की परिधि लंबी है। लंबे दौर की बहस में आम जनता के प्रश्न बौने हैं, क्योंकि सियासी करवटों ने सदन की बहस का कुआं खाली कर रखा है। सदन की मुंडेर पर न तो कौआ कांय कांय करता और न ही आगंतुक प्रश्नों को पूरा समय मिलता। इस बार सदन की दोपहर से पहले कई राजनीतिक ग्रहण प्रदेश में घूम रहे हैं।

कुछ अलग

पूर्णता, दरार और मनुष्य

पृथ्वी ने पहली बार गहरी सांस ली, इतनी गहरी कि पर्वतों ने उसे अपने भीतर तक महसूस किया। नदियों ने अपने स्वर में थोड़ा बदलाव किया। हवा कुछ अधिक हल्की हो गई। और काल...पहली बार मुस्करा उठा। उसे लगा- आज सृष्टि ने अपनी पहली भूल नहीं, अपना पहला सत्य स्वीकार किया है। उस दिन से दरार केवल पत्थरों में नहीं रही। दरार प्रकृति के स्वभाव में बस गई। जहां बीज फूटा, वहां भी एक दरार थी। जहां अंडे का कवच टूटा, वहां भी एक दरार थी। जहां शिशु ने पहली सांस ली, वहां भी एक अदृश्य दरार खुली। जहां किसी नए विचार ने किसी पुराने विश्वास को तोड़ा, वहां भी एक अदृश्य दरार जन्मी। काल आंखें गड़ाए यह सब देखता रहा। उसने भीतर तक कुछ महसूस किया। फिर अपनी अदृश्य पुस्तक में एक वाक्य लिखा, 'पूर्णता स्थिरता देती है, दरार जीवन देती है।' धीरे-धीरे यह बात स्वयं पृथ्वी भी समझ गई। उसे अनुभव हुआ कि जो पूरी तरह बंद है, वह सुरक्षित तो हो सकता है, ज़िंदा नहीं। जो बीज कभी नहीं फूटता, वह अंततः सड़ जाता है। जो घर कभी नहीं खुलता, वह घुटन से भर जाता है। जो समाज परिवर्तन नहीं स्वीकारता, वह कठोर हो जाता है। और जो विचार प्रश्नों के लिए बंद हो जाए, वह अंधविश्वास बन जाता है। इसलिए प्रकृति ने दरारों को कभी शत्रु नहीं माना। वे उसके लिए परिवर्तन की सांस थीं। जीवन की खिड़कियां थीं, दरीचे थे। काल की लिखावट थीं। युगांतर में मनुष्य ने दरार को दोष कहा। राजमिस्त्री ने उसे निर्माण की त्रुटि कहा। शासकों ने उसे व्यवस्था का संकट बताया। फलफसियों ने जीवन का दर्शन। इतिहासकारों ने उसे सभ्यताओं के पतन का संकेत माना।

दृष्टि कोण

इथेनॉल : भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आगे

नीट परीक्षा लीक के बाद आज मीडिया में सबसे बड़ा मुद्दा ई-20 यानी इथेनॉल ब्लैंडिंग पेट्रोल बना हुआ है। सरकार को इस बात पर घेरा जा रहा है कि वो लोगों पर इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल थोप रही है, जिससे उनकी माईलेज भी घट रही है और गाडियों के इंजन भी खराब हो रहे हैं। भारत में इथेनॉल ब्लेंडिंग का सफर 2001 में शुरू हुआ। इससे पहले, गहन चर्चा हो रही थी कि भारत अपने जैव संसाधनों का इस्तेमाल करके भले ही पूरी तरह से नहीं, तो कम से कम आंशिक रूप से, ऊर्जा सुरक्षा कैसे हासिल कर सकता है। इसमें सिर्फ इथेनॉल ही नहीं, बल्कि बंजर भूमि पर उगाए जाने वाले जेट्रोफा, पोंगामिया (करंज) जैसी फसलों से बनने वाले दूसरे बायो-ईंधन भी शामिल थे, जिनका इस्तेमाल विकल्प के तौर पर किया जा सकता था। हालांकि, इन बायो-ईंधन का कुछ हद तक इस्तेमाल 2001 से पहले ही शुरू हो गया था, लेकिन पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग की पहली आधिकारिक घोषणा तत्कालीन पेट्रोलियम मंत्री राम नाइक द्वारा 2001 में स्वदेशी जागरण मंच के थिंक टैंक सीबीएमडी द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में की गई थी। यह कहा गया कि इससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी और सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद कीमती विदेशी मुद्रा की भारी बचत होगी।

तत्कालीन यूपीए सरकार के कार्यकाल में 2006 में पेट्रोल में 5 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई-5) का कार्यक्रम 20 राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेशों तक विस्तारित किया गया। इसका अर्थ यह नहीं था कि इथेनॉल मिश्रण की अधिकतम सीमा 5 प्रतिशत पर स्थायी रूप से तय कर दी गई थी। यह कई सालों तक ऐसे ही चलता रहा, जब तक कि इस ब्लेंडिंग में इथेनॉल का अनुपात बढ़ाने का फैसला नहीं किया गया। भारत में पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण की यात्रा धीरे-धीरे आगे बढ़ी। शुरुआती दौर में 5 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य रखा गया। 2018 में 10 प्रतिशत ब्लैंडिंग का लक्ष्य 2022 तक हासिल करने का निर्धारण किया गया, जिसे सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने जून 2022 में निर्धारित समय से

पांच महीने पहले ही प्राप्त कर लिया। इसके बाद यह ब्लैंडिंग बढक़र 2022-23 में 12.06 प्रतिशत और 2023-24 में 14.60 प्रतिशत हो गई। 2024-25 में यह लगभग 19 प्रतिशत तक पहुंच गई। अंततः 2025-26 में भारत ने 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लैंडिंग का लक्ष्य हासिल कर लिया, मूल 2030 के लक्ष्य से पांच वर्ष पहले। शायद इथेनॉल ब्लैंडिंग का अनुपात जल्दी से 20 प्रतिशत तक बढ़ाने की मुख्य वजह कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और अमरीका-ईरान युद्ध तथा उसके बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी के कारण सप्लाई में रुकावट थी। कार्बन उत्सर्जन : 2001 में जब पहली बार इथेनॉल ब्लेंडिंग के बारे में सोचा गया था, तो मुख्य जोर ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता पर था, कार्बन उत्सर्जन कम करने पर उतना जोर नहीं था। लेकिन, नीति निर्माताओं के मन में यह बात जरूर थी कि इथेनॉल ब्लेंडिंग से पेट्रोलियम उत्पादों के कारण होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम करने में भी मदद मिल सकती है। लेकिन, जैसे-जैसे समय बीतता गया, ग्लोबल वार्मिंग और कार्बन उत्सर्जन को लेकर चिंता बढ़ती गई। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लगातार बढ़ता तापमान निश्चित रूप से जीवाश्म ईंधन को जलाने और दूसरी औद्योगिक गतिविधियों से जुड़ा है। हाल के समय में, पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग को ध्यान में रखते हुए जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल कम करने के लिए कई कोशिशें हुई हैं। जानकारों का मानना है कि इथेनॉल ब्लेंडिंग के कारण भी जीवश्म ईंधन का उपयोग कम होगा और इसे कार्बन उत्सर्जन भी घटेगा। हाल ही में, सरकार के पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाकर बेचने के फैसले पर काफी विवाद हुआ है। सबसे पहले, सरकार पर आरोप लग रहा है कि वह बिना ठीक से जांच-पड़ताल किए मिलावटी पेट्रोल इस्तेमाल करने के लिए मजबूर कर रही है जिससे वाहनों को नुकसान पहुंच रहा है और आम जनता के वाहन खराब होने का खतरा बढ़ रहा है। एक और आपत्ति यह है कि चूंकि इथेनॉल एक सस्ता घटक है और इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल बनाने की लागत कम आती है, फिर भी सरकार कंपनियों से यह नहीं कह रही है कि वे इसका फायदा ग्राहकों तक पहुंचाएं। इथेनॉल मिलाने के खिलाफ तीसरी आपत्ति यह है कि इससे गाडियों का माइलेज कम हो जाता है, हालांकि अधिकारी मानते हैं कि माइलेज 2 से 6 प्रतिशत तक कम हो सकता है, लेकिन आलोचकों का मानना है कि माइलेज में कम से कम 10 से 15 प्रतिशत की कमी आती है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव : अंतरराष्ट्रीय अनुभव से पता चलता है कि कई देश पहले से ही इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल का इस्तेमाल कर रहे हैं।

चोट के कारण हैम्पशायर के अगले मैच से बाहर हुए आशुतोष शर्मा

लंदन

भारतीय आलराउंडर आशुतोष शर्मा चोट के कारण हैम्पशायर के लिए डर्बीशायर के खिलाफ होने वाले वनडे कप मुकाबले में नहीं खेल पाएंगे। आशुतोष को मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। हालांकि, हैम्पशायर ने उनकी चोट की प्रकृति और गंभीरता के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

हैम्पशायर ने जानकारी में आशुतोष की अनुपलब्धता की पुष्टि की। टीम ने कहा, आशुतोष शर्मा मैच के दौरान लगी चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। प्रतियोगिता के शुरुआती तीन मैचों में खेलने वाले तेज गेंदबाज हैरी पेट्री की टीम में वापसी हुई है।

वनडे कप में आशुतोष का बल्ले से प्रदर्शन इस सत्र में उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। उन्होंने सात मैचों में सिर्फ 56 रन बनाए हैं और उनका सर्वोच्च स्कोर 16 रन रहा है। हालांकि, गेंद से उन्होंने शानदार प्रभाव छोड़ा है और वह हैम्पशायर के इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। आशुतोष ने सात मैचों में 14 विकेट लिए हैं। उनका गेंदबाजी औसत 15.92 रहा है।

बल्लेबाजी में संघर्ष के बावजूद गेंद से उनके प्रदर्शन को टीम के लिए बड़ा सकारात्मक पक्ष माना जा रहा है।

आशुतोष की चोट ऐसे समय आई है जब हैम्पशायर के लिए प्रतियोगिता का अगला चरण हासिल करना महत्वपूर्ण है। टीम सात मुकाबलों में चार जीत के साथ अपने ग्रुप में चौथे स्थान पर है और अगले दौर में जगह बनाने के लिए उसे आगे के मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आशुतोष की जगह हैरी पेट्री को टीम में शामिल किया गया है। पेट्री ने प्रतियोगिता के शुरुआती तीन मैचों में हैम्पशायर का प्रतिनिधित्व किया था।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि आशुतोष की चोट कितनी गंभीर है और क्या वह मुकाबले के बाद होने वाले अन्य मैचों के लिए भी उपलब्ध रह पाएंगे। आशुतोष दिल्ली कैपिटल्स के लिए आईपीएल में खेलते हैं। पिछले दो आईपीएल सत्रों में उन्होंने दिल्ली के लिए 350 से अधिक रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट करीब 170 और बल्लेबाजी औसत 31.25 रहा है।

आशुतोष ने 2017 में मध्य प्रदेश के साथ अपना घरेलू क्रिकेट करियर शुरू किया था और बाद में रेलवे से जुड़े।

उन्होंने अब तक सभी प्रारूपों में 92 मैच खेले हैं। 50 ओवर के प्रारूप में 21 लिस्ट-ए मैचों में उनके नाम 458 रन और दो विकेट हैं।

आईपीएल में उन्हें पहली पहचान पंजाब किंग्स के साथ मिली, जहां उन्होंने इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में पदार्पण करते हुए 17 गेंदों में 31 रन की तेज पारी खेली थी। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने 2025 सत्र से पहले उन्हें 3.80 करोड़ रुपये में खरीदा था।

न्यूज ब्रीफ

आर्यन गौर ने दूसरे छोर पर निभाई अहम भूमिका : अनुज रावत

नई दिल्ली। कप्तान अनुज रावत की 92 रन की तूफानी पारी और आर्यन गौर के नाबाद अर्धशतक की बदौलत

पुरानी दिल्ली 6 ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में आउटर दिल्ली वारियर्स को सात विकेट से हराया। जीत के बाद रावत ने अपनी पारी और आर्यन गौर के साथ साझेदारी को टीम की सफलता में अहम बताया। 166 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पुरानी दिल्ली 6 ने नौ रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद रावत ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला, जबकि गौर ने दूसरे छोर पर उनका शानदार साथ दिया। रावत ने कहा, विकेट थोड़ा धीमा था, इसलिए योजना सामान्य तरीके से खेलने और कुछ अतिरिक्त करने की कोशिश नहीं करने की थी। हालांकि, जब बाएं हाथ के स्पिनर ने गेंदबाजी शुरू की और हमने शुरुआती दो विकेट गंवा दिए, तो मुझे लगा कि टीम के लिए आगे आकर प्रभावशाली पारी खेलना जरूरी है। गौर के साथ साझेदारी पर उन्होंने कहा, जब मैंने एक अच्छा शाट लगाया तो लय बननी शुरू हो गई और आर्यन ने भी दूसरे छोर पर बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रावत ने महज 38 गेंदों में 92 रन बनाए, जबकि आर्यन गौर ने 40 गेंदों में नाबाद 57 रन की पारी खेली। दोनों ने मिलकर पुरानी दिल्ली 6 को मजबूत स्थिति में पहुंचाया और टीम ने 16वें ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

सरफराज की जगह जय गोहिल दलीप ट्राफी के लिए वेस्ट जोन टीम में शामिल

मुम्बई। बल्लेबाज सरफराज खान को भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किये जाने से 25 साल के युवा बल्लेबाज जय गोहिल की भी किस्मत खुल गयी है। इस कारण जय को दिलीप ट्राफी के लिए वेस्ट जोन टीम में जगह मिल गयी है। सरफराज को चोटिल साई सुदर्शन के स्थान पर टीम में जगह मिली है। इससे घरेल क्रिकेट में दलीप ट्राफी में वेस्ट जोन की टीम में उनकी जगह खाली हो गई थी। जो अब जय को मिल गयी है। गौरतलब है कि सौराष्ट्र के बल्लेबाज जय गोहिल के पहले वेस्ट जोन टीम में स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर शामिल किया गय था। वहीं अब उन्हें अब मुख्य दल में शामिल कर लिया गया है। इससे गोहिल के पास अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का एक अच्छा अवसर है। गौरतलब है कि गोहिल ने हाल ही में साल 2022-23 रणजी ट्राफी सत्र में सौराष्ट्र की ओर से छह मैचों में 58.11 के बेहतरीन औसत से कुल 523 रन बनाए थे, जिसमें एक शानदार शतक और चार अर्धशतक शामिल थे। उनके इस प्रदर्शन से चयनकर्ताओं ने दलीप ट्राफी में उन्हें जगह दी है। अपने फर्स्ट-क्लास करियर में भी गोहिल ने लगातार रन बनाए हैं। अब तक खेले गए कुल 12 मैचों में, उन्होंने 47.77 के औसत से 860 रन बनाये हैं, इससे उनकी उनकी बड़ी पारियां खेलने की क्षमता सामने आयी है।

टी20 विकेटकीपरों में डी काक के नाम है सबसे ज्यादा शिकार

मुम्बई। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक विकेटकीपर हुए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी काक, से

लेकर भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और इंग्लैंड के जोस बटलर हैं। वहीं अगर टी20 प्रारुप की बात करें तो डी काक टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज़्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की सूची में नंबर एक पर हैं। वही इंग्लैंड के बटलर दूसरे और धोनी तीसरे स्थान पर हैं। डी काक ने अपने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर (2012-2026) में 110 मैचों की 109 पारियों में विकेटकीपिंग करते हुए कुल 117 शिकार किए हैं, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। इनमें 98 कैच और 19 स्टंपिंग शामिल हैं। उनकी प्रति पारी 1.073 शिकार की औसत और एक पारी में अधिकतम चार कैच लपकने की क्षमता उनकी फुर्ती का प्रमाण है, जिसने दक्षिण अफ्रीकी टीम को कई बार जीत मिली। वहीं इंग्लैंड के बटलर दूसरे स्थान पर हैं। साल 2011 से 2026 तक के अपने लंबे टी-20 करियर में, बटलर ने 130 पारियों में विकेटकीपर के रूप में 109 शिकार किए हैं, जिनमें 87 कैच और 22 स्टंपिंग शामिल हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.838 रहा है, जो उनकी निरंतरता को दिखाता है। एक पारी में अधिकतम पांच शिकार (चार कैच और एक स्टंपिंग) उनके नाम है। वहीं भारत के धोनी ने साल 2006 से 2019 के बीच 97 पारियों में 91 शिकार किए और इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, उनका सबसे बड़ा प्रभाव 34 स्टंपिंग के विश्व रिकार्ड में दिखता है, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। 57 कैच के साथ, तेजी से स्टंपिंग करने में उनका कोई जवाब नहीं था। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.938 रहा और उन्होंने एक पारी में अधिकतम पांच कैच भी लपके थे।

हाकी विश्व कप में भारतीय टीम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार

15 अगस्त को पहले मुकाबले में वेल्स से होगा सामना

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष हाकी टीम 15 अगस्त से बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हाकी पुरुष विश्व कप 2026 में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार है। भारत को विश्व कप में पूल डी में रखा गया है और उसका पहला मुकाबला 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ होगा। इसके बाद 17 अगस्त को उसे इंग्लैंड और 19 अगस्त को परंपरागत-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से खेलना है। भारतीय टीम इस बार 51 साल बाद हाकी विश्व कप का खिताब अपने जीतने के प्रयास करेगी। इससे पहले उसने साल 1975 में ये खिताब अजीत सिंह की कप्तानी में जीता था। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए भारतीय हाकी फेडरेशन ने कई युवा और उभरते हुए खिलाड़ियों को शामिल किया है।

टीम में शामिल गोलकीपर मोहित एचएस, डिफेंडर यशदीप सिवाच और मिडफील्डर राजिंदर सिंह व आदित्य अर्जुन लालगे जैसे खिलाड़ियों से टीम को बड़ी उम्मीदें हैं। इन्होंने अपने हाल के प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का भरोसा जीता है और अब विश्व मंच पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। टीम में शामिल होने वाले 23 वर्षीय मिडफील्डर आदित्य अर्जुन लालगे विश्वकप में लेकर बेहद उत्साहित हैं। उनका ध्यान देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर है। आदित्य ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों और कोचों के निरंतर मार्गदर्शन से उनका मनोबल बढ़त है। उनकी पूरी टीम एक ही लक्ष्य के साथ कड़ी मेहनत कर रही है। वहीं मध्यपंक्ति के साथी खिलाड़ी राजिंदर सिंह ने टीम की एकजुटता को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताया। उनके अनुसार, खिलाड़ी मैदान के अंदर और बाहर एक-दूसरे का पूरा साथ देते हैं और किसी भी गलती पर तत्काल सहायता के लिए तैयार रहते हैं। दूसरी ओर डिफेंडर यशदीप सिवाच ने बताया कि विश्व कप की तैयारियां बेहद गहन और कड़ी रही हैं। फिटनेस, तकनीकी कौशल और रणनीतिक बारीकियों के हर पहलू पर बारीकी से काम किया गया है। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह और अमित रोहिदास जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से मिले मार्गदर्शन को अपने खेल के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में होगी ऋषभ की कड़ी परीक्षा, असफल रहे तो खतरे में पड़ जाएगा भविष्य

कोलंबो। खराब फार्म से गुजर रहे भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिए श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज बेहद अहम है। टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए उन्हें इस सीरीज में अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करना होगा। सीरीज से पहले तीन दिवसीय अभ्यास मैच में वह फिर रन बनाने में असफल रहे जिससे उनके प्रशंसकों के साथ ही टीम प्रबंधनर की भी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। पिछले कुछ समय से वह मैदान पर लापरवाही से खराब शाट लगाने के कारण आउट हो रहे हैं। इससे उनके खेल के प्रति रवैये पर भी सवाल उठने लगे हैं। साथ ही उनका भविष्य भी खतरे में नजर आ रहा है। वह अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पा रहे। जिसका कारण उनके लापरवाही भरे शाट हैं। अभ्यास मैच में भी उन्होंने यही गलती दोहरायी। वह दोनों पारियों में विफल रहे। पहली पारी में वह मात्र 2 रन जबकि दूसरी पारी में केवल 28 रन बना पाये। इन दोनों ही पारियों में पंत का बल्लेबाजी करने का तरीका बेहद लापरवाह और गैर-जिम्मेदाराना लगा। उन्होंने ऐसे शाट खेलने की कोशिश की मानो वह किसी गली क्रिकेट मैच में खेल रहे हों। वह कभी बाहर जाती गेंद को पैर से मारकर तो कभी गैरजरी शाट खेलकर अपना विकेट खोते दिखे। उनका यह रवैया दर्शाता है कि वह अपनी बल्लेबाजी को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जबकि टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए यह बेहद आवश्यक है। वैसे तो वह अपने अनूठे और जोखिम भरे शाट्स के लिए जाने जाते हैं पर लगातार मिल रही असफलताओं के बीच उन्हें अपने खेल पर फिर से ध्यान केंद्रित करने की सख्त जरूरत है। यह लापरवाही केवल अभ्यास मैच तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके पूरे करियर पर भारी पड़ रही है, खासकर जब टीम इंडिया में उनकी जगह लेने के लिए ध्रुव जुरेल और ईशान किशन जैसे युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार बैठे हैं, जो मौके का इंतजार कर रहे हैं। यदि वह इसी तरह खेलते रहे तो तो टीम से बाहर होना तय है।

भारत के लाल सूरज कुमार चंद ने जीता फीसू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी स्क्वैश चैंपियनशिप

जीत के बाद गजब अंदाज में किया सेलिब्रेट

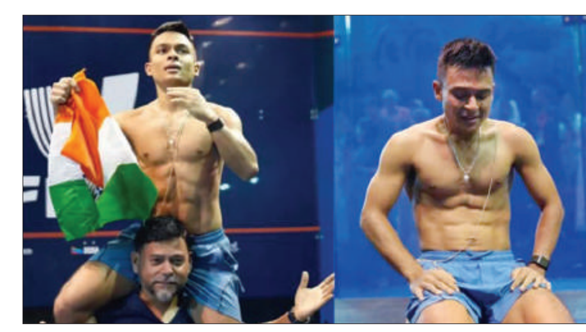

मुंबई। सोमैया विद्याविहार यूनिवर्सिटी और भारत की तरफ से खेल रहे सूरज कुमार चंद ने मुंबई में हुई 2026 एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी स्क्वैश चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। घरेलू दर्शकों के बीच सूरज ने पुरुषों के रोमांचक फाइनल मैच में हंगरी के बेनेदेक ताकाच को 3-2 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 4 मैच के बाद जब दोनों खिलाड़ी 2-2 की बराबरी पर थे, तब सूरज ने आखिरी मैच में शानदार खेल दिखाते हुए 11-4 से जीत दर्ज की।

सूरज का शानदार खेल और ऐतिहासिक जीत

इस टूर्नामेंट में सूरज का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने सेमीफाइनल में भी फ्रांस के खिलाड़ी के खिलाफ पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। इस ऐतिहासिक जीत के बाद सूरज ने कहा,अपने देश में और अपने लोगों के सामने जीतना एक सपने जैसा है। वहीं दूसरे स्थान पर रहे बेनेदेक ताकाच को सिल्वर मेडल मिला, जिससे हंगरी को 20 साल बाद कोई इंटरनेशनल स्क्वैश मेडल मिला है।

महिला वर्ग के फाइनल में स्पेन की मार्ता डोमिंगुएज फर्नांडीज ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए गोल्ड मेडल जीता। मार्ता ने एकतरफा मैच में हांगकांग चीन की चिंग हेई फंग को सीधे मैचों में 3-0 से हरा दिया। मार्ता के लिए यह जीत बहुत खास रही क्योंकि उन्होंने यह खिताब अपने पिता के जन्मदिन पर जीता।

इस टूर्नामेंट का आयोजन सोमैया विद्याविहार यूनिवर्सिटी ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज और स्क्वैश रैकेट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर किया। इसमें 14 देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अब इस चैंपियनशिप में टीमों के बीच मुकाबले शुरू हो रहे हैं।

यूरोपीय एथलेटिक्स में महिलाओं की 100 मीटर स्पर्धा

यूरोपीय एथलेटिक्स में महिलाओं की 100 मीटर स्पर्धा में ब्रिटेन की एथलीट एमी हंट ने स्वर्ण पदक जीता।

कामनवेल्थ के तीन पदक विजेता केबीसी में आएंगे नजर

नई दिल्ली

कामनवेल्थ गेम्स 2026 में देश के लिए पदक जीतने वाले पैरा एथलीट शर्मिला धनकर, बाक्सर लवलीना बोरगोहेन और पैरा-पावरलिफ्टर झंडू कुमार जल्द ही लोकप्रिय क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) में नजर आएंगे। तीनों खिलाड़ियों को शो के मंच पर महानायक अमिताभ बच्चन के सामने हाट सीट पर बैठने का मौका मिलेगा। आईएएनएस के मुताबिक, ग्लासगो कामनवेल्थ गेम्स 2026 के पदक विजेताओं पर आधारित विशेष एपिसोड 15 अगस्त के बाद प्रसारित किए जाने की उम्मीद है। इस दौरान तीनों खिलाड़ी अपनी खेल उपलब्धियों के साथ-साथ संघर्ष और सफलता की कहानी भी दर्शकों के साथ साझा करेंगे।

घरेलू हिंसा से कामनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण तक शर्मिला का सफर

पैरा एथलीट शर्मिला धनकर ने कामनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं के एफ57 शाट पुट इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। उनकी जिंदगी का संघर्ष और खेल के क्षेत्र में हासिल की गई सफलता उन्हें खासकर महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनाती है। घरेलू हिंसा से बचकर अपने जीवन को नई दिशा देने से लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने तक शर्मिला का सफर बेहद प्रेरणादायी रहा है। केबीसी के मंच पर उनकी कहानी दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र हो सकती है।

लवलीना ने बाक्सिंग में जीता रजत

भारतीय बाक्सर लवलीना बोरगोहेन ने कामनवेल्थ गेम्स 2026 में महिलाओं की 75 किग्रा कैटेगरी में रजत पदक अपने नाम किया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकीं लवलीना खेलों में अपनी निरंतर सफलता के लिए जानी जाती हैं। केबीसी के विशेष एपिसोड में वह अपने बाक्सिंग करियर, चुनौतियों और कामनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने के अनुभवों को साझा करती नजर आएंगी।

झंडू कुमार ने दिलाया भारत को पहला पदक

पैरा-पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुषों के हैवीवेट इवेंट में कांस्य पदक जीतकर कामनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए पहला पदक हासिल किया था। उन्होंने 190 किग्रा की अपनी सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट के साथ 130.9 अंक हासिल किए थे। झंडू की उपलब्धि ने पैरा-स्पोर्ट्स में भारत की बढ़ती ताकत को भी सामने रखा। केबीसी के मंच पर वह अपने खेल सफर और संघर्ष की कहानी अमिताभ बच्चन के साथ साझा करेंगे।

39 पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा भारत

ग्लासगो में आयोजित कामनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय दल ने कुल 39 पदक जीते और पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा। इनमें 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक शामिल रहे। कुश्ती, शूटिंग और हाकी जैसे भारत के मजबूत खेलों के शामिल नहीं होने के बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। खास तौर पर एथलेटिक्स में प्रदर्शन ने देश के लिए बेहतर भविष्य की उम्मीद जगाई।

अल्काराज के बाद सिनर भी सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से हटे

रोम

स्पेन के कार्लोस अल्काराज के बाद विश्व के नंबर एक खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर ने भी फिट नहीं होने के कारण सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। पांच बार के ग्रैंड स्लैम विजेता सिनर अभी तक अपनी घटने की चोट से नहीं उबर पाये हैं। इससे सिनर के प्रशंसकों को झटका लगा है। सिनर गत माह विंबलडन में मिली जीत के बाद से ही टीम से बाहर हैं। वहीं अल्कराज ने कलाई की चोट के कारण अपना नाम वापस ले लिया था। सिनसिनाटी ओपन में पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले शनिवार से शुरु होने जा रहे हैं। जिनका आकर्षण इन दोनो के नहीं होने से कम होगा। सिनर ने कहा है कि दाहिने घुटने में दर्द के कारण अभी वह खेलने की हालत में नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, अपने डाक्टरों से परामर्श करने के बाद, मैंने सिनसिनाटी में होने वाले मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। मेरे दाहिने घुटने में दर्द है और मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं।

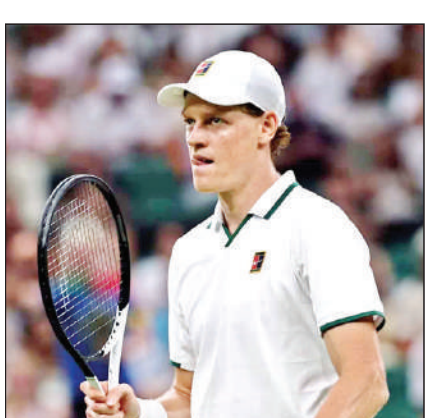

गौरतलब है कि सिनर ने इससे पहले टोरंटो में होने वाले टूर्नामेंट से भी अपना नाम वापस ले लिया था। इस प्रकार से बाहर रहने से आगामी अमेरिकी ओपन जैसे बड़े टूर्नामेंटों में उनकी तैयारियों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। अपने अब तक के करियर में, सिनर ने पांच ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं और अभी वह पुरुष टेनिस रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरा हैं। वह लगातार बड़े टूर्नामेंटों में असाधारण प्रदर्शन करते आए हैं और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में उनकी गिनती होती है। हालांकि, करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए उन्हें अभी फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है। आस्ट्रेलियन ओपन, विंबलडन और अन्य ग्रैंड स्लैम में सफलता हासिल करने के बाद, फ्रेंच ओपन उनके करियर का अगला बड़ा लक्ष्य बना हुआ है, और प्रशंसक उन्हें इसमें जीतते हुए देखना चाहते हैं। सिनर से पहले अल्काराज ने भी कलाई की चोट के कारण इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया था।

प्रशंसकों को उम्मीद, वैभव तोड़ सकते हैं लारा का 400 रनों का रिकार्ड

मुम्बई। 15 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जिस प्रकार से अब तक खेला है। इससे उनके प्रशंसकों की उम्मीदें भी बढ़ती जा रही हैं। अब प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा का 400 रनों का विश्व रिकार्ड तोड़ सकते हैं। वैभव ने हालांकि अभी तक भारतीय टीम से केवल टी20 प्रारुप में ही खेला है पर जिस प्रकार की प्रतिभा उनमें पायी गयी है उससे तय है कि भविष्य में कई रिकार्ड तोड़ सकते हैं। उनकी प्रतिभा को देखते हुए टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुपफार्मेट में भी उनके डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब वैभव लाल गेंद से खेली जाने वाली प्रतिष्ठित घरेलू प्रतियोगिता दिलीप ट्राफी में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव का कहन है कि व भारतीय टीम के लिए टेस्ट प्रारुप में खेलना चाहते हैं और उसी दिशा में प्रयास कर रहे हैं। वैभव के लिए हालांकि स्ट क्रिकेट में अपनरे को स्थापित करना इतना भी आसान नहीं होगा, क्योंकि यह प्रारूप संयम और धैर्य की कसौटी होता है। वैभव अभी तक जिस भी सीमित ओवरों के टूर्नामेंट में उतरे हैं, उन्होंने कोई न कोई रिकार्ड बनाया या तोड़ा है. ऐसे में अगर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका मिलता है, तो उनके निशाने पर लारा का वह ऐतिहासिक रिकार्ड होगा। इस रिकार्ड को तोड़ने के इस ऐतिहासिक उपलब्धि को तोड़ने के लिए भारतीय टीम के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी कई बार प्रयास किए, लेकिन वे कभी इसमें सफल नहीं हो पाए। वहीं क्रिकेट दिग्गजों का मानना है कि वैभव में वह असाधारण प्रतिभा है, जो लारा के टेस्ट क्रिकेट के इस सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर के रिकार्ड को ध्वस्त कर सकती है।

अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा ने बोनालू जुलूस का किया भव्य स्वागत

20 वर्षों की सेवा परंपरा जारी, श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं शीतल जल का वितरण

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा की ओर से पिछले 20 वर्षों से जारी सेवा परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी पुराने शहर के प्रसिद्ध बोनालू जुलूस के अवसर पर रेखा ज्वेलर्स के सामने भव्य स्वागत मंच बनाया गया। यहां माताजी के घटों का श्रद्धापूर्वक स्वागत करने के साथ श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं शीतल जल वितरण सेवा आयोजित की गई।

शाखा के मानद मंत्री पवन डोकानिया द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जुलूस में शामिल भक्तों एवं श्रद्धालुओं के लिए लगातार सायं 4 बजे से रात 9 बजे तक प्रसाद एवं शीतल जल का वितरण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा श्री अग्रसेनजी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद एवं शीतल जल वितरण का सिलसिला जारी रहा।

कार्यक्रम संयोजक प्रेम अग्रवाल ने बताया कि श्री अकन्ना मादन्ना देवालयम् की ओर से हाथी लक्ष्मी पर पधारे माताजी के घट का अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक स्वागत किया।

कार्यक्रम में हिंदू वाहिनी तेलंगाना के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता अशोक सैन का विशेष सम्मान किया गया। इसके अलावा भाजपा शालीबंडा डिवीजन अध्यक्ष नागराजू, जी. निरंजन, सदानंद यादव, श्याम तपाड़िया, नरेश सहित अन्य गणमान्य अतिथियों का भी सम्मान किया गया।

शाखाध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले राम मित्तल, प्यारे लाल गुप्ता, राजेश अग्रवाल (मच्छरदानीवाले), गुलजारिलाल तिबरेवाल, नवल किशोर गोयल, संजय अग्रवाल, ईशांत अग्रवाल एवं योगेश अग्रवाल का विशेष आभार व्यक्त किया।

उन्होंने सभी सेवा कार्यकर्ताओं, कमेटी सदस्यों एवं प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद करते हुए कहा कि अग्रवाल समाज शालीबंडा शाखा भविष्य में भी सेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित करती रहेगी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखाध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, मानद मंत्री पवन डोकानिया, संयुक्त मंत्री नवनीत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष उमेश अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य पंकज गोयनका, पूर्व अध्यक्ष महावीर प्रसाद डोकानिया, केंद्रीय समिति द्वारा मनोनीत सदस्य एवं कार्यक्रम संयोजक प्रेम अग्रवाल, मिठूलाल अग्रवाल, राजू भाई चाटवाले, नवल किशोर बंसल, आनंद संघी, हरिकिशन अग्रवाल, विजय अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, पवन गोयल, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, कमल नयन अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, नमन कुमार अग्रवाल एवं मोहक बंसल सहित अनेक सदस्यों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

शालीबंडा महिला शाखा की अध्यक्ष प्रतिमा अग्रवाल, मंत्री शीतल बंसल, संयुक्त मंत्री रेनू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष लीना अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रियंका डोकानिया, संगीता अग्रवाल, धर्मीबाई डोकानिया, रीना संघी, अंबिका अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, ईशांकी बंसल, अविका अग्रवाल, निर्वी एवं नित्य अग्रवाल सहित महिला शाखा की अनेक सदस्यों ने भी सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों के सामूहिक प्रयास से बोनालू जुलूस स्वागत मंच, प्रसाद एवं शीतल जल वितरण कार्यक्रम भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर ने किया भारत-स्पेन ग्रासरूट फुटबॉल कार्यक्रम की जर्सी का अनावरण

हैदराबाद । तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लिए ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर महामहिम गेरेथ विन ओ-वेन ने मंगलवार को हैदराबाद के ताज डेकन में आयोजित एक समारोह के दौरान आगामी भारत-स्पेन अंतरराष्ट्रीय ग्रासरूट फुटबॉल विकास कार्यक्रम की आधिकारिक जर्सी का अनावरण किया। इस अवसर पर महामहिम गेरेथ विन ओवेन के साथ स्पोर्ट्स विलेज के सीईओ मोहम्मद शम्स-उद्दीन तथा स्पोर्ट्स विलेज एवं सिल्वर स्टोन स्पोर्ट्स एकेडमी के निदेशक मोहम्मद नुमान शम्सुद्दीन भी उपस्थित रहे। यह अंतरराष्ट्रीय पहल भारत में ग्रासरूट फुटबॉल विकास को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है, जिसमें विशेष रूप से अंडर-14 आयु वर्ग के युवा एथलीटों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह कार्यक्रम युवा फुटबॉल खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त स्पैनिश फुटबॉल विकास पद्धति पर आधारित पेशेवर कोचिंग और प्रशिक्षण प्रदान करेगा।इस पहल के तहत, स्पेन के प्रतिभाशाली युवा फुटबॉलर अर्तुरो पेरेज़ गार्सिया अक्टूबर 2026 के तीसरे सप्ताह से दो सप्ताह के लिए हैदराबाद के दौरे पर रहेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, वह युवा एथलीटों के लिए फुटबॉल प्रशिक्षण सत्र, कोचिंग क्लिनिक, सेमिनार और प्रेरक कार्यक्रमों का संचालन करेंगे।इसके अलावा, इस कार्यक्रम में प्रतिभा की पहचान और खिलाड़ियों का मूल्यांकन (टैलेंट आइडेंटिफिकेशन एंड प्लेयर असेसमेंट) भी शामिल होगा। इससे होनहार युवा फुटबॉलरों को एक उन्नत विकास पथ के लिए शॉर्टलिस्ट होने और भविष्य में स्पेन में प्रशिक्षण एवं फुटबॉल एक्सपोज़र प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।प्रशिक्षण सत्र हैदराबाद भर के अंतरराष्ट्रीय स्कूलों, सरकारी स्कूलों और फुटबॉल क्लबों के सहयोग से आयोजित किए जाएंगे, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि विविध पृष्ठभूमि के युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल विकास पद्धतियों का लाभ उठा सकें।यह कार्यक्रम तकनीकी कौशल, फुटबॉल इंटेलिजेंस, अनुशासन, टीम वर्क, खिलाड़ी विकास, प्रतिभा पहचान और प्रेरणादायक शिक्षण पर केंद्रित रहेगा।

सुनीता अग्रवाल ने कहा शिवरात्रि हमें त्याग तपस्या और सेवा का संदेश देती है

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सावन मास की शिवरात्रि के पावन अवसर पर नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा और मानवता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनीता अग्रवाल ने कहा कि सावन मास की शिवरात्रि हमें भगवान शिव के जीवन और उनके आदर्शों से बहुत कुछ सीखने का अवसर देती है। भगवान शिव त्याग, तपस्या, करुणा और समर्पण के प्रतीक हैं। शिव के बिना इस संसार की सृष्टि की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

उन्होंने कहा कि सच्ची शिवभक्ति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की सेवा करना और मानवता के प्रति समर्पित रहना भी भगवान शिव की आराधना का ही एक रूप है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान जैसे सेवा कार्य समाज में परोपकार और मानवता की भावना को मजबूत कर रहे हैं। ऐसे सेवा कार्यों से जरूरतमंदों को सहायता मिलने के साथ-साथ समाज के अन्य लोगों को भी सेवा के लिए प्रेरणा मिलती है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, कमल किशोर कुमावत, थैक्स कुमावत, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता एवं निशा गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

तेरापंथ भवन में दीक्षार्थिनी बहनों का अभिनंदन

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद के डी.वी. कॉलोनी स्थित तेरापंथ भवन में मुनि श्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में 20 सितंबर 2026 को लाडनूं में आचार्य श्री महाश्रमणजी से दीक्षा ग्रहण करने जा रही मां-बेटी सुमनदेवी नाहटा एवं मुमुक्षु भावना नाहटा का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

मुनि श्री दीप कुमारजी ने कहा कि जैन धर्म में दीक्षा का मूल उद्देश्य आत्म-सुरक्षा और आत्मकल्याण है। भौतिक युग में त्याग का मार्ग असाधारण निर्णय है, जिसके लिए दृढ़ मनोबल और संकल्प आवश्यक है। मुनि श्री काव्य कुमारजी ने मां-बेटी के एक साथ संयम पथ पर अग्रसर होने को प्रेरणादायी बताया।दीक्षार्थिनी भावना ने दीक्षा को बाहर से भीतर की यात्रा बताया, जबकि सुमनजी ने बचपन से चली आ रही भावना के साकार होने की बात कही। कार्यक्रम में तपस्या प्रत्याख्यान, गीत और विभिन्न संस्थाओं द्वारा अभिनंदन भी हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हर घर...

केंद्रीय गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहे थे।

'हर घर तिरंगा' अभियान को 'वंदे मातरम्' को समर्पित

9 अगस्त को मोदी ने नागरिकों से 'हर घर तिरंगा' आंदोलन में उत्साहपूर्वक भाग लेने और 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने के सामूहिक संकल्प को नवीनीकृत करने का आह्वान किया था।

उन्होंने कहा था कि तिरंगा भारत के गौरव का प्रतीक है और हर नागरिक के लिए राष्ट्र के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का निरंतर प्रेरणा स्रोत है।

मोदी ने इस बात पर खुशी भी जताई कि इस वर्ष का 'हर घर तिरंगा' अभियान 'वंदे मातरम्' को समर्पित है, क्योंकि राष्ट्र राष्ट्रगान की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है।

एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा था, हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और राष्ट्र के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने का निरंतर प्रेरणा स्रोत है। आइए, हम हरघरतिरंगा आंदोलन में उत्साहपूर्वक भाग लें और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के अपने सामूहिक संकल्प को नवीनीकृत करें। खुशी है कि इस वर्ष के प्रयास वंदे मातरम को समर्पित हैं और वह भी उस समय जब हम इसकी 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

10 और...

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि इनपुट लागत कम करने, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और रणनीतिक क्षेत्रों का समर्थन करने के उद्देश्य से सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में 2 फरवरी 2026 से कई वस्तुओं पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) का युक्तिकरण घोषित किया।

आवश्यक वस्तुओं में मूल्य दबाव नियंत्रित करने के अतिरिक्त उपायों में कच्चे पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर बीसीडी में कमी; मसूर पर कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर में कमी; तथा मार्च 2026 में पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 10 प्रति लीटर की कमी शामिल है।

अप्रत्यक्ष करों में सुधारों के अलावा, सरकार ने 12 लाख तक की वार्षिक आय (वेतनभोगी व्यक्तियों के लिए मानक कटौती के बाद 12.75 लाख) को आयकर से छूट देकर व्यक्तियों की डिस्पोजेबल आय बढ़ाई है।

इन उपायों ने घरेलू उपभोग को समर्थन दिया है, जैसा कि जीडीपी में निजी अंतिम उपभोग व्यय का हिस्सा 56.5-56.7 प्रतिशत (आधार वर्ष 2022-23) पर व्यापक रूप से स्थिर रहने से स्पष्ट है।

इसके अलावा, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम जीडीपी अनुमानों के अनुसार, प्रति व्यक्ति निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) ने 2025-26 में 6.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो 2023-24 में 4.8 प्रतिशत थी।

फिर भी, उन्होंने कहा कि सरकार देश में मूल्य स्थिति की निरंतर निगरानी करती है और विकसित होती आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार राजकोषीय, प्रशासनिक एवं आपूर्ति-पक्ष उपाय करती है, ताकि विशेष रूप से निम्न एवं मध्यम आय वाले परिवारों की क्रय शक्ति की रक्षा की जा सके।

तृषा डिप्टी...

इसके बाद उन्होंने आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि उन्होंने 'एक ही अर्थ' वाली टिप्पणी की थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि उनके बयान को 'काटो, नकल करो और चिपकाओ' के जरिए गलत तरीके से पेश किया गया।

विवाद ने फिर पकड़ा तूल

अभिनेत्री तृषा को लेकर लगातार सामने आ रही राजनीतिक टिप्पणियों ने तमिलनाडु की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। एक ओर जहां विपक्षी नेता सत्ता पक्ष और अभिनेता विजय से जुड़े लोगों की नियुक्तियों पर सवाल उठा रहे हैं, वहीं तृषा के प्रशंसक और टीवीके कार्यकर्ता कथित अपमानजनक टिप्पणियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

शिकायत के बाद बढ़ी सियासी हलचल

उदयकुमार के बयान का वीडियो सामने आने और उनके खिलाफ पुलिस शिकायत दर्ज होने के बाद राजनीतिक हलकों में भी हलचल बढ़ गई है। मामले को लेकर आने वाले दिनों में बयानबाजी और तेज होने की संभावना है।

पान मसाला ...

जिनके लिए पैकेजिंग सामग्री से संबंधित विशेष नियम और सुझाव निर्धारित किए जाते हैं।

पान मसाला और गुटखा की बिक्री पर प्रतिबंध नहीं

नए नियमों को लेकर यह स्पष्ट किया गया है कि भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने पान मसाला या गुटखा की बिक्री पर कोई नया प्रतिबंध नहीं लगाया है। अधिसूचना विशेष रूप से पैकेजिंग से जुड़े नियमों के संबंध में है। यानी बाजार में पान मसाला उत्पादों की बिक्री जारी रहेगी, लेकिन उनकी पैकेजिंग नए नियमों के अनुरूप करनी होगी।

नियम तोड़े तो होगी कड़ी कार्रवाई

यदि कोई कंपनी प्लास्टिक, सिंथेटिक पॉलिमर या एल्युमिनियम की परत वाली पैकेजिंग का इस्तेमाल जारी रखती है तो उसके खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत कार्रवाई की जा सकती है। इसमें भारी जुर्माने से लेकर उत्पादन पर रोक लगाने और कंपनी का लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई शामिल हो सकती है।

नए नियमों के कारण पान मसाला के दामों पर भी असर पड़ने की संभावना है। प्लास्टिक पाउच की तुलना में कागज, टिन या कांच की पैकेजिंग तैयार करना कंपनियों के लिए अधिक महंगा हो सकता है। पैकेजिंग की लागत बढ़ने पर कंपनियां इसका बोझ ग्राहकों पर डाल सकती हैं। ऐसे में आने वाले समय में पान मसाला के दाम बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

10 अगस्त से लागू हुए नए नियम

नए नियम 10 अगस्त 2026 को राजपत्र में प्रकाशित होने के साथ ही लागू हो गए हैं। कंपनियों को अब तत्काल अपनी पैकेजिंग व्यवस्था को नए नियमों के अनुरूप बदलना होगा।

हो गया खेल!

इनमें करीब 21.4 करोड़ यूरो के पेट्रोलियम उत्पाद यूरोपीय संघ के देशों को भेजे गए। करीब 18.4 करोड़ यूरो के उत्पाद ऑस्ट्रेलिया और करीब 23.4 करोड़ यूरो के उत्पाद अमेरिका भेजे गए।

रिपोर्ट का अनुमान है कि इन निर्यात किए गए उत्पादों में करीब 28.4 करोड़ यूरो मूल्य के परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए थे।

मामले को आसान भाषा में समझें तो कच्चा तेल रूस से भारत आया। भारतीय रिफाइनरियों में इस कच्चे तेल को परिष्कृत करके पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद तैयार किए गए। इसके बाद इन उत्पादों का एक हिस्सा यूरोपीय बाजारों और अमेरिका तक पहुंचा।

यानी रूसी कच्चे तेल से तैयार उत्पाद अप्रत्यक्ष रूप से पश्चिमी बाजारों में पहुंच रहे हैं। यही स्थिति अमेरिका और यूरोप की रूस संबंधी नीति पर सवाल खड़े कर रही है।

जामनगर रिफाइनरी से अमेरिका तक पहुंची खेप

इसी तरह गुजरात की जामनगर रिफाइनरी से भी अमेरिका को परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों की खेप भेजी गई। सीआरईए की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई से पहले के तीन महीनों में जामनगर रिफाइनरी के कच्चे माल का करीब 35 प्रतिशत हिस्सा रूसी कच्चे तेल से आया था।

इसका मतलब है कि भारत केवल रूस से कच्चा तेल खरीद ही नहीं रहा, बल्कि उस तेल को अपनी रिफाइनरियों में परिष्कृत कर पेट्रोलियम उत्पाद भी तैयार कर रहा है और इन उत्पादों का निर्यात दूसरे देशों में किया जा रहा है।

प्रतिबंधों के बीच पश्चिमी देशों के बाजारों तक पहुंच रहा रूसी तेल

भारत की रिफाइनरियों से तैयार किए गए ये पेट्रोलियम उत्पाद अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों के बाजारों तक पहुंच रहे हैं। सीधे तौर पर रूसी कच्चे तेल की खरीद नहीं होने के बावजूद, उससे तैयार परिष्कृत उत्पाद पश्चिमी देशों में इस्तेमाल हो रहे हैं।

यही वजह है कि अब सवाल उठ रहा है कि यदि अमेरिका और यूरोप रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शुल्क लगाने या आर्थिक कार्रवाई की चेतावनी दे रहे हैं, तो उन्हें पहले अपने बाजारों में रूसी कच्चे तेल से तैयार पेट्रोलियम उत्पादों की पहुंच पर भी स्पष्ट नीति बनानी होगी।

अमेरिका-यूरोप की नीति पर दोहरे मापदंड का सवाल

भारत का तर्क रहा है कि रूस से तेल खरीदना उसकी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों से जुड़ा फैसला है। दूसरी ओर, अमेरिका और यूरोपीय देश रूस पर दबाव बनाने के लिए उसके ऊर्जा क्षेत्र को निशाना बनाने की नीति पर आगे बढ़ रहे हैं।लेकिन यदि रूसी कच्चे तेल से भारत में तैयार पेट्रोलियम उत्पाद अमेरिका और यूरोप के बाजारों तक पहुंच रहे हैं, तो इससे पश्चिमी देशों की मौजूदा नीति पर सवाल उठना स्वाभाविक है। एक तरफ भारत को रूस से तेल खरीदने पर चेतावनी दी जा रही है और दूसरी तरफ उसी रूसी तेल से बने उत्पाद पश्चिमी बाजारों में पहुंच रहे हैं।रूस से तेल खरीद को लेकर भारत पर अमेरिकी दबाव बढ़ने के बीच यह मुद्दा आने वाले दिनों में और महत्वपूर्ण हो सकता है। यदि अमेरिका भारत जैसे देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की दिशा में आगे बढ़ता है, तो भारत की ओर से भी ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और राष्ट्रीय हितों को आधार बनाकर अपना पक्ष मजबूती से रखने की संभावना है।

सीमा के...

व्यापक द्विपक्षीय संबंधों को प्रतिबिंबित करेगी। भारत ने यही बात छह अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित भारत और चीन के सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय के लिए गठित कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 36वीं बैठक में भी कही थी। बैठक में दोनों पक्षों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति की समीक्षा की और मौजूदा कूटनीतिक एवं सैन्य माध्यमों के जरिए संबंधित मुद्दों को सुलझाने पर सहमति जताई।

कुछ दिन पहले अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी जिले के पुकार ला और ओल्लो इलाके के नागरिकों ने दावा किया था कि उन्होंने चीनी सैनिकों को भारतीय क्षेत्र में घुसते देखा। इन खबरों को लेकर क्षेत्र में हलचल मच गई थी। हालांकि, मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इन रिपोर्टों से इनकार करते हुए कहा था कि सीमा पर सेना तैनात है और वह क्षेत्र की सुरक्षा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा था कि वह सेना और स्थानीय संगठनों से बातचीत कर वास्तविक स्थिति की जानकारी लेंगे।

अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों और भौगोलिक विशेषताओं को मानक नामों से चिह्नित करने के भारत सरकार के फैसले पर चीन की ओर से जताई गई आपत्ति को भी विदेश मंत्रालय ने खारिज कर दिया।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। यह एक स्वयंसिद्ध तथ्य है और इस निर्विवाद वास्तविकता को कोई भी चीज बदल नहीं सकती।

चीन अरुणाचल प्रदेश को 'जांगनान' कहता है और इस क्षेत्र पर भारत की संप्रभुता को स्वीकार नहीं करता। भारत ने सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शे पर इन स्थानों को आधिकारिक रूप से चिह्नित किया है। इनमें ऐतिहासिक महत्व वाले दर्रे और स्मारक भी शामिल हैं। भारत के इस कदम को चीन की ओर से बार-बार स्थानों के नाम बदलने के प्रयासों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

'मक्का समझौते' पर भी भारत की नजर

विदेश मंत्रालय ने भारत, सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच हाल ही में हुए 'मक्का समझौते' को लेकर भी भारत का रुख स्पष्ट किया। मंत्रालय ने कहा कि भारत इस समझौते के संभावित प्रभावों की जांच राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और शांति के नजरिए से कर रहा है।

मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया में संघर्ष से जुड़ी घटनाओं पर बारीकी से नजर रख रहा है। जहां तक इस विशेष समझौते का सवाल है, भारत इसके प्रभावों का आकलन राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय स्थिरता और शांति के दृष्टिकोण से कर रहा है।

भारत के इस बयान से स्पष्ट है कि सरकार सीमा पर शांति और स्थिरता को भारत-चीन संबंधों की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण आधार मानती है। साथ ही, अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन के दावों पर भारत ने एक बार फिर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि राज्य भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।

दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में बदलते सामरिक समीकरणों के बीच भारत 'मक्का समझौते' के प्रभावों का राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिहाज से आकलन कर रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 12 अगस्त, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

चारमीनार से गूंजा नशामुक्ति का संदेश, अग्रवाल समाज की 'शपथ' पहल के तहत निकली विशाल जागरूकता रैली

'नशामुक्त युवा भारत' के संकल्प के साथ विद्यार्थियों ने निकाली रैली, पुलिस प्रशासन एवं सामाजिक संगठनों ने किया सहयोग

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाने, उनमें जागरूकता पैदा करने तथा 'नशामुक्त युवा भारत' का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से अग्रवाल समाज तेलंगाना की विशेष पहल 'शपथहमारा मिशन, हमारी जिम्मेदारी' के अंतर्गत चारमीनार से विशाल नशा-विरोधी जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन तेलंगाना सरकार, ईगल फोर्स तेलंगाना एवं अग्रवाल शिक्षा समिति के सहयोग से किया गया।

रैली में सेंट पॉल्स हाई-टेक हाई स्कूल, बेगम बाजार; शांतिनिकेतन हाई स्कूल, दूधबोली; आरएचवी कॉन्सेप्ट स्कूल; ब्रिलियंट ग्रामर हाई स्कूल सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, अभिभावकों, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

चारमीनार से शुरू हुई रैली, विद्यार्थियों ने दिया नशामुक्ति का संदेश

ऐतिहासिक चारमीनार से प्रारंभ हुई जागरूकता रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए अग्रवाल गर्ल्स हाई स्कूल पहुंची। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने नशा-विरोधी संदेशों, पोस्टरों एवं नारों के माध्यम से लोगों को नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा युवा पीढ़ी को सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य देने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पी. कृष्णमूर्ति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा अपने मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

उन्होंने अग्रवाल समाज तेलंगाना की पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज द्वारा उठाया गया यह कदम बेहद सराहनीय है। इससे प्रेरणा लेकर समाज के अन्य वर्गों एवं संस्थाओं को भी नशामुक्ति की दिशा में आगे आकर इस प्रकार के आयोजन करने चाहिए।

'युवाओं को नशे से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी'

अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने कहा कि नशीले पदार्थों का दुरुपयोग केवल किसी एक व्यक्ति को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि इससे परिवार, समाज और देश का भविष्य भी प्रभावित होता है। युवा पीढ़ी को नशे से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि जागरूकता, शिक्षा एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से ही युवाओं को नशे के खतरे से प्रभावी रूप से बचाया जा सकता है। 'शपथ' टीम के चेयरमैन रामनिवास बंसल ने समाज के सभी वर्गों से अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों, औद्योगिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, अभिभावकों, युवा समूहों एवं जिम्मेदार नागरिकों को 'शपथ' के साथ जुड़कर नशामुक्त युवा भारत के निर्माण में भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'शपथ' को केवल एक अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे व्यापक सामाजिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्कूल-कॉलेजों में चलेगा जागरूकता अभियान

'शपथ' के परियोजना निदेशक देवेंद्र शास्त्री ने अभियान की आगामी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में स्कूलों, कॉलेजों, युवाओं, अभिभावकों तथा विभिन्न सामाजिक एवं औद्योगिक संस्थाओं को जोड़कर नशा-विरोधी जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि 'शपथ' का उद्देश्य केवल रैली अथवा किसी एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है। निरंतर जागरूकता, शिक्षा, युवा सहभागिता एवं सामाजिक जिम्मेदारी के माध्यम से 'नशामुक्त युवा भारत' के मिशन को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सामूहिक नशामुक्ति शपथ रही। 'शपथ' की सामाजिक माध्यम प्रबंधक दिव्या अग्रवाल ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को जीवनभर नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं मित्रों को जागरूक करने तथा स्वस्थ एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान देने की शपथ दिलाई। अग्रवाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रमोद केड़िया ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सदैव सतर्क रहने तथा जीवन में सकारात्मक एवं स्वस्थ आदतों को अपनाने का संदेश दिया।

चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता हुए सम्मानित

नशा-विरोधी जागरूकता को विद्यार्थियों की रचनात्मकता से जोड़ने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के विजेताओं को कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया।

प्रथम पुरस्कार: शर्मिष्ठा ˉ एलबीएमटी स्कूल।

द्वितीय पुरस्कार: कृष्णवेणी ˉ एलबीएमटी स्कूल एवं डी. विग्नेश ˉ शांतिनिकेतन हाई स्कूल, दूधबोली।

तृतीय पुरस्कार: सुहासिनी ˉ सेंट पॉल्स हाई-टेक हाई स्कूल एवं भवानी ˉ आरएचवी कॉन्सेप्ट स्कूल।

अन्य प्रतिभागियों को भी उनके प्रयास एवं नशा-विरोधी संदेश को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत करने के लिए सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

गणमान्य अतिथियों एवं संस्थाओं की रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। अग्रवाल समाज तेलंगाना से अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, कोषाध्यक्ष सी.ए. राजगोपाल एवं सलाहकार सुरेश अग्रवाल दिल्लीवाले उपस्थित रहे। अग्रवाल शिक्षा समिति से अध्यक्ष प्रमोद केड़िया एवं मानद सचिव सी.ए. नवीन कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे। पुलिस प्रशासन एवं ईगल फोर्स से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पी. कृष्णमूर्ति, निरीक्षक ईगल फोर्स पी. श्रीनिवास राव एवं चारमीनार थाना प्रभारी टी. रामबाबू उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद समर्पण से अध्यक्ष नंदिनी अग्रवाल, सचिव निर्मला संघी एवं कोषाध्यक्ष ललिता बंसल ने सहभागिता निभाई। 'शपथ' टीम से चेयरमैन रामनिवास बंसल, जनसंपर्क निदेशक सुनील कुमार अग्रवाल, परियोजना निदेशक देवेंद्र शास्त्री, सलाहकार राजीव अग्रवाल, डॉ. वंदना अग्रवाल, विशाल केड़िया, सुशील अग्रवाल, दिव्या अग्रवाल, शिशिर केड़िया, कन्हैया गाड़िया तथा कार्यक्रम समन्वयक अनिल सिंह, मुकेश अग्रवाल, जितेंद्र अग्रवाल एवं महावीर पित्ती सहित 'शपथ' टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

एक रैली नहीं, सामाजिक आंदोलन की शुरुआत

रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल पुलिस, सरकार अथवा किसी एक सामाजिक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। परिवार, विद्यालय, शिक्षक, अभिभावक, सामाजिक संगठन और स्वयं युवासभी की सहभागिता से ही नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है। अग्रवाल समाज तेलंगाना की 'शपथ' पहल के माध्यम से नशे के विरुद्ध जागरूकता को निरंतर आगे बढ़ाने तथा युवाओं को स्वस्थ, सुरक्षित एवं जिम्मेदार भविष्य की दिशा में प्रेरित करने का संकल्प दोहराया गया।

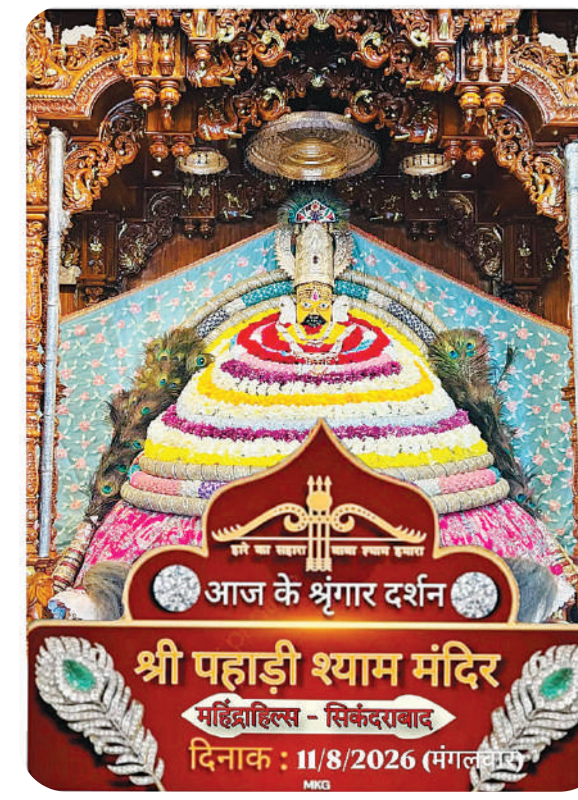

शिव ही सत्य हैं और शिव ही शाश्वत हैं : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास सावन मास की शिवरात्रि के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने शिव तत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिव के बिना सत्य की कल्पना नहीं की जा सकती, शिव ही सत्य हैं और शिव ही शाश्वत हैं।जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सावन मास भगवान शिव की आराधना और आत्मचिंतन का पवित्र समय है। भगवान शिव केवल आराध्य देव ही नहीं, बल्कि त्याग, तपस्या, करुणा, धैर्य, सरलता और लोककल्याण के प्रतीक हैं। शिव का जीवन हमें यह संदेश देता है कि व्यक्ति को अपने जीवन में अहंकार का त्याग कर सेवा, सद्भाव और परोपकार को अपनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष को अपने कंठ में धारण कर संसार को यह संदेश दिया कि दूसरों के कल्याण के लिए कठिनाइयों को सहन करना ही सच्चे त्याग की पहचान है। इसी प्रकार भगवान शिव के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा शीतलता, जटाओं में बहती मां गंगा पवित्रता और उनका शांत स्वरूप धैर्य एवं संयम का संदेश देता है।जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि शिव की भक्ति केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होनी चाहिए। भूखे को भोजन कराना, जरूरतमंद की सहायता करना और असहाय व्यक्ति के जीवन में खुशी लाना भी भगवान शिव की सच्ची आराधना है। इस अवसर पर अनिल धरसुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय तथा महेश गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज की श्रीशैलम धार्मिक यात्रा का भव्य शुभारंभ

1100 अग्रबंधुओं ने लिया हिस्सा, 25 आधुनिक बसों और करीब 20 कारों से रवाना हुआ जत्था

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से श्रावण मास के पावन अवसर पर भगवान श्री मल्लिकार्जुन स्वामी के दर्शन के लिए आयोजित श्रीशैलम धार्मिक यात्रा का शुभारंभ हुआ। समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि यह यात्रा अग्रवाल समाज के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक यात्राओं में से एक है, जिसमें करीब 1100 अग्रबंधु सम्मिलित हुए हैं। समाज की प्रत्येक शाखा का इसमें प्रतिनिधित्व रहा।मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि यात्रा की बेहतर व्यवस्था के लिए समाज की शाखाओं को पांच जोन में विभाजित किया गया है, जिनमें पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण एवं केंद्रीय जोन शामिल हैं। सभी जोन के यात्रियों के लिए निर्धारित स्थानों से बसों का प्रस्थान हुआ।

दक्षिण जोन से सबसे अधिक चार बसें सिटी कॉलेज-हाईकोर्ट से रवाना हुईं। यात्रा को लेकर सभी धार्मिक यात्रियों में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला। सभी यात्रियों ने श्रावण मास में श्रीशैलम धार्मिक यात्रा के आयोजन के लिए अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्त, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं उनकी संपूर्ण टीम का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

उन्होंने बताया कि इस धार्मिक यात्रा में 25 आधुनिक बसों के अतिरिक्त करीब 20 कारें भी शामिल हुईं। सभी अग्रबंधुओं के लिए बसों में भोजन की व्यवस्था की गई। श्रीशैलम पहुंचने के बाद सभी यात्रियों के ठहरने, भोजन एवं भगवान श्री मल्लिकार्जुन स्वामी के दर्शन की व्यवस्था भी समाज की ओर से की गई है।

धार्मिक यात्रा के दौरान शहर के प्रसिद्ध भजन गायक राजू मुरारी दायमा एवं उनकी टीम द्वारा भजन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इससे यात्रा में श्रद्धा एवं भक्ति का वातावरण बना।

समाज की ओर से की गई व्यापक व्यवस्थाओं को लेकर यात्रियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। सभी अग्रबंधुओं ने समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्त, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं उनकी संपूर्ण टीम के प्रति आभार जताते हुए कहा कि श्रावण मास में श्रीशैलम की यह धार्मिक यात्रा समाज के सदस्यों को धार्मिक आस्था एवं सामाजिक एकता के सूत्र में जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है।

ज्ञानबाग कॉलोनी में निकली भव्य 'हर घर तिरंगा' रैली

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के तहत गोशामहल स्थित ज्ञानबाग कॉलोनी में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर रैली का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्कूली बच्चों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय ध्वज के महत्व, सम्मान और देशभक्ति की भावना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी नागरिकों से राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करने तथा देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में योगदान देने का आह्वान किया।

रैली में कॉलोनी के निवासी, स्कूली बच्चे, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक शामिल हुए। रैली के दौरान राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और तिरंगे के प्रति सम्मान का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में कृष्ण, अला पुरुषोत्तम, प्रशांत, सोमराज, श्रीकांत, सुधीर सिंह, विपिन, जयपाल सहित अन्य लोगों ने भाग लिया। रैली के दौरान क्षेत्र में देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला।

सावन मास के पावन अवसर पर मंगलवार को कांग्रेस नेता एन.के. सिंह परिवार की ओर से साहेबनगर स्थित शांति निकेतन अनाथ आश्रम में सेवा कार्य किया गया। इस दौरान अनाथ बच्चों के लिए प्रातःकालीन अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर नंदकिशोर सिंह, अमरजीत सिंह, गायत्री सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मलकपेट शाखा की 'सावन की सैर' सम्पन्न

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मलकपेट शाखा, मलकपेट महिला शाखा एवं मलकपेट युवा मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में महेश्वरम स्थित ग्रैंड एरिना रिसॉर्ट में 'सावन की सैर' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तीनों शाखाओं के सदस्यों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सावन के मौसम का भरपूर आनंद लिया।

कार्यक्रम के दौरान सदस्यों के लिए तैराकी, रेन डांस, इनडोर एवं आउटडोर खेलों सहित विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसके बाद मलकपेट महिला शाखा की ओर से आकर्षक तंबोला का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में लकी ड्रॉ का भी आयोजन किया गया। इसमें पांच भाग्यशाली विजेताओं को चांदी के सिक्के प्रदान किए गए। पुरस्कारों का प्रायोजन चंद्रमोहन अग्रवाल ने किया।

सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल एवं मनोरंजक बनाने के लिए आयोजन समिति के सदस्य हर्ष बंसल, जितेंद्र गोयल एवं नितिन अग्रवाल का विशेष आभार व्यक्त किया। सदस्यों ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज के सदस्यों एवं उनके परिवारों को आपस में जोड़ने के साथ सामाजिक एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम में अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा से पंकज कुमार संघी, अशोक अग्रवाल, प्रदीप बंसल, शैलेश अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, आनंद अग्रवाल एवं निश्चित अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

युवा मोर्चा शाखा से सीए हर्ष बंसल, अमित अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, नवनीत अग्रवाल, संस्कार अग्रवाल, चिन्मय अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, रोहन अग्रवाल, तनीष अग्रवाल एवं हर्ष अग्रवाल ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

महिला शाखा से रेखा अग्रवाल, शीतल रूंगटा, सरोज अग्रवाल सहित अनेक महिला सदस्य उपस्थित रहीं। पूरे कार्यक्रम में हंसी-खुशी, उत्साह और आपसी सौहार्द का माहौल रहा। सभी सदस्यों ने 'सावन की सैर' कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD, Shamshergunj Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP.URBAN BANK LTD, Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
।। जय गौमाता ।।
आज बुधवार, 12-8-2026
हरियाली अमावस्या है।
आज हरियाली अमावस्या के दिन गौवंश को हरि घांस अर्पण कर पुण्य के भागी बने।
गौमाता को हरी घांस की सेवा कर पुण्य के भागी बने। गौसेवा हेतु सहयोग राशि स्कैन कर सकते हैं।
हमारे यहाँ शुद्ध एवं पवित्र गिर गाय का घी उपलब्ध है
© 9849379735, 9100353375
राजस्थानी महिला संघ द्वारा भजन अपराह्न 3 से 5 बजे तक
पालमाकुल स्थित ॐ शिव मंदिर गौशाला में अल्पाहार एवं भोजन प्रसाद की व्यवस्था के साथ सावन की सेल मनाने की उत्तम व्यवस्था है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : 9000001863

बोडुप्पल की बेकरी में छापा, एक्सपायरी खाद्य सामग्री और केक जब्त

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बोडुप्पल में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक बेकरी पर छापा मारा। उप्पल जोन एसओटी पुलिस ने सोमवार को मलकाजगिरी कमिश्नरेट के मेडिपल्ली थाना क्षेत्र के बोडुप्पल रोड स्थित मल्लिकार्जुन नगर में अमनान्स गल्फ बेकर्स पर छापेमारी की। पुलिस के अनुसार, बेकरी में खाद्य पदार्थ तैयार करने के दौरान कथित तौर पर एक्सपायरी खाद्य सामग्री, अमोनिया पाउडर और कृत्रिम खाद्य रंगों का इस्तेमाल किया जा रहा था।

छापेमारी के दौरान एसओटी टीम ने बेकरी परिसर की जांच की और वहां रखी खाद्य सामग्री तथा तैयार केक जब्त किए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि एक्सपायरी सामग्री का इस्तेमाल कब से किया जा रहा था और इससे तैयार खाद्य पदार्थों की बिक्री कितने समय से की जा रही थी।

प्राथमिक जांच में बेकरी के मालिक की पहचान झारखंड निवासी अब्दुल मुत्तलिब के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उसने बेकरी के दैनिक संचालन के लिए निर्मल निवासी मुस्तफा को मासिक वेतन पर नियुक्त किया था। बेकरी के संचालन और खाद्य सामग्री के इस्तेमाल से जुड़े तथ्यों की भी जांच की जा रही है।

पुलिस ने बरामद खाद्य सामग्री और केक को आगे की कार्रवाई के लिए मेडिपल्ली पुलिस के हवाले कर दिया है। बेकरी मालिक अब्दुल मुत्तलिब को भी मेडिपल्ली पुलिस को सौंपा गया है। मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि बेकरी में इस्तेमाल की जा रही खाद्य सामग्री कहां से खरीदी जाती थी, उसका भंडारण किस तरह किया जाता था और तैयार खाद्य पदार्थों की आपूर्ति किन क्षेत्रों में की जाती थी। आवश्यकता पड़ने पर बरामद खाद्य सामग्री के नमूने संबंधित विभाग को जांच के लिए भेजे जा सकते हैं।

शुभ लाभ मिडिया जनता से करता है अपील

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बेकरी, होटल, मिठाई की दुकानों और अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनकी गुणवत्ता और पैकिंग की तारीख जरूर जांचें। एक्सपायरी, खराब या संदिग्ध खाद्य सामग्री दिखाई देने पर उसका सेवन न करें और संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दें।

विशेष रूप से बच्चों को दिए जाने वाले केक, पेस्ट्री, बिस्कुट और अन्य तैयार खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनकी निर्माण और उपयोग की अंतिम तिथि जरूर देखें। किसी खाद्य पदार्थ का रंग, गंध या स्वाद असामान्य लगे तो उसे खाने से बचें।

पुलिस ने लोगों से यह भी कहा है कि खाद्य पदार्थों में मिलावट या एक्सपायरी सामग्री के इस्तेमाल की जानकारी मिलने पर चुप न रहें। ऐसी शिकायतों से समय रहते कार्रवाई करने और लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा में मदद मिल सकती है। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

तेलंगाना में सरकारी स्कूलों की संख्या घटी, एक साल में 1,969 की कमी!

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 11 अगस्त।

तेलंगाना में सरकारी स्कूलों की संख्या में आई बड़ी कमी ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। लोकसभा में पेश आंकड़ों के अनुसार, एक वर्ष में राज्य के सरकारी प्राथमिक स्कूलों की संख्या में 1,969 की कमी दर्ज की गई है। देशभर में भी इसी अवधि में सरकारी प्राथमिक स्कूलों की संख्या करीब 10 हजार कम हुई है।

सरकारी स्कूलों की संख्या घटने के विपरीत तेलंगाना में निजी स्कूलों की संख्या में 771 की बढ़ोतरी हुई है। एक ओर सरकारी स्कूल कम हो रहे हैं और दूसरी ओर निजी स्कूलों की संख्या बढ़ रही है। यह स्थिति अभिभावकों के बदलते रुझान और सरकारी शिक्षा व्यवस्था के सामने मौजूद चुनौतियों की ओर संकेत करती है।

सरकारी स्कूलों में नामांकन को लेकर भी चिंता सामने आई है। केंद्र की समीक्षा के अनुसार, तेलंगाना में सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की हिस्सेदारी 38.11 प्रतिशत, यानी करीब 27.8 लाख विद्यार्थियों की थी। वहीं निजी स्कूलों में करीब 60.75 प्रतिशत, यानी 44.31 लाख विद्यार्थी पढ़ रहे थे।

अभिभावकों का निजी स्कूलों की ओर बढ़ता रुझान, अंग्रेजी माध्यम की मांग, बेहतर सुविधाओं की अपेक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर बनी धारणा सरकारी स्कूलों में घटते नामांकन के प्रमुख कारणों में माने जा रहे हैं। हालांकि, अलग-अलग क्षेत्रों में इसके कारण अलग हो सकते हैं और इसके लिए विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है।

कम नामांकन वाले सरकारी स्कूलों का संचालन भी सरकार के सामने बड़ी चुनौती है। कई स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बेहद कम होने के कारण शिक्षकों और अन्य संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर सवाल उठते हैं। ऐसे में स्कूलों को बंद या विलय करने के बजाय कम नामांकन के कारणों की पहचान और उनके समाधान पर भी ध्यान देना जरूरी है।

सरकारी स्कूल ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की शिक्षा का महत्वपूर्ण आधार हैं। किसी क्षेत्र में स्कूल बंद होने या दूर स्थान पर स्थानांतरित होने से इन परिवारों के बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो सकती है। इसलिए स्कूलों की संख्या घटाने के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उनके आसपास ही उपलब्ध हो।

सरकार की ओर से सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। पीएम श्री योजना सहित कई योजनाओं के माध्यम से स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं और शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि सरकारी स्कूलों में घटते नामांकन और स्कूलों की संख्या में कमी को कैसे रोका जाए। स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक, बेहतर भवन, आधुनिक शिक्षण सुविधाएं, अंग्रेजी माध्यम की मांग के अनुरूप शिक्षा और अभिभावकों का विश्वास बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाना जरूरी है।

सरकारी स्कूलों की संख्या में 1,969 की कमी महज एक आंकड़ा नहीं है। यह राज्य की सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था की स्थिति और उसकी दिशा पर गंभीर विचार की जरूरत को सामने रखती है। जरूरत इस बात की है कि सरकार प्रत्येक ऐसे स्कूल की समीक्षा करे और यह सुनिश्चित करे कि किसी भी बच्चे की शिक्षा केवल इसलिए प्रभावित न हो कि उसके क्षेत्र का सरकारी स्कूल बंद या विलय कर दिया गया है।

गुप्त खजाने का मायाजाल, नकली सोने के सिक्कों से करोड़ों की ठगी

हैदराबाद, 11 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। शमशाबाद जोन टास्कफोर्स और राजेंद्रनगर पुलिस ने गुप्त खजाने के नाम पर लोगों को ठगने वाले चार सदस्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य लोगों को उनके घर या जमीन के नीचे गुप्त खजाना दबा होने का झांसा देते थे और बाद में पूजा-पाठ के जरिए खजाना निकालने का दावा कर उनसे मोटी रकम ऐंठते थे।

गड्ढे में कोयला और नकली सिक्के, ऊपर से पूजा का खेल

आरोपी बेहद योजनाबद्ध तरीके से ठगी को अंजाम देते थे। पहले लोगों को बताया जाता था कि जमीन के नीचे पुराना खजाना मौजूद है। इसके बाद गड्ढा खोदकर उसमें कोयला और सोने की परत चढ़े नकली सिक्के दबा दिए जाते थे। फिर पूजा-पाठ शुरू कर पीड़ितों को बताया जाता था कि विशेष पूजा के बाद कोयला सोने में बदल जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया के जरिए पीड़ितों के मन में खजाना मिलने का भरोसा पैदा किया जाता था।

अंधविश्वास और लालच बना ठगी का हथियार

गिरोह लोगों की खजाना पाने की लालसा और अंधविश्वास का फायदा उठाता था। पूजा, अनुष्ठान और अन्य धार्मिक क्रियाओं के नाम पर पीड़ितों से लगातार पैसे लिए जाते थे। पुलिस जांच में अब तक करीब 11 लोगों को ठगी का शिकार बनाए जाने और उनसे लगभग एक करोड़ रुपये वसूले जाने की जानकारी सामने आई है।

चार आरोपी गिरफ्तार, एक का पुराना रिकॉर्ड

पुलिस ने मोहम्मद मुनावर उर्फ मुन्ना (36), सैयद अली अशरफ (40), मोहम्मद हाजी (25) और मोहम्मद सलमान (29) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, मुनावर के खिलाफ इससे पहले भी इसी तरह की ठगी के मामले में बेगमबाजार पुलिस थाने में केस दर्ज हो चुका है। इससे पुलिस को आशंका है कि गिरोह लंबे समय से इसी तरीके से लोगों को निशाना बना रहा था।

आरोपियों के पास से दो कारें, एक ऑटो, दो बाइक, चार मोबाइल फोन, सोने की परत चढ़े 25 नकली सिक्के, 6 किलो कोयला, 4 किलो मिट्टी और पूजा सामग्री बरामद की गई है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि बरामद सामान का इस्तेमाल किन-किन वारदातों में किया गया और गिरोह से जुड़े अन्य लोग भी इस नेटवर्क में शामिल हैं या नहीं।

राजेंद्रनगर थाने में केस, जांच जारी

राजेंद्रनगर पुलिस थाने में क्राइम नंबर 916/2026 के तहत इछड की धारा 318(4), 351(2), 61(2) और 3(5) में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर ठगी के पूरे नेटवर्क, अन्य पीड़ितों और करीब एक करोड़ रुपये की रकम के लेन-देन की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस ने लोगों को चेतावनी दी है कि घर या जमीन के नीचे गुप्त खजाना होने, पूजा से कोयला सोने में बदलने या नकली सिक्कों को असली सोना बताने वाले लोगों के झांसे में न आएं। ऐसे किसी भी व्यक्ति द्वारा पैसे की मांग किए जाने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की गई है।

आज अमावस्या
गौदर्शन, गोसेवा एवं गोदान का विशेष महत्व
गौवंश को कत्लखाने जाने से छुडाकर आश्रय प्रदान किया जाता है
इमलीबन गौ सेवा सदन (गौशाला) में बीमार, वृद्ध, विकलांग तथा दुर्घटनाग्रस्त गौवंश को आश्रय दिया जाता है
हमारा उद्देश्य मात्र गौ रक्षा एवं गौ सेवा
भाग्यनगर गौ सेवा सदन (गौशाला)
Regd. No.5927/96
लोवर टैंक बण्ड, सिकन्दराबाद © 65575872
अमावस पर सभी परिवार सहित गौसेवा हेतु गौशाला पधारे।
गौशाला प्रांगण में गणेशजी, महालक्ष्मीजी के मंदिर में दर्शन लाभ प्राप्त करें।
Account Name : Bhagyanagar Gau Sewa Sadan (Imliban)
A/c No. : 98380200002253 Bank of Baroda, Abids Branch, Hyderabad
IFSC Code : BARBOEXTCHT (After B it's Zero (0) in IFSC Code)
इमलीबन गौ सेवा सदन
महात्मा गाँधी बस स्टेशन, इमलीबन, हैदराबाद
भाग्यनगर गौ सेवा सदन, लोवर टैंक बण्ड में पिछले 14 वर्षो से लगातार प्रतिदिन अबदान सेवा की जा रही है।

।। श्री गणेशाय नमः।।
बुधवार, दि. 12 अगस्त 2026, हरियाली अमावस्या के अवसर पर पधारें
श्री आईजी गौशाला
बुधवार, दि. 12 अगस्त 2026, हरियाली अमावस्या, मल्कारम, बालाजीनगर, (कापरा मंडल) (रजि.नं.720/2008)
के अवसर पर सपरिवार पधारकर गौसेवार्थ दान-पुण्य कर लाभ लेवें
एक दिन गौ माता के नाम जागरण साउंड व्यवस्था : राठौड़ साउंड एंड डिजिटल स्टूडियो
आई माताजी भजन मंडली बालाजीनगर, अचलारामजी हाम्बड़, मोहनलालजी भायल, ओमप्रकाशजी कुमावत, गिरधारीलालजी प्रजापत, पिंटुजी सागर एवं लक्ष्मणजी सुधार द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएंगे।
भोजन प्रसादी के लाभार्थी परिवार : साँवरसिंह खिंची (सुपुत्र : बेरीसाल सिंहजी) मच्छा बोलाराम, अलवाल (नेणासर, जिला चुरु, राज.), के.एम. इंटीरियर्स, मच्छा बोलरम, अलवाल, स्नेहा (पुत्री), संदीपसिंह (सुपुत्र : साँवरसिंह)
हरे घास की व्यवस्था : मेना कंवर, मच्छा बोलाराम, अलवाल
गौशाला के बैंक एकाउंट में भी दान राशी जमा कराकर पुण्य के भागीदार बने
(Sri Aaiji Gowshala, SBI A/c Cheeryal A/c no.: 62492036580, IFSC : SBIN0020435)
निवेदक : श्री आईजी गौशाला के पदाधिकारी व सदस्यगण
अध्यक्ष : मंगलाराम पंवार 9246108583 सचिव : हुक्माराम सानपुरा 9441118022

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज बुधवार 12 अगस्त 2026 प्रातः 11 बजे से
श्रावण/हलहारिणी अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
दूरभाष : 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

गौ माता, गौ माता की संतान की सेवा और पोषण क्षेत्र में कार्य कर रहा
Dhyan Foundation Journey of Spirit
ध्यान फाउण्डेशन गौशाला
आज अमावस्या
पेद्दाशापुर, गोलुर रोड (स्टैच्यू ऑफ इक्वालिटी के समीप)
अवैध कत्लखानों से बचाए गए 3500 से अधिक गौवंश का घर
ध्यान फाउण्डेशन द्वारा पेद्दाशापुर, गोलुर रोड गौशाला तथा यादगिरीगुट्टशा में सहयोग नन्दीशाला में गौवंश की सेवा की जा रही है।
गौवंश हेतु गौशाला में चारे के विकट समस्या के कारण सभी से अनुरोध है कि कृपया गौशाला में सहयोग करें।
प्रति एकादशी सायं 4:30 बजे से इच्छापूर्ति यज्ञ का आयोजन
सभी गौभक्त अपना सहयोग एवं दान निम्नलिखित बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।
Account Name : DHYAN FOUNDATION (Hyderabad Chapter)
A/c No. : 00812020002930 HDFC Bank, Himayathnagar Branch
IFSC Code : HDFC0000081 - Call : 9848046793, 9959996677
Donations Exempted Under Section 80G of Income Tax Act.
CSR Regn. No. CSR00003498 FCRA SB A/c. 40016350620
IFSC Code : SBIN0000691 SWIFT : SBININBB104

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज बुधवार, 12 अगस्त 2026 श्रावण अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रखी गयी है।
एक गौमाता की पूर्ण मासिक सेवा ₹3100
संपूर्ण गौशाला की एक दिन की सेवा ₹15,100
अन्य सेवा : एक कट्टा घास् का प्रति दिन एक माह तक 500/-
गूड - दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घाँस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
शुद्ध गाय का घी गौशाला में ही निर्मित हमारे गौशाला में रहने वाली गौ माताओं के दुध से निर्मित शुद्ध और सात्विक गाय का घी उपलब्ध है।
Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340476, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेपटा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.